डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

₹77,450 10 ग्राम

₹91,460 01 किलो

सेंसेक्स 79,486.32 -55.47

डॉलर 84.375 +0.074

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

कार्तिक शुक्ल पक्ष 09, संवत 2081 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), रविवार, 10 नवंबर 2024, वर्ष-31, अंक-26, पृष्ठ-12 | ₹3.00 | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

पेज-10

कप्तान सूर्यकुमार और कोच के...

सियासत : क्या झारखंड में निर्दलीय विधायकों का दौर फिर लौटेगा?

राणा अरुण सिंह

झारखंड गठन के बाद राज्य की राजनीति में लंबे समय तक निर्दलीय विधायकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। ये विधायक अपनी स्वतंत्र विचारधारा और अलग पहचान के कारण न केवल विधानसभा में विशेष स्थान रखते थे, बल्कि सत्ता की कुर्सी के समीकरणों को भी प्रभावित करने में सक्षम थे।मधु कोड़ा निर्दलीय होकर मुख्यमंत्री तक बने । हालांकि, राज्य की अस्थिर राजनीतिक स्थिति और विकास की धीमी गति को लेकर जनता का आक्रोश बढ़ता गया, जिसके परिणामस्वरूप 2014 के विधानसभा चुनाव में जनता ने इन निर्दलीय उम्मीदवारों को पूरी तरह नकार दिया जिससे यह संदेश स्पष्ट हो गया कि झारखंड की जनता अब स्थिरता और जिम्मेदार शासन चाहती है।

अब, 2024 के विधानसभा चुनावों से पहले नेताओं में पाला बदलने की जो होड़ दिखी है, उससे संकेत है कि शायद निर्दलीय उम्मीदवारों का दौर फिर से लौट सकता है। झारखंड की राजनीतिक पृष्ठभूमि को देखें, तो 1951 से 2019 के बीच 16 विधानसभा चुनावों में कुल 90 निर्दलीय विधायकों ने राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में जीत हासिल की है। इनमें से संथाल परगना का जरमुंडी क्षेत्र सबसे अलग रहा है। यहा से अब तक 6 बार निर्दलीय विधायक चुने जा चुके हैं, जिससे इस क्षेत्र की अनूठी राजनीतिक पहचान बन गई है।

जरमुंडी के अलावा ईचागढ़ और सिंदरी जैसे क्षेत्रों से भी कई निर्दलीय उम्मीदवारों ने चार बार जीत दर्ज की है, जबकि कोलेबिरा, गोमिया, चंदनकियारी, सरायकेला, बहरागोड़ा, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर और जगन्नाथपुर जैसी सीटों से तीन-तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि गोमिया विधानसभा सीट से माधवलाल सिंह ने 1985, 1990 और 2000 में लगातार तीन बार निर्दलीय विधायक के रूप में जीत दर्ज की, और एनई होरो ने कोलेबिरा और तोरपा से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतकर राज्य की राजनीति में अलग छाप छोड़ी।

इतिहास की ओर दृष्टि डालें, तो 1967 का साल निर्दलीय उम्मीदवारों के लिए सबसे स्वर्णिम था, जब 16 निर्दलीय विधायक विधानसभा पहुंचे थे। इसी तरह, 1969 में 14 और 1977 में 10 निर्दलीय विधायक चुने गए, जो कि राज्य की राजनीति में इनकी गहरी पैठ और जनता के बीच प्रभाव का परिचायक है। 2014 में जनता द्वारा निर्दलीय उम्मीदवारों को खारिज करने के बावजूद, वर्तमान में पाला बदलने की होड़ और निर्दलीय प्रत्याशियों की संभावनाएँ दशार्ती हैं कि शायद एक बार फिर जनता निर्दलीय उम्मीदवारों पर विचार कर सकती है। 2024 के चुनावी परिणाम यह तय करेंगे कि झारखंड की राजनीति में निर्दलीय विधायकों का युग फिर लौटता है या नहीं।

भाजपा की सरकार बनते ही घुसपैठिओं को भगाया जाएगा : गृह मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

छतरपुर। देश में सबसे भ्रष्ट सरकार हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झारखंड सरकार है। झारखंड को झामुमो, कांग्रेस, राजद ने मिलकर लूटा है। भ्रष्टाचार के आरोपों में सरकार के कई मंत्री जेल में हैं, तो कई पर मामला दर्ज है। झारखंड में रोटी, बेटी, माटी सुरक्षित नहीं है। संताल क्षेत्र में बंगला देशियों से भर गया है। सरकार बनते ही सभी को चुन चुन कर भगाया जाएगा। ये बातें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को विजय संकल्प सभा के दौरान छतरपुर हाई स्कूल के मैदान में एनडीए समर्थित सह भाजपा प्रत्याशी पुष्पा देवी के समर्थन में चुनावी सभा में कही। उन्होंने कहा कि झारखंड में आदिवासी समुदाय अपने को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। भ्रष्टाचारी सरकार को हटा कर भाजपा की सरकार को राज्य में बनाने की जरूरत है। कांग्रेस के एक सांसद के घर से 350 करोड़ रुपए नकद बरामद हुआ है। रुपए गिनने में शेष पेज 11 पर

घोटालेबाज है हेमंत सरकार, डबल इंजन की सरकार बनाएं : जेपी नड्डा

विश्रामपुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा (जेपी नड्डा) ने कहा कि झारखंड संस्कृति और समर्पण की भूमि है। यहां के वीरों ने संस्कृति और सम्मान के लिए अपना बलिदान दिया है। इतिहास गवाह है कि इस धरती ने अन्याय के खिलाफ हमेशा लड़ाई लड़ी है। आगे भी यह धरती इतिहास रचेगी और हेमंत सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी। घोटालेबाज हेमंत सरकार को हटाकर डबल इंजन की सरकार बनाएं, ताकि देश के साथ झारखंड को भी विकसित किया जा सके। वह शनिवार को विश्रामपुर विधानसभा में भाजपा द्वारा आयोजित विजय संकल्प सभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बेल पर हैं। राज्य सरकार कुछ मंत्री जेल में हैं। सरकार ने वोट की खातिर बांग्लादेशी घुसपैठियों को शरण दी है। भाजपा की सरकार बनते ही उन्हें चुन चुन कर खदेड़ा जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार विकसित भारत के सपने को पूरा कर रही है। देश के सभी लोगों को विकास से सीधा जोड़ रही है। भाजपा झारखंड के लोगों को विकास से जोड़ना चाहती है। शेष पेज 11 पर

हेमंत सरकार घुसपैठियों को दे रही है शरण : सरमा

मेदिनीनगर। झारखंड के सह प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के चैनपुर के किन्नी में भाजपा उम्मीदवार आलोक चौरसिया के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन की शुरूआत उन्होंने 'भारत माता की जय' के नारे से की। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि यह चुनाव किसी विशेष व्यक्ति या संगठन का नहीं, बल्कि झारखंड की अस्मिता और संस्कृति को बचाने का चुनाव है। राज्य में हिंदू आस्था से जुड़े पर्व जैसे रामनवमी और दुर्गा पूजा के जुलूसों को रोकने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि संथाल परगना में 1951 में हिंदुओं की जनसंख्या 90% थी, जो अब घटकर 67% रह गई है। झामुमो सरकार घुसपैठियों को शरण दे रही है, जिससे पाकुड़ और साहिबगंज जैसे इलाकों में हालात बिगड़ गए हैं। सरमा का कहना है कि घुसपैठी झामुमो और कांग्रेस को वोट देकर उनका वोट बैंक बढ़ा रहे हैं। उन्होंने हिंदू समाज से जातिवाद में न बंटने और शेष पेज 11 पर

सरकार बनने पर बरोजगारों को नौकरी मिलेगा : तेजस्वी

भवनाथपुर\हरिहरगंज। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने शनिवार को पलामू जिला के हरिहरगंज नगर पंचायत अंतर्गत राधे कृष्णा मैदान में राजद के प्रदेश अध्यक्ष सह हरिहरगंज-हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र के राजद प्रत्याशी संजय कुमार सिंह यादव व गढ़वा जिला के भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र से इंडिया गंठबंधन समर्थित झामुमो प्रत्याशी अनंत प्रताप देव के समर्थन में भवनाथपुर प्लस टू उच्च विद्यालय में आयोजित जनसभा में इंडिया गठबंधन प्रत्याशियों के पक्ष में चुनावी माहौल बनाया। उन्होंने कहा कि राजद प्रत्याशी संजय कुमार सिंह यादव, अनंत प्रतात देव एक इमानदार व कर्मठ नेता हैं। 13 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी संजय कुमार सिंह यादव, अनंत प्रताप देव को सहयोग करें। इंडिया गठबंधन अन्य पार्टियों की तरह खोखले वादे नहीं करती, जो कहती है वही करती है। उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार में चहुंमुखी विकास हुआ है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना चलाकर उन्हें आर्थिक लाभ देने का कार्य किया है। विद्यार्थियों के लिए गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, किसानों के लिए ऋण माफी, सरकारी पदों में रिक्तियां भरने का कार्य व ऋण माफी का कार्य किया है। हेमंत सरकार ने जरूरतमंदों को अबुआ आवास, सर्वजन पेंशन योजना व पूर्व से बकाया बिजली बिल मांफी के साथ 200 यूनिट बिजली मुफ्त देने का काम किया है।

प्रधानमंत्री गरीबों के नहीं वह अंबानी-अडाणी के : राहुल गांधी

पूर्वी सिंहभूम/धनबाद। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में लड़ाई विचारधारा की है। एक तरफ कांग्रेस पार्टी और इंडिया गठबंधन तो दूसरी तरफ भाजपा और आरएसएस। एक तरफ मोहब्बत, एकता, भाईचारा, इज्जत दूसरी तरफ नफरत, हिंसा और अहंकार। हम कहते हैं कि संविधान को बचाना है। राहुल गांधी ने शनिवार को धनबाद के बाघमारा में कहा कि एक बार मैंने देखा कि नरेन्द्र मोदी तार के पीछे खड़े कुछ गरीब बच्चों से झिझक कर मिल रहे थे। हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री किसानों, गरीबों, दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के पास नहीं जाते हैं। वो कभी किसी गरीब के यहां शादी में नहीं गए लेकिन अंबानी की शादी में चले गए। इससे साफ पता चलता है कि वो आपके नहीं है, वो उनके (अंबानी) हैं। राहुल गांधी ने कहा कि आज देश मे करीब 50 प्रतिशत ओबीसी, 14 प्रतिशत दलित, 8 प्रतिशत दलित और 15 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं लेकिन देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के मैनेजमेंट में आपको आदिवासी या दलित वर्ग का कोई भी व्यक्ति नहीं मिलेगा। राहुल ने पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) के गांधी मैदान में सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर तक यात्रा निकाली थी। एक ही मैसेज था कि हिंदुस्तान को जोड़ना है और सबको एक साथ आगे लेकर चलना है। हमने नारा दिया था, नफरत के बाजार में हम मोहब्बत की दुकान खोलेंगे जबकि नरेन्द्र मोदी हिंदुस्तान को बांटते हैं।

सीएम हेमंत के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव और उनसे जुड़े लोगों के 15 ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव और उनसे संबंधित लोगों के कई ठिकानों पर शनिवार सुबह इनकम टैक्स की टीमों ने छापेमारी शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव में अवैध कैश फ्लो और हवाला के जरिए राशि इधर से उधर किए जाने की सूचना पर यह कार्रवाई की जा रही है। इनकम टैक्स की टीमों ने भारी सुरक्षा के बीच रांची में सीएम के निजी सचिव सुनील श्रीवास्तव और उनकी पत्नी के अशोकनगर स्थित आवास के अलावा परिवार के सदस्यों और जमशेदपुर में व्यापारिक और औद्योगिक प्रतिष्ठानों पर एक साथ सुबह से सर्च ऑपरेशन शुरू किया है। कुल मिलाकर, करीब 15 ठिकानों पर जांच शुरू हुई है। सुनील श्रीवास्तव लंबे समय से सीएम हेमंत सोरेन के निजी सचिव हैं। वह पहले सरकारी विभाग में इंजीनियर थे। बाद में उन्होंने नौकरी छोड़ दी और हेमंत सोरेन के सहयोगी के तौर पर काम करने लगे। वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय समिति के सदस्य और पार्टी के स्टार प्रचारक भी हैं। इसके पहले आयकर विभाग ने विधानसभा चुनाव में हवाला के सहारे पैसों की लेनदेन की सूचना पर बीते 26 अक्टूबर को रांची, जमशेदपुर,गिरिडीह और कोलकाता में 35 व्यापारिक और औद्योगिक ठिकानों पर दो दिनों तक छापेमारी की थी। इन कारोबारियों के ठिकाने से 150 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किये थे।

प्रधानमंत्री का रोड शो आज, तैयारियां पूरी, चप्पे-चप्पे पर रहेंगे जवान

- पीएम मोदी के कारकेड का रिहर्सल किया गया, एसपीजी की टीम ने भी लिया जायजा
- 19 आईपीएस, 25 डीएसपी, 111 इंस्पेक्टर, 714 एसआई-एएसआई, 3000 जवान तैनात

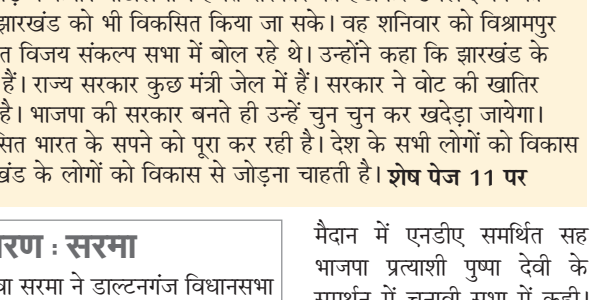

रांची। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रांची में रविवार को होने वाले रोड शो को लेकर पुलिस प्रशासन ने अपनी तैयारियां पूरी कर ली है। रोड शो को लेकर सड़क को जगह-जगह बैरिकेडिंग की गयी है। प्रधानमंत्री के कारकेड का रिहर्सल भी शनिवार को किया गया। इस दौरान सभी वरीय अधिकारी मौजूद थे। एसपीजी की टीम ने भी प्रधानमंत्री के कार्यक्रम स्थल का दौरा किया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर तीन हजार से अधिक जवान तैनात किए गए हैं। रोड शो के दौरान चप्पे-चप्पे पर जवानों की तैनाती रहेगी। साथ ही सभी ऊंचे भवनों पर पुलिस के हथियार बंद दस्ता तैनात रहेंगे। पुलिस मुख्यालय की ओर से गुमला, बोकारो और रांची के सीनियर आईपीएस अधिकारियों को सुरक्षा का प्रभार दिया गया है। प्रधानमंत्री मोदी का 10 नवंबर को रांची, बोकारो और गुमला में कार्यक्रम प्रस्तावित है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर तीनों जिलों की पुलिस अलर्ट मोड है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर 19 आईपीएस , 25 डीएसपी, 111 इंस्पेक्टर, 714 एसआई और एएसआई, 3000 जवान, 2 बीडीडीएस टीम, 2 हिट टीम, 4 कंपनी रैप को प्रतिनियुक्त किया गया है। साथ ही स्नाइफर डॉग स्क्वैड की टीम भी मुस्तैद है।

गुमला : डीजी रेल मुरारी लाल मीणा सुरक्षा प्रभारी : डीजी रेल मुरारी लाल मीणा गुमला में सुरक्षा के वरीय प्रभार में रहेंगे। साथ ही रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे भी गुमला में ही कैंप करेंगे। इनके साथ आईपीएस एमेल्डा एक्का, अंजनी अंजन, नाथू सिंह मीणा और प्रवीण पुष्कर रहेंगे।

रांची : एडीजी अभियान संजय लाठकर सुरक्षा प्रभारी : एडीजी अभियान संजय आनंद राव लाठकर रांची में प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा के वरीय प्रभार में रहेंगे। एडीजी के अलावा रांची में आईजी अखिलेश झा, आईजी पंकज कंबोज, आईजी विजया लक्ष्मी, डीआईजी एस कार्तिक और डीआईजी संध्या रानी मेहता भी प्रधानमंत्री के सुरक्षा में तैनात हैं। साथ ही चंदन कुमार झा, अनुरंजन किस्पोट्टा, अंजनी कुमार झा, निधि द्विवेदी, पीयूष पांडे, सरोजिनी लकड़ा, विजय आशीष कुजूर, अमित रेनू, शेष पेज 11 पर

आज | कल

इंडिया | जब ईमानदार और साहसी अधिकारियों ने युवाओं को आतंकवादी बनने से रोका

हमारे जीवन में अनेक चुनौतियां ऐसी होती हैं जिससे हार मानकर हम राह भटक जाते हैं पर यदि समाज के जिम्मेदार पदों पर बैठे लोग या अभिभावक उन परिस्थितियों को समझ जाएं और धारा के विपरीत जाकर सही और साहसिक निर्णय लें तो अनेक युवा आतंकवादी या अपराधी बनने के बजाय योग्य नागरिक बन सकते हैं । झारखंड के पहले चर्चित डीजीपी शिवाजी महान कैरे ने अपने जीवन का ऐसा ही अनुभव बताया था जब वे आतंकवाद से जूझ रहे पंजाब में आईजी अभियान हुआ करते थे । उनके डीजीपी स्व केपीएस गिल थे जिन्हें आतंकवाद मिटाने का श्रेय जाता है । पंजाब में आतंकवाद के दौर में लोग इतने डरे हुए रहते थे कि घर के बाहर तक निकलने से डरते थे। जब आतंकवाद से लड़ने के लिए गिल की पंजाब में तैनाती हुई तो उन्होंने आतंकवादियों को मुंह तोड़ जवाब दिया। साथ ही लोगों में उत्साह भरते हुए उन्हें घरों से बाहर निकाला। वास्तव में गिल असल जिंदगी के हीरो थे। गिल गांव-गांव शहर-शहर सभ्याचार प्रोग्राम कराते थे। उन कार्यक्रमों के माध्यम से उन्होंने लोगों का उत्साह बढ़ाया और हर शहर के एसपी और अन्य स्टाफ के साथ मिलकर काम किया। यही कारण है कि देखते ही देखते पुलिस ने आतंकवादियों के घुटने तोड़ दिए।पंजाब ने पिछली सदी के अंत में सबसे खूनी विद्रोह देखा था। 1990 के दशक के मध्य में जब खालिस्तान आंदोलन भारत के सबसे हिंसक विद्रोहों में से एक था, ने डेढ़ दशक की अवधि में 21,532 लोगों की जान ले ली। मृतकों में 8,090 अलगाववादी, 11,696 नागरिक और 1,746 सुरक्षाकर्मी (केवल पंजाब पुलिस के 1,415) शामिल थे।उसी दौरान लगभग 50 खूंखार और कट्टर आतंकवादियों को गोली मारने का आदेश देकर डीजीपी गिल हेलिकॉप्टर से रवाना हो गए । उल्लेखनीय है कि केपीएस गिल पर मानवाधिकार के उल्लंघन के अनेक मामले चले थे पर उन्हें सोने का दिल वाला,दृढ़ निश्चयी और ईमानदार अधिकारी रॉ के पूर्व प्रमुख एएस दुलत बताया था । तत्कालीन

आईजी अभियान शिवाजी महान कैरे भी बहुत ही ईमानदार और कड़क अधिकारी के साथ ही मानवतावादी और सरल व्यक्ति थे, उन्होने इस आदेश का उल्लंघन कर उन्हें गोली मारने के बजाय सभी से अपने माता पिता या अभिभावक के नाम एक-एक चिट्ठी लिखने को कहा कि यदि उनकी हत्या हो जाती है तो इसके लिए पुलिस को दोषी माना जाए और वे सारे पत्र लेकर सभी के मां-बाप को बुलवाया। तब यह बेहद दुस्साहसिक और खतरनाक कदम था जिससे उनकी नौकरी और जान दोनों जा सकती थी । पर इसका बहुत ही बड़ा असर हुआ और सभी युवाओं ने अपने माता-पिता की कसं खाई कि वे हिंसा छोडकर मुख्यधारा में लौटेंगे। झारखंड में भी उग्रवाद समाप्त करने में कुछ ईमानदार अधिकारियों की भूमिका रही है जिनमें लोहरदगा के एसपी नवीन कुमार सिंह भी थे जो हर फोन खुद उठाते थे और खुद का परिचय फोन ड्यूटी श्रीमान कह कर देते थे जिससे उन्हें कमाल की जानकारी मिलती थी जबकि कुछ दिनों पूर्व वहां के एसपी अजय कुमार सिंह की हत्या उग्रवादियों ने कर दी थी । हाल ही में जम्मू कश्मीर विधानसभा में नेशनल कांफ्रेंस के विधायक कैसर जमशेद लोन ने अपनी कहानी सुनाई कि कैसे सिस्टम में उनका विश्वास बहाल हुआ जब वह आतंकवादी बनना चाहते थे। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव के दौरान बोलते हुए लोन ने कहा कि किशोराव्यस्था में एक सैन्य अधिकारी द्वारा प्रताड़ित और अपमानित होने के बाद वो आतंकवादी बनना चाहते थे।लोलाब से एनसी विधायक ने कहा कि उस घटना के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सेना अधिकारी को फटकारने से सिस्टम में उनका विश्वास बहाल हुआ। उन्होंने कहा कि इस घटना ने दिखाया कि बातचीत से कैसे मुद्दों का समाधान निकाला जा सकता है। अपनी कहानी साझा करते हुए विधायक ने कहा कि जब मैं छोटा था तो मेरे क्षेत्र में एक दमनकारी कार्रवाई हुई थी। मैं 10वीं कक्षा का छात्र था। लोन ने सदन में अपने भाषण के दौरान कहा कि मेरा साथ ही 32 युवाओं को पूछताछ के लिए पकड़ा गया था। लोन ने बताया कि एक सेना अधिकारी ने एक ऐसे युवक के बारे में पूछा था जो आतंकवादियों में शामिल हो गया था। उन्होंने जवाब दिया कि वह उस युवक को जानते हैं क्योंकि वह उनके क्षेत्र में रहता है।मुझे इसके लिए पीटा गया। फिर उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या आतंकवादी कार्रवाई में मौजूद था। मैंने नकारात्मक जवाब दिया और मुझे फिर से पीटा गया। उन्होंने बताया कि बाद में एक वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर आए और उनसे बात की। उन्होंने मुझसे पूछा तुम जीवन में क्या बनना चाहते हो? मैंने उनसे कहा कि मैं एक उग्रवादी बनना चाहता हूं। उन्होंने मुझसे इसका कारण पूछा और मैंने उन्हें अपने साथ हुई यातना के बारे में बताया। लोन ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी ने अपने कनिष्ठ को सार्वजनिक रूप से फटकार लगाई जिससे उनका व्यवस्था में विश्वास बहाल हुआ। उन्होंने कहा कि बाद में उन्हें पता चला कि जिन 32 युवकों से पूछताछ की गई थी उनमें से 27 युवक उग्रवादी बन गए।

भाजपा ने हमेशा आदिवासियों का तिरस्कार किया, अब जनता हिसाब लेगी : हेमंत सोरेन

पोटका/मांडर। पोटका और मांडर झामुमो और कांग्रेस प्रत्याशियों के लिए आयोजित जनसभा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कहा कि जनादेश मिलने के बाद इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही 2 साल के अंदर राज्य सरकार के सभी रिक्त पदों को भरा जाएगा। इसके साथ ही सभी विभागों के मानव बल की मैपिंग भी होगी, फिर जरूरत के अनुसार नए पदों का सृजन भी किया। पोटका में झामुमो उम्मीदवार संजीव सरदार के समर्थन में सीएम हेमंत सोरेन ने शनिवार को बीजेपी पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा जितना परेशान करेगी, उतना ही हम तेजी से झारखंड के हक-अधिकारों की आवाज उठाएंगे। हम अपना अधिकार लेकर रहेंगे। सीएम ने कहा कि भाजपा ने हमेशा आदिवासियों का तिरस्कार किया, भाजपा के हर सौतेले व्यवहार का जनता हिसाब लेकर रहेगी। भाजपा ने भूमिज समाज के साथ धोखा किया है अब सबका हिसाब होगा। वहीं मांडर के बुढ़ा खुखरा मैदान में हेमंत सोरेन ने कांग्रेस प्रत्याशी शिल्पा नेहा तिर्की के समर्थन में भाजपा पर जमकर बरसे। कहा, हमें झारखंड विरोधी भाजपा से सतर्क रहना है। वे बहरूपिया बन कर सिर्फ समाज को तोड़ने का प्रयास करते हैं। राज्य में सबसे ज्यादा समय तक शासन करने वाली भाजपा ने नियुक्तियों की राह में जो अड़चनें पैदा की थी, वो भी दूर कर लिया गया है। महंगाई पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में भूख से मौत होती थी। हमने कोरोना महामारी में मजदूरों को सकुशल घर लाया और स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराया। सभा को पूर्व मंत्री बंधु तिर्की, सांसद सुखदेव भगत, शिल्पी नेहा तिर्की सहित अन्य नेताओं ने भी संबोधित किया।

भीम चूल्हा में पर्यटन के साथ नौका विहार की असीम संभावनाएं

बढ़ेंगे नाविकों के रोजगार के अवसर

25 फीट ऊंचे टावर से पार्क का अवलोकन करना है रोमांचक

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। ऐतिहासिक महत्व के भीम चूल्हा के पर्यटन के दृष्टिकोण से सैलानियों की पहली पसंद बनने के बाद अब भीम बराज में नौका विहार की असीम संभावना को देखते हुए इसे विकसित और स्थापित करने की जरूरत बताया जाता है। ऐसा इसलिए कि साल के समापन व नए साल के आगमन के अलावा मकर संक्रांति मेले के समय पर यहां मछली पकड़ने के लिए उपलब्ध डोंगी (छोटी नाव) से उत्साही युवाओं को नौका विहार करते अक्सर देखा जाता है। ऐसे में प्रशासनिक स्तर से व्यावसायिक रूप में इसे विकसित करने की जरूरत पर बल दिया जाने लगा है। ऐसे, भी भीम बराज व इसमें संचयित अथाह पानी का विहंगम और मनोहारी नजारा सैलानियों को एक अलग आनंद की अनुभूति प्रदान करता है। इसका पर्यटन के लिहाज से विकसित पार्क में बने 25 फीट ऊंचे टावर से अवलोकन करना रोमांचक लगता है। यहां पहुंचे सैलानी महाभारत काल में पांडवों के अज्ञातवास को लेकर किंवदंतियों के आधार पर चर्चित स्मृतियों को जीवंत रूप देने के लिए स्थापित माता कुंती के साथ पांडव पुत्रों की आदम कद प्रतिमा, तीन बड़ी शिलाओं पर चढ़ी कड़ाही, मानव और हाथी-घोड़ों के पद चिन्हों के साथ ही विशालकाय शिलाखंड के संवारे गए गजराज के अलावा भीमबराज के विहंगम और मनोहर नजारे का अवलोकन वाच टावर से करना नहीं भूलते हैं। उनके लिए पुरानी शिव मंदिर भी सौंदर्यीकरण के बाद आस्था व आकर्षण का केंद्र बन गया है। ऐसी स्थिति में भीमबराज में नौका विहार के प्रति भी सैलानियों के आकर्षण को देखते हुए प्रशासनिक स्तर से विधिवत प्रबंधन के साथ इसे भी विकसित करने की मांग की जाने लगी है। लोगों का कहना है कि वैसे भी जब भीम बराज में मछली पकड़ने के लिए स्थानीय मल्लाहों की डोंगी (छोटी नौका) खासकर, टूरिज्म के सीजन अथवा विशेष मौकों यथा- पहली जनवरी और मकर संक्रांति पर नौका विहार के लिए उपयोग में लाई जाती ही है, तब की असुरक्षित नौका विहार को सुरक्षित तरीके से सुरक्षा कवच का प्रयोग करते हुए इसकी इजाजत देना आय और पर्यटन विकास के दृष्टिकोण से एक बड़ी उपलब्धि साबित होगा। इससे स्थानीय नाविकों को रोजी-रोजगार की गारंटी भी मिलेगी। नौका विहार को लेकर भीम चूल्हा पर्यटक स्थल की एक अलग पहचान भी बढ़ेगी।

न्यूज बॉक्स

बसपा सुप्रीमों का चुनावी सभा आज

हुसैनाबाद। हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी पूर्व विधायक कुशवाहा शिवपूजन मेहता के पक्ष में रविवार को बसपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमारी मायावती हुसैनाबाद कर्पूरी मैदान में जनसभा करेंगी। कार्यक्रम को लेकर बसपा कार्यकर्ताओं में काफी उत्साह है। यह जानकारी कुशवाहा शिवपूजन मेहता ने पत्रकारों को दी। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता घर घर में जाकर बसपा सुप्रीमो के कार्यक्रम में आने का अनुरोध कर रहे है। पूर्व विधायक ने बताया कि कर्पूरी मैदान में मायावती के कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे। हुसैनाबाद-हरिहरगंज विधानसभा क्षेत्र के लोगों से कार्यक्रम में आने का अनुरोध किया है।

स्वर्ण व्यवसायी के निधन से शोक

हुसैनाबाद। शहर के बगीचा निवासी स्वर्ण व्यवसायी व समाजसेवी 68 वर्षीय विजय सोनी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर फैलते ही शोक संवेदना व्यक्त करने के लिये शुभचिंतकों का उनके आवास पर तांता लग गया। शोक संवेदना व्यक्त करने वालो में पूर्व विधायक संजय कुमार सिंह यादव, विनोद कुमार सिंह, कर्नल संजय सिंह, संतोष सोनी, रामेश्वर राम,शशि कुमार, ग्यासुद्दीन सिद्दिकी, राजेंद्र पाल, प्रवीर बराट,देवेन्द्र नाथ गुप्ता, अरविंद ओझा, एजाज हुसैन उर्फ छेदी खान, संजय ओझा, डॉ. एजाज आलम, अमीन खा, डॉ. नादिर, अबास रिजवी, रामप्रवेश सिंह, राजेश सिंह, रामाशीष सहित अन्य के नाम शामिल है। उनका अंतिम संस्कार हड़ही नदी पर किया गया।

पलामू किला मेले का राजा मेदिनीराय से अटूट संबंध

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के पारण के दूसरे दिन प्रत्येक वर्ष औरंगा नदी के तट स्थित फुलवरिया टांड़ में लगने वाले ऐतिहासिक पलामू किला मेले का चेरोवंश के सर्वाधिक लोकप्रिय और आदर्श राजा मेदिनीराय के साथ अटूट संबंध रहा है। इस बारे में आसपास के बुजुर्ग विश्वनाथ सिंह, परीखन सिंह (हलुमांड), धर्मदेव सिंह, रामलगन यादव (मानासोती) नंदकिशोर यादव (पोखरीखूर्द), विजयमल सिंह, फौजदार सिंह (केचकी), राघवशरण सिंह, रामकेश्वर सिंह (कुटमू), शेरू सिंह (कल्याणपुर) आदि ने बताया कि राजा मेदिनीराय परम गोभक्त और भगवान सूर्य के उपासक थे। प्रत्येक वर्ष छठ महाव्रत संपन्न करने के दूसरे दिन राजा अपनी कुलदेवी मां दुजार्गीन और चेंड़ी की पूजा करने के उपरांत औरंगानदी तट के मेला टांड़ स्थित प्राचीन शिव मंदिर में महादेव नीलकंठ का दर्शन करते थे। इसके बाद वहां पर सार्वजनिक रूप से अपनी प्रजा से मिलकर उनकी समस्याओं से रूबरू होते थे। उस दिन राजा से मिलने के लिए मेलाटांड़ में लोगों का जमावड़ा लगा रहता था। राजा का प्रजा के साथ वार्षिक मिलन की उक्त परंपरा कालांतर में मेला के रूप में तब्दील होती चली गई, जो कि आज भी ऐतिहासिक पलामू किला मेला के नाम से विख्यात है। वहीं मेला के पूर्व आयोजन समिति द्वारा मां दुजार्गीन और चेंड़ी की पूजा करने की पुरानी परंपरा आज भी बरकरार है। बुजुर्गों के मुताबिक शुरूआती दौर में मेला का स्वरूप काफी सादगीपूर्ण था। मेले में मांस-मदिरा की बात तो कोसों दूर, किसी भी तरह का मादक पदार्थ बेचने-खरीदने की सख्त मनाही थी। पर समय गुजरने के साथ ही मेले की पवित्रता धीरे-धीरे खत्म होती चली गई और अब कई तरह की विकृतियां मेले में घर कर गईं। यही वजह है कि अब मेले में संभ्रांत लोगों की संख्या कम दिखती है। हालांकि मेला आयोजन समिति द्वारा उन विकृतियों को दूर करने की कोशिश जारी है। वहीं मेले के दिन सुबह से देर शाम तक पलामू किला परिसर में दर्शकों की ठसमठस भीड़ देखने को मिलती है। भीड़ इस कदर कि उसे नियंत्रित करने के लिए वन विभाग को पुलिस बल की मदद लेनी पड़ती है।

पलामू के तत्कालीन आदिवासी प्रेमी डीसी ने की थी मेला को भव्य बनाने की कोशिश

वर्ष 1965 ई में पलामू जिला के तत्कालीन आदिवासी प्रेमी उपायुक्त सुरेश सिंह ने सार्थक पहल कर पलामू किला के ऐतिहासिक मेले को भव्य रूप देने की पूरी कोशिश की थी। साथ ही मेले को सरकारी दर्जा दिलाने का आश्वासन दिया था। पर बाद में किसी अधिकारी या जनप्रतिनिधि ने इस पर सार्थक पहल करना मुनासिब नहीं समझा। इससे आदिवासी समुदाय में संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के प्रति घोर नाराजगी और असंतोष अबतक व्याप्त है। हालांकि समय-समय पर संबंधित जनप्रतिनिधि मेले को सरकारी दर्जा दिलाने का आदिवासियों को आश्वासन तो देते हैं। पर उनके आश्वासन अबतक सिर्फ और सिर्फ कोरा बकवास ही साबित हुए हैं।

भाजपा का आरोपः झामुमो ने की भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ धक्का मुक्की

लातेहार। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय में शनिवार को प्रेस वार्ता कर लातेहार विस प्रभारी अविनाश वर्मा ने झामुमो कार्यकर्ताओं पर भाजपा कार्यकर्ता को धमकी देकर झामुमो के पक्ष में मतदान करने का आरोप लगाया। मौके पर अविनाश वर्मा के साथ कथित पीड़ित कार्यकर्ता बब्लू कुमार भी मौजूद थे। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि वह अपने पत्नी के साथ जा रहे थे। इस क्रम में मुनी कुमार उर्फ आशीष गुप्ता, सुशील अग्रवाल द्वारा उसे धमकाते हुए धक्का दिया और कहा कि इस बार झामुमो का बनने दो तो तुमको देख लेंगे। पीछे से आ रहे मंत्री सह झामुमो प्रत्याशी बैद्यनाथ राम ने बीच बचाव करते हुए कहा कि तुम लोग आपस में दोस्त हो इसे तुल मत दो। कथित पीड़ित ने कहा कि वह इस घटना से भयभीत है। विस प्रभारी ने कहा कि मतदान के लिए दबाव बनाना जैसी घटना निंदनीय है। हमलोग आपस में बैठक कर इस पर आगे की रणनीति तय करेंगे। झामुमो ने वोट देने के लिए धमकी देने जैसी घटना को अंजाम देने से इंकार किया है।

चुराखाड़ टोली के ग्रामीणों ने बिजली नहीं रहने के कारण वोट बहिष्कार का ऐलान किया

नवीन मेल संवाददाता

महुआडांड़। प्रखंड के अंतर्गत गडबुढ़नी पंचायत के चुटिया ग्राम के चुराखाड़ टोली के ग्रामीणों ने गांव में बिजली नहीं रहने के कारण वोट बहिष्कार का ऐलान किया है। यह फैसला चुटिया ग्राम प्रधान सुनिता देवी और वार्ड सदस्य सेवाती देवी के नेतृत्व में ग्रामीणों ने लिया। ग्राम प्रधान सुनिता देवी ने बताया कि बिजली के तार और पोल गाड़कर कई सालों से छोड़ दिया गया है। ट्रांसफार्मर और तार नहीं लगाया गया। उपर से सभी के घरों के दीवार पर मीटर ठोक दिया गया है। अगल-बगल गांव में बिजली तो रहती है। लेकिन हमलोग सोलर प्लेट पैनल का इस्तेमाल कर लाईट जलाते और मोबाइल चार्ज करते हैं। हमलोगों ने बिजली विभाग से बार-बार आवेदन दे कर कहा, हमारे बस्ती के घरों में अपने मीटर लगा तो दिया लेकिन हमारे घर तक बिजली जल नहीं रही है। अनेको बार आवेदन देने के बाद भी अभी तक बिजली विभाग के कानों में जू तक नहीं रेंगी, इसलिए हम सभी ग्राम वासियों ने निर्णय लिया है, कि इस बार हमलोग किसी भी पार्टी के लिए वोट नहीं करेंगे। वहीं मौके पर अमरदीप यादव, मनोहर यादव, रिसो नगेसिया, अमरेंस नगेसिया, दयामंती देवी, जूनूस नगेसिया, रघुवंश यादव, मुनिता देवा, हरिहर महतो समेत अन्य ग्रमीण मौजूद थे।

राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के सचिव तारकेश्वर दास के निर्देशन में विधिक सेवा दिवस पर जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कानूनी सहायता केंद्र सिमरिया के द्वारा संत थॉमस स्कूल शिला, इचाक एवं बगरा के मेला टांड़ मे शनिवार को आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों को बताया गया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा दिवस हर साल 9 नवंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों में कानूनी जागरूकता बढ़ाना है। यह दिवस एहसास दिलाता है कि हर किसी को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार है, चाहे उनकी पहचान, पृष्ठभूमि कुछ भी हो। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एक स्वायत्त संगठन है जो समाज के गरीब और कमजोर वर्गों को कानूनी सहायता प्रदान करता है। इसकी स्थापना 1995 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा की गई थी। नालसा का मुख्य उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करना और विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करना मुख्य उद्देश्य था। उस समय, भारत में कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिए कोई व्यापक तंत्र नहीं था। गरीब और कमजोर वर्गों के लोग अक्सर कानूनी सहायता के लिए संघर्ष करते थे। इस दिवस की शुरूआत के बाद, भारत में कानूनी सेवाओं की पहुंच में काफी सुधार हुआ है।

सड़क हादसे में तीन घायल, एक गंभीर

मेदिनीनगर। क्षेत्र में शनिवार को दो अलग-अलग जगहों पर हुई सड़क दुर्घटना में तीन लोग बाइक से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक पहली घटना बेतला-छिपादोहर मार्ग के केंड़ के पास और दूसरी बेतला के अराध्या रिसोर्ट के पास घटी है। घायलों में एक की स्थिति काफी चिंताजनक बताई गई है। इस बारे में बरवाडीह सीएचसी के एमपीडब्ल्यू युवराज विक्रम सिंह ने केंड़ की घटना में घायल युवक को सीएचसी में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच मेदिनीनगर भेज दिए जाने की बात बताई। जबकि बेतला के घायलों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में उपाचार किए जाने की बात कही। सभी शनिवार को पलामू किला मेला देखकर अपना घर लौट रहे थे। समाचार भेजे जाने तक घायलों के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं मिल पाई थी।

लातेहार में धड़ल्ले से हो रहा प्लास्टिक का इस्तेमाल

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पर्यावरण की रक्षा और आम लोगों के स्वास्थ्य के मद्देनजर सरकार ने एक जुलाई 2022 से सिंगल यूज या एक बार उपयोग होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगा रखा है। वहीं लातेहार जिले में भी सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने के लिए जोरशोर से अभियान चलाया गया था। हालांकि अभियान कुछ महीने तक चला ,तो दुकानदारों में थोड़ा खौफ दिखा भी था। दुकानदारों में डर था कि प्लास्टिक का उपयोग करने पर पकड़े जाने पर जुमार्ना देना पड़ेगा, परन्तु धीरे-धीरे यह खौफ समाप्त होता चला गया। अब जिला मुख्यालय के साथ ही सभी प्रखंडो में धड़ल्ले से प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है। बैन लागू कराने वाली एजेंसियां भी निष्क्रिय हो गई हैं। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में प्लास्टिक का इस्तेमाल पहले की तरह धड़ल्ले से हो रहा है। यहां तक 80 प्रतिशत से अधिक दुकानदार व आम नागरिक पहले की तरह ही प्लास्टिक इस्तेमाल कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खुली दुकानों, टी-स्टालों एवं ठेले-रेहड़ियों पर इनको बेरोक टोक प्रयोग हो रहा है। नगर पंचायत का इसपर कोई नियंत्रण नहीं है। बेखौफ दुकानदार प्लास्टिक की बिक्री कर रहे और आम लोग खुलेआम इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। छापामारी के नाम पर नगर पंचायत की ओर से महज खानापूर्ति की जाती है। महज एक-दो दिन अभियान चलाने के बाद नगर निगम की टीम भी सुस्त पड़ जा रही है। वहीं फूड और सेफ्टी विभाग के अधिकारी भी इस पर नियंत्रण रखने को प्रति गंभीर नहीं है, जिसके कारण प्लास्टिक के इस्तेमाल पर कोई नियंत्रण नहीं है। इस संबंध में नगर पंचायत के अधिकारी ने कहा कि चुनाव में व्यस्त होने के कारण अभियान नहीं चलाया जा रहा हैं,चुनाव खत्म होते ही प्लास्टिक इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

विस चुनाव 2024

सही किसानों तक नहीं पहुंच रही योजनाएं

भूमिहीनों को भी मिले केसीसी, ये हैं अन्नदाताओं के मुद्दे

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड में विधानसभा चुनाव के तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है। वैसे-वैसे नेता जनसंपर्क अभियान को तेज रहे है। वहीं, जनता के सवाल भी नेताओं से बढ़ते जा रहे हैं। इसी कड़ी में छतरपुर विधानसभा के किसानों से बातचीत की। इस दौरान किसानों ने सीधे सरकार के कामकाज पर सवाल उठाए। छतरपुर विधानसभा अंतर्गत लामी पतरा गांव के किसान सुरेश सिंह ने बताया कि यहां के किसानों को अतिवृष्टि और अन्नवृष्टि से काफी नुकसान होता है। पिछले पांच साल में हेमंत सरकार ने किसानों के हित में कोई खास काम नहीं किए। जो काम हुए उसका लाभ सही किसानों को नहीं मिला। वहीं केंद्र सरकार द्वारा लाई गई योजनाएं भी सही किसानों को नहीं मिल रही है। भ्रष्टाचार के कारण किसान योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। सरकार को चाहिए की एक टीम बनाकर योजनाओं का मूल्यांकन करे। ताकि सही किसानों को योजनाओं का लाभ मिल सके।

सादाबह नदी पर बने डैम

स्थानीय किसान ओमकार नाथ ने कहा कि वो पिछले 20 वर्षों से खेती कर रहे हैं। यहां हर दो साल में अकाल पड़ता है। जिस कारण किसान के लिए भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसके लिए सरकार को सबसे पहले सिंचाई की सुविधा करनी चाहिए। सादाबह नदी पर डैम बन जायेगा तो 50 हजार आबादी को इसका लाभ मिलेगा। वहीं किसान साल में तीन बार खेती कर सकेंगे। इसके अलावा पशुआलन कर रहे किसानों को दूध का सही दर नहीं मिल पाता है। इसके लिए सरकार दूध का रेट फिक्स करे. उचित रेट नहीं मिलेगा तो किसानों को लाभ के बजाए नुकसान ही होगा।

भूमिहीनों को मिले केसीसी का लाभ

इसके अलावा किसान राज्य सरकार के काम से वो बेहद नाखुश दिखे। उन्होंने कहा कि यहां भ्रष्टाचार इतना चरम पर है कि दाखिल खारिज कराने के लिए भी मोटी रकम की मांग की जाती है। कृषि ऋण माफी योजना में सब्सिडी बढ़ानी चाहिए। वहीं, ओमकार नाथ ने बताया कि वे 20 साल से खेती कर रहे हैं। दो साल तीन साल पर अकाल पड़ रहा है। सरकार सिंचाई के लिए व्यवथा करे। हर 2-3 साल में अकाल पड़ जाता है। सदबाह नदी पर डैम बना दे तो एक साल में तीन फसल ले सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि धान या गेहूं की खेती करते है तो सही रेट नहीं मिलता है। ऐसे में सरकार राइस मिल बैठाना चाहिए। प्रोसेसिंग प्लांट बैठा दे तो अच्छा मुनाफा मिल सकता है। इससे रोजगार का साधन भी बढ़ेगा और समृद्धि आएगी। भूमिहीन किसानों को भी केसीसी का लाभ मिलना चाहिए।

अनुमंडल के लिए 24 साल से तरस रहे हैं बरवाडीह के लोग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बरवाडीह को अनुमंडल बनाने के लिए करीब 24 साल से यहां के लोग तरस रहे हैं। लोगों की मांग पर सिर्फ राजनीतिक रोटी सेंक कर अपनी किस्मत अब तक चमकाई गई है। विनोद, बिरेंद्र, दिलीप आदि कई लोगों ने कहा कि वर्ष 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ था, तो उसी समय से बरवाडीह को अनुमंडल का दर्जा देने की मांग शुरू हुई थी। कई बार धरना-प्रदर्शन भी किया। क्योंकि अनुमंडल स्तर के विद्युत कार्यालय, लघु सिंचाई विभाग आदि और कुछ विभाग संचालित हैं। झारखंड अलग होने के बाद जितने भी चुनाव हुए सभी चुनाव में बरवाडीह को अनुमंडल का दर्जा दिलाने के लिए चुनावी मुद्दा भी बनाया गया। इस मुद्दे को भंजा कर चुनाव भी जीता गया। लोगों ने भरोसा करके सांसद-विधायक बनाने के लिए चुनाव में योगदान भी देते हैं। चुनाव जीतकर नेता अपनी किस्मत को चमकाने में कोई कमी नहीं रखी, लेकिन बरवाडीह को अनुमंडल का दर्जा दिलाने के लिए भूल गए। राजनेता तो अब इतना भूल गए कि इस विधानसभा चुनाव में भी बरवाडीह को अनुमंडल बनाने की मांग याद नहीं आई। लोगों का कहना है कि बरवाडीह को अनुमंडल का दर्जा मिलने से इस क्षेत्र की बदहाली कुछ हद तक दूर हो जाती। क्षेत्र का विकास होता, लोगों में खुशहाली का मार्ग प्रशस्त हो जाता, लेकिन इस तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। लोगों को अब तक सिर्फ आश्वासन की जन्मघुंटी ही पिला कर छला जाता रहा है।

हिमंता विश्वा सरमा ने आलोक चौरसिया के पक्ष में चुनावी सभा को किया संबोधित

तीसरी बार अपना आशीर्वाद देकर बेटे को जीत दिलाएं : आलोक चौरसिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। डाल्टनगंज विधानसभा क्षेत्र के भाजपा उम्मीदवार आलोक चौरसिया के पक्ष में झारखंड भाजपा सह प्रभारी और असम राज्य के मुख्यमंत्री हिमंता विश्वा सरमा ने चैनपुर के किन्नी में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। इस मौके पर उन्होंने उपस्थित लोगों से भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में वोट देने की अपील की।

अपने संबोधन में विधानसभा प्रभारी रघुराज पांडेय ने कहा कि भाजपा का सत्ता में आना किसानों, मजदूरों और नौजवानों के लिए आवश्यक है, साथ ही उन्होंने आलोक चौरसिया की क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों की सराहना की। उन्होंने लोगों से भाजपा को मजबूत बनाने के लिए आलोक चौरसिया के पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया।

आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव बबलू गुप्ता ने भी सभा को संबोधित करते हुए हेमंत सरकार की नीतियों की आलोचना की और भाजपा के नेतृत्व में राज्य के लिए बेहतर भविष्य की उम्मीद जताई।

भा.ज.पा. के वरिष्ठ नेता श्याम नारायण दुबे ने झारखंड राज्य की स्थापना के उद्देश्य को याद करते हुए वर्तमान सरकार की आलोचना की और भाजपा सरकार के कार्यों की सराहना की। उन्होंने नक्सलियों की समस्या के समाधान और राज्य में भ्रष्टाचार के मुद्दे को उठाया।

भा.ज.पा. प्रत्याशी आलोक चौरसिया ने अपने संबोधन में कहा कि पलामू में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। उन्होंने लोगों से अनुरोध किया कि वे भाजपा को वोट देकर एक बार फिर से सेवा करने का मौका दें। उन्होंने अपने कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार बनते ही कई योजनाएं लागू की जाएंगी और बेरोजगारी के मुद्दे को हल किया जाएगा।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष शशिभूषण पांडेय, अम्लेश्वर दुबे, सुरेंद्र प्रसाद, जिला पार्षद रामलव चौरसिया, धीरेंद्र दुबे, शैलेंद्र कुमार शैलू, संटू चौरसिया समेत कई अन्य नेता भी उपस्थित रहे।

गृह मंत्री अमित शाह के छतरपुर आगमन की झलकियां

- छतरपुर की पावन धरा पर गृह मंत्री का ऐतिहासिक आगमन से छतरपुर क्षेत्र के लोगों में भारी उत्साह का माहौल देखा गया। उनकी उपस्थिति ने इस पावन धरा को विशेष बना दिया।
- हेलीकॉप्टर से पहुंचे गृह मंत्री, रोड शो में उमड़ी भीड़
- गृह मंत्री अमित शाह का हेलीकॉप्टर छतरपुर के सड़मा कॉलेज कैंपस में उतरा, जहाँ से वे रोड शो करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे।
- समय के अभाव में नहीं हो सका बीजेपी नेता रविंद्र राय का संबोधन
- चुनावी उत्साह के बीच समय की कमी के कारण झारखंड बीजेपी के कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र राय का भाषण नहीं हो सका, लेकिन उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम में जोश बनाए रखा।
- गृह मंत्री ने विशेष तौर पर बुलाया भाजपा प्रत्याशी पुष्पा देवी को
- कार्यक्रम के दौरान गृह मंत्री ने पाटन छतरपुर से भाजपा प्रत्याशी पुष्पा देवी को दो बार सामने आने के लिए कहा।
- भारत माता की जय के नारों से गूंजा पंडाल
- अमित शाह की उपस्थिति से छतरपुर का पूरा पंडाल भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। जनसमूह में देशभक्ति की भावना और जोश साफ झलक रहा था, और यह दृश्य हर किसी के लिए अविस्मरणीय बन गया।

असम के सीएम सरमा के स्वागत में खड़े भाजपा कार्यकर्ता

हिमंता विश्वा सरमा का फूलमाला से स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता

भाषण के दौरान नारा लगाते हुए उपस्थित लोग

कोयल पुल पर ऑटो ने बाइक को मारी टक्कर, आधे घंटे तक लगा जाम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के शाहपुर स्थित कोयल पुल पर एक ऑटो द्वारा मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार व्यक्ति, उसकी पत्नी और दो बच्चियां घायल हो गए। इस दुर्घटना के कारण कोयल पुल पर लगभग आधे घंटे तक जाम लगा रहा, जिससे वहां से गुजर रहे लोग काफी परेशान हुए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, शाहपुर की ओर जा रही बाइक को अचानक पीछे से आ रहे ऑटो ने टक्कर मार दी। इस घटना में चांदो निवासी सकेंद्र कुमार की पत्नी और उनकी दोनों बच्चियों को अंदरूनी चोटें आई हैं, हालांकि वे सभी सुरक्षित हैं। दुर्घटना के बाद पुल से गुजर रहे यात्रियों ने ऑटो को रोक लिया, जिससे पुल के दोनों ओर जाम लग गया।

सूचना मिलने पर चैनपुर नाका के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और जाम खुलवाने का प्रयास किया, जिसके बाद यातायात सामान्य हो सका।

छठ महापर्व के बाद भी घाटों पर फैली गंदगी, सफाई का अभाव

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छठ महापर्व के दो दिन बीत जाने के बाद भी मेदिनीनगर के घाटों पर सफाई नहीं हो सकी है। कोयल रिवर फ्रंट, शाहपुर घाट, पंपू कल, सूर्य मंदिर हमीदगंज, सिंगरा अमानत नदी तट, और चित्रगुप्त मंदिर घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ पर्व मनाने पहुंचे थे। लेकिन पर्व समाप्त होने के बाद घाटों पर गन्ने के पत्ते, नारियल, प्लास्टिक, और अन्य पूजन सामग्री का कचरा बिखरा पड़ा है, जिसकी कोई सुध लेने वाला नहीं है।

कोयल रिवर फ्रंट और शाहपुर घाट पर नियमित रूप से लोग साफ-सफाई और स्नान के लिए आते हैं। छठ पर्व के दौरान इन घाटों पर थाला बनाने के लिए बालू का उपयोग किया गया था, जो अब भी घाटों पर बिखरा हुआ है। इन घाटों पर गंगा आरती का भी आयोजन होता है, और कई श्रद्धालु अपने टेंट और अन्य सामान भी छोड़ जाते हैं, जिससे घाट की स्थिति और खराब हो गई है। सफाई की व्यवस्था के संबंध में पूछे जाने पर सिटी मिशन मैनेजर ने बताया कि नगर निगम के अधिकतर सफाई कर्मचारी महिलाएं हैं, जो स्वयं भी छठ पर्व में व्यस्त थीं। इस कारण पर्याप्त संख्या में सफाई कर्मी उपलब्ध नहीं थे।

वोटर आईकार्ड के बिना भी किया जा सकेगा मतदान, बस मतदाता सूची में नाम होना जरूरी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को

मतदान होना है। इसके मद्देनजर, जिले के सभी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) मतदाताओं के घर-घर जाकर वोटर सूचना पर्ची का वितरण कर रहे हैं। इस पर्ची पर मतदान स्थल, तिथि और समय का विवरण होता है, ताकि मतदाता बूथ पर जाकर किसी भी प्रकार की परेशानी से बच सकें। इस बीच, जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन ने जिले वासियों से 13 नवंबर को अनिवार्य रूप से मतदान करने की अपील की है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर किसी मतदाता के पास वोटर आईकार्ड नहीं है, लेकिन उनका नाम मतदाता सूची में मौजूद है, तो वे भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित 12 वैकल्पिक दस्तावेजों में से किसी एक दस्तावेज को दिखाकर मतदान कर सकते हैं। 12 वैकल्पिक दस्तावेजों के जरिए किया जा सकेगा मतदानः जिसमें पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केंद्र/राज्य सरकार/ सार्वजनिक उपक्रम/ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी),बैंक/डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक,पैन कार्ड, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन दस्तावेज (फोटो सहित) सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र,आधार कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड और स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) शामिल हैं।

भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ की बैठक में उठाए गए महत्वपूर्ण कदम

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य भाजपा पलामू प्रमंडल की बैठक आज शुक्रवार को प्रमंडलीय प्रभारी सह जिला प्रभारी संतोष कुमार दुबे अधिवक्ता के नेतृत्व में जिला संयोजक राणा प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में भाजपा के कई प्रमुख नेता उपस्थित थे, जिनमें श्याम नारायण दुबे, कमलेश दुबे, राजेंद्र प्रसाद सिन्हा, विजय कुमार ओझा, प्रोफेसर डॉक्टर कैलाश सिंह, अशोक कुमार सिंह, सतीश कुमार दुबे, दिवाकर नाथ पांडे, प्रदीप कुमार तिवारी, इंदेश कुमार तिवारी, रंजन कुमार सिंह, पंकज कुमार दुबे, देवेंद्र कुमार पांडे, सुधांशु शुक्ला, उदय राम आदि प्रमुख रूप से शामिल थे।

डॉ. अमित प्रकाश उपाध्याय का इलाज के दौरान निधन

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर के चर्चित व्यक्तित्व डॉ. अमित प्रकाश उपाध्याय का शनिवार को निधन हो गया।

जानकारी के अनुसार वे कुछ दिनों से बीमार थे और शनिवार सुबह अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ दोपहर में उन्होंने अंतिम साँस ली। उनके असामयिक निधन पर परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, कराटे एकेडमी के सुमित बर्मन, हाई कोर्ट के वकील अमनदीप पांडेय सहित कई गणमान्य लोगों ने शोक व्यक्त किया। स्वर्गीय उपाध्याय एक बेहद मिलनसार और सेवा-भावी व्यक्ति थे। उन्होंने 'सूर्य क्लिनिक' की स्थापना की थी, जहां किफायती दरों पर लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती थीं।

उलमा बोर्ड ने मतदाता जागरुकता अभियान चलाया, वोट की अहमियत बताई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उलमा बोर्ड के पदाधिकारियों ने जिले में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया, जिसमें उन्होंने लोगों को मतदान के महत्व के बारे में बताया। यह अभियान कल मेदिनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों जैसे ग्राम नेऊरा, सेमरा, कूदागा आदि में चलाया गया। इस दौरान उलेमाओं ने लोगों को बताया कि वोट एक अमानत है, जिसे अदा करना जरूरी है, और वोट देना हर नागरिक का कर्तव्य है। अभियान के दौरान विशेष रूप से महिलाओं के मतदान को प्राथमिकता देने की बात की गई, साथ ही वोटर कार्ड की महत्वता पर भी चर्चा की गई। इस अभियान में उलमा बोर्ड के प्रदेश प्रभारी मौलाना मेहदी कासमी, राष्ट्रीय सचिव कारी असद हुसैनी, बंगाल के प्रभारी मौलाना अब्दुल राहमान, प्रदेश सचिव शहीद सलीम, राष्ट्रीय सचिव सरताज नवाज के अलावा बोर्ड के कई जिलों के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

विधानसभा चुनाव को लेकर डीसी-एसपी ने प्रेक्षकों की मौजूदगी में सेक्टर पदाधिकारियों संग बैठक की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आगामी 13 नवंबर को पलामू जिले के पांचों विधानसभा क्षेत्रों में मतदान होने वाला है। इसी के मद्देनजर, शनिवार को टाउन हॉल में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त शशि रंजन और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने चुनाव में प्रतिनियुक्त सेक्टर पदाधिकारियों और सेक्टर पुलिस पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में विभिन्न विधानसभाओं के प्रेक्षक भी मौजूद थे। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी शशि रंजन ने सभी सेक्टर पदाधिकारियों से उनके क्षेत्राधिकार में पड़ने वाले बूथों की संख्या, बूथों का लोकेशन, इंटरमीडिएट स्ट्रांग रूम से बूथों की दूरी आदि की अद्यतन जानकारी ली। उन्होंने पी माइनस 1 और पी माइनस 2 ड्यूटी में लगे कर्मचारियों से भी जानकारी प्राप्त की।

रंजन ने सेक्टर पदाधिकारियों से उनके बूथों पर एएमएफ के तहत सभी सुविधाओं के उपलब्ध होने को सुनिश्चित करने की बात कही और कहा कि चुनाव निष्पक्ष और भयमुक्त माहौल में संपन्न होना चाहिए। इसके लिए सेक्टर और पुलिस पदाधिकारियों के बीच आपसी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मतदान के दिन रिजर्व ईवीएम के उपयोग, बी.ईयू के खराब होने की स्थिति में कदम, मतदान केंद्रों का निरीक्षण, क्रिटिकल बूथों पर वेबकास्टिंग जैसे मुद्दों पर भी ध्यान देने को कहा। साथ ही, उन्हें जीपीएस युक्त वाहन से ईवीएम का परिवहन सुनिश्चित करने की हिदायत दी। इस अवसर पर एसपी ने पुलिस कर्मियों को भयमुक्त चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कई निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद, सभी निवार्ची पदाधिकारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी, पुलिस अधिकारी और सेक्टर पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

सहज कर अनुभव के लिए सटीक जानकारी सुनिश्चत करें।

आयकर विभाग ई–सत्यापन योजना और विभिन्न ई–अभियानों के तहत स्वचालित प्रश्नों के माध्यम से करदाताओं से संपर्क करता है। परन्तु, पुरानी संपर्क जानकारी इन महत्वपूर्ण संदेशों को आप तक पहुँचने से रोक सकती है। असुविधा से बचने के लिए अपनी संपर्क जानकारी को अपडेट रखें।

फायदे :
- समय पर सूचना प्राप्त करें: टैक्स से जुड़ी सभी सूचनाएं समय पर प्राप्त करें।
- जटिलताओं से बचें: गलत या छूटी हुई जानकारी से अनावश्यक विवाद और टैक्स की मांग से बचें।
- तुरंत PAN सुरक्षा अलर्ट पाएं: अपने PAN के दुरूपयोग का तुरन्त पता लगाएं।

कहाँ अपडेट करें :
- इनकम टैक्स ई–फाइलिंग पोर्टल : https://eportal.incometax.gov.in/iec/foservices/#/dashboard
- UTIITSL पोर्टल : https://www.pan.utiitsl.com/panonline_ipg/forms/csfPan.html/csfPreForm

CBC 15401/13/0007/2425

सहायता के लिए, ई–फाइलिंग पोर्टल हेल्पडेस्क से संपर्क करें: 91–20–27218080 या tininfo@nsdl.co.in पर ईमेल करें ।

अपनी संपर्क जानकारी अपडेटेड रखें और सहज संचार सुनिश्चित करें!

अंग्रेजी एड के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

आयकर विभाग
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिक जानकारी के लिए, www.incometax.gov.in पर जाएं।

अधिक जानकारी के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

@IncomeTaxIndia @incometaxindiaofficial @incometaxindiaofficial @incometaxindiaofficial @Income Tax India Official

एक नजर

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

चतरा। पत्थलगडा थाना क्षेत्र के नावाडीह में सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस शनिवार को नावाडीह पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए चतरा सदर अस्पताल भेज दिया। बताया जा रहा है कि मारंगा गांव निवासी पच्चू महतो के 23 वर्ष के पुत्र तिलेश्वर प्रसाद बीती रात बाइक से घर से नावाडीह की ओर निकाला था। अहले सुबह ग्रामीणों ने दुर्घटना होने की सूचना परिजनों को दी। बताया जा रहा है कि नावाडीह चतरा मुख्य मार्ग में किसी अज्ञात वाहन की चपेट में वह आ गया। बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी दलबल के साथ यहां पहुंचे और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनाएं: निरहुआ

भाजपा गरीबों के साथ सभी वर्गो के उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत है

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का पूरे विश्व में डंका बज रहा है। भारत विरोधी, आतंकवादी गतिविधि पूरी तरह बंद हो चुकी है। ये बातें बाते पूर्व सांसद सह भोजपुरी सुपर स्टार अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ ने शनिवार को मकरी पंचायत के आहर मैदान में भाजपा विधायक भानू प्रताप शाही के पक्ष मेंआयोजित चुनावी जनसभा में कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश लगातार विकास की ओर अग्रसर है। भाजपा गरीबों के साथ सभी वर्गो के उत्थान के लिए लगातार प्रयासरत है। झारखंड में डबल इंजन की सरकार बनाकर राज्य की सर्वांगीण विकास के लिए भाजपा प्रत्याशी विधायक भानू प्रताप शाही को सहयोग करें। ग्रामीणों की मांग पर भोजपुरी गाना गाकर लोगों को झूमने पर मजबूर किया। विधायक भानू प्रताप शाही ने कहा कि साजिश के तहत रोकने का काम किया, लेकिन मुझे जीत से रोक नहीं सकता है। चुनाव हारने की डर से राजा और ताहिर ने गठजोड़ कर लिया है। राजनीत जनता के सुख दुःख और सहयोग के लिए होता है, लेकिन ताहिर अंसारी व अनंत प्रताप देव लोगो डरा धमका कर जबरदस्ती लोगों गले में हरा पट्टा डाल रहे है। ताहिर अंसारी राइफल के दम पर भवनाथपुर के युवाओं को डराने से बाज आ जाओ नहीं तो यहां के युवा चुनाव के बाद मुंहतोड़ जवाब देंगे। उन्होंने कहा कि राजनीत में जिस चक्रव्यूह में भानू को घेरना चाहते हैं तो इसका मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। पाकिस्तान समर्थक इंडी गठबंधन वाले भाजपा को रोकना चाहते है। वह जानते है कि भाजपा जीती तो पाकिस्तान समर्थक को को इसका खामियाजा भुगताना पड़ेगा। भाजपा द्वारा आरक्षण समाप्त करने की अफवाह फैलाने वाली कांग्रेस और इंडी गठबंधन की सरकार ही तेलंगाना और कर्नाटक में दलितों का आरक्षण समाप्त करने का काम किया है। मौके पर अनिल मौर्या, जिला अध्यक्ष ठाकुर महतो, घूरन राम, शैलेश चौबे, विजय लक्ष्मी, मधुलता कुमारी, गोरख चौधरी, अनिल चौबे, जय प्रकाश यादव, सुरेन्द्र गुप्ता, भगत दयानन्द सोनी, रवि पाल, मूंगा साह, मनोज सिंह, जितेंद्र यादव,संजय यादव,अमर शाही, बसंत यादव, विकाश स्वदेशी, विनय चौबे, धनंजय साह आदि उपस्थित थे।

न्यूज बॉक्स

पलामू किला से मेला देख कर लौट रहे दो युवकों की मौत

मेराल। पलामू किला तथा बेतला पार्क घूम कर घर लौट रहे मेराल थाना क्षेत्र के सोहबरिया गांव निवासी निहोरा राम के 26 वर्षीय पुत्र बसंत राम व लालजी राम के पुत्र 28 वर्षीय जनेश्वर राम का सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। दोनों युवक बेतला पार्क तथा पलामू किला देखकरअपने मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे। इस क्रम में केचकी के पास मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा जाने से बसंत की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल जनेश्वर ने एमएमसीएच में ले जाने के क्रम में रास्ते में ही दम तोड़ दिया। दुर्घटना की जानकारी मिलने के बाद परिवार के साथ पूरे गांव में शोक व्याप्त है। बसंत व जनेश्वर के परिवार वालों का रो-रो कर बुरा हाल है। दोनों युवक की मौत की जानकारी मिलने के बाद झामुमो नेता दशरथ प्रसाद, मिथिलेश देव, संजय भगत, मुखिया मनदीप सिंह,भाजपा कार्यकर्ता मनोज चौधरी रामसुंदर गुप्ता, संजय चौधरी, श्याम सुंदर विश्वकर्मा ने मृतक के परिजनों से मिल कर सांत्वना दिया। पोस्टमार्टम के बाद घर पहुंचे दोनों युवक के शव का अंतिम संस्कार शनिवार को गांव के ही स्मशान घाट पर कर दिया गया।

थाना प्रभारी ने किया भक्ति जागरण का उदघाट्न

रमना। प्रखंड में लोक आस्था का महापर्व छठ उदीयमान भगवान सूर्य का अर्घ्य देने के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। जानकारी के अनुसार श्री हनुमान मंदिर गंगा तालाब छठ घाट पर भक्ति जागरण सांस्कृतिक कार्यक्रम व झांकी ग्रुप का उद्घाटन थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने सूर्य भगवान प्रतिमा के समक्ष पूजा कर व मंच पर फीता काटकर किया। भक्ति जागरण के आयोजन कर्ता विनीता श्रीवास्तव के नेतृत्व में वाराणसी के गायक सुनील सुगम, अमन श्रीवास्तव ,गायिका स्वेतांजलि पांडेय ने एक से बढ़कर एक छठ गीत प्रस्तुत किया।विधि विधान के साथ वट वृक्ष का पूजा भी संपन्न हुआ। सामाजिक, धार्मिक एवं रचनात्मक कार्यों में अच्छी भूमिका निभाने वाले सीताराम मानस मंदिर के अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद गुप्ता, नव युवक संघ के अध्यक्ष राहुल कुमार व सचिव राहुल वर्मा, सूर्या क्लब के अध्यक्ष अनमोल सोनी व सचिव विद्या ठाकुर, समाज सेवी सुनील कुमार को छठ पूजा समिति के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष के द्वारा चुनरी प्रदान कर सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन संरक्षक महेन्द्र प्रसाद गुप्ता ने किया। छठ घाट पर विधि व्यवस्था बनाए रखने में सुदर्शन बियार, नरेश साह , सुनील प्रजापति, प्रभु साह , शोभनाथ साह, नंदू साह, बिंदू बियार, मुकेश कुमार, रामलाल बियार , मोती बियार , रामनाथ बियार, रामजी बियार ,मनोज कु साह, मनोज गुप्ता, बबलू बियार, दुर्गा बियार, पपू बियार , सुदामा बियार, मनोहर बियार, कृष्णा बियार ,जय प्रकाश बैठा , कृपाल यादव ,विजय बियार आदि की भूमिका सराहनीय रहा।

सनातन धर्म में अक्षय नवमी पर भगवान विष्णु का करें पूजा : पंडित कुंडल तिवारी

हैदरनगर। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष में अक्षय नवमी व्रत करने का विधान देवी पुराण में वर्णित है। विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित कुंडल तिवारी ने कहा कि कार्तिक शुक्ल पक्ष की नवमी तिथी को धातृमूल (आंवला) वृक्ष की छाया में श्वेत कुष्मांड (भतुआ) में द्रव्य पूरित करना चाहिए। आंवला वृक्ष के नीचे श्री विष्णु भगवान का पूजन करके सनातन धर्म में दान करने और आंवला वृक्ष की छाया में ही भोजन करने की विशेषता है। साथ ही विशेषकर ब्राह्मण को भोजन कराने का विधान है। इसमें पूर्वाह्न व्यापिनी तिथि ली जाती है। उन्होंने कहा कि ब्रम्हवैत पुराण के अनुसार इस दिन किया गया पूजा दान, ब्राह्मण भोजन, दिया गया दान का ही अक्षय होता है। जिसे इस व्रत अक्षय नवमी के नाम से जाना जाता है। इसका नाश कभी नही होता है। यदि यत्न पूर्वक इस व्रत को किया जाए तो ब्रम्ह हत्या जैसे पाप भी मिट जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नही कि जान बूझकर किया अपराध से मुक्ति मिलेगा।इस व्रत को धातृ नवमी भी कहते है। धातृ मूल आंवले के नीचे बैठकर ऊं धात्र्य नमः से पूजन करना चाहिए। षोडशोपचार पूजन करके आंवले की मूल में दूध दिया जाता है। उसका मंत्र से धातृ मूल में दुध सिंचन किया जाता है। अपने आचार्य और ब्राह्मण को निमंत्रित करके भोजन कराने का विधान है।इसके बाद स्वयं सहित परिवार को भोजन करना चाहिए।

स्कूल में पौधरोपण समारोह का आयोजन

हुसैनाबाद। शहर के शिव शक्ति नगर स्थित समता स्कूल परिसर के प्रांगण में शनिवार को पौधरोपण समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य स्कूल के बच्चों के मन में पर्यावरण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अक्षय कुमार चौहान ने बच्चों को पौधरोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ बनाए रखने के लिए पेड़-पौधे लगाना बहुत जरूरी है। पर्यावरण में आ रहे नकारात्मक बदलावों को पौधरोपण से ही रोका जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक संतोष मिश्रा, विनोद चौधरी, किरण देवी, अंजली सिंह, सुधांशु कुमार सिंह, विनोद कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह, राहुल चौहान, दशरथ कुमार, कार्तिक कुमार, रिमझिम देवी, प्रियंका देवी, उम्म सैयद, प्रियंका कुमारी, राहुल गुप्ता, सुभाष कुमार, शकुंतला देवी, बबिता देवी, सारिका कुमारी, गार्ड नंदू प्रजापति,अनूप पांडे एवं परिचारिका जनक दुलारी देवी, विमला कुंवर आदि उपस्थित थे।

किसान को मिला सोशल मीडिया से आइडिया, अब डेली कमा रहा 500 रु

मेदिनीनगर। मशरूम की खेती किसानों के लिए मुनाफे वाले सौदा है। ऐसे कई किसान हैं, जिन्होंने मशरूम की खेती कर अपनी तकदीर बदल ली। आज भी किसान अपनी आय बढ़ाने के लिए नए प्रयोग करते रहते हैं। ऐसे ही एक किसान पलामू के पंडवा प्रखंड के लामी पतरा गांव के निवासी हैं, जिन्होंने यूट्यूब से महरूम की खेती सीखी और अपनी किस्मत बदल डाली। पलामू के पंडवा प्रखंड के लामी पतरा गांव निवासी रंजीत कुमार 20 साल से पारंपरिक खेती करते आ रहे थे. मगर, उससे उन्हें अच्छा मुनाफा नहीं मिलता था। एक महीने पहले उन्होंने यूट्यूब से देखकर मशरूम की खेती शुरू की। इसके बाद अब वह इस खेती को बड़े पैमाने कर करने की तैयारी में लग गए। रंजीत ने बताया, वर्षों से पारंपरिक खेती करते आ रहे थे। उन्हें बढ़िया मुनाफा नहीं मिल रहा था। एक महीने पहले उन्होंने यूट्यूब पर मशरूम की खेती देखी। शुरू करने के एक महीने बाद उन्हें फायदा मिलने लगा। अब रोजाना 400 से 500 रुपये कमा लेते हैं। मशरूम की डिमांड मार्केट में बहुत ज्यादा है, जिससे उन्हें मशरूम बेचने में परेशानी नहीं होती।

150 से 200 रुपए प्रति किलो बिकता है

किसान ने बताया, महीने भर में मशरूम का उत्पादन शुरू होने लगता है। रोजाना लगभग 2 से 3 किलो मशरूम तैयार हो रही है। जिसे 150 से 200 रुपये प्रति किलो के भाव से बाजार में बेच रहे हैं। शुरूआत में प्रयोग के तौर पर उन्होंने 40 से 45 बैग ही लगाए, लेकिन अब 200 से 300 बैग लगाने की तैयारी है। इसके लिए उन्हें यूट्यूब से बहुत अधिक मदद मिली। लागत खर्च 40 रुपये प्रति बैग आता है। इससे मुनाफा कई गुना में मिलता है। उन्होंने कहा कि यूट्यूब से देखकर वेस्टर मशरूम की खेती शुरू करना फायदे का सौदा रहा। उन्होंने डालटनगंज से बीज खरीदे। गेहूं का 20 किलो भूसा, 25 ग्राम वेबस्टीन, 50 ग्राम चूना, 125 ग्राम फोर्मलिन और 100 लीटर पानी को आपस में मिलाया। इसके बाद इसे 20 घंटा पानी में छोड़ दिया। पानी से भूसे को निकाल कर धूप में सूखा दिए। धूप में इतना ही सुखाना है, जितना में भूसे में नमी बरकरार रहे। प्लास्टिक के बैग में 4 इंच भूसा की लेयर बनाई। इसके बाद बीज डालकर 3 से 4 लेयर तैयार किया। हैंगिंग विधि से लटका दिए।

कोयल में डूबे तीन बच्चों में दो का शव मिला, एक लापता

एनडीआरफ की टीम ढूढ रही तीसरे बच्चे को

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। थाना क्षेत्र के मोरबे स्थित कोयल नदी में डूबे तीन लोगों में एक संजय राम चंद्रवंशी के 14 वर्षीय पुत्र पियूष कुमार का शव शुक्रवार को मिलने के बाद गढ़वा से पोस्टमार्टम के बाद शनिवार को पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप देने के बाद उसका अंतिम संस्कार मोरबे गांव में कर दिया गया। दूसरी ओर नसीम खलीफा के 7 वर्षीय पुत्री फिजा खातून का शव कांडी थाना क्षेत्र के कोरगाई गांव के कोयल नदी में शनिवार को बरामद किया गया। उसके शव को कोयल नदी के किनारे बालू में ग्रामीनो ने देखा। शव का कमर के निचला भाग जंगली जानवर खा चुके थे। ग्रामीणों द्वारा कांडी थाना को सूचना देने के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परीजनों को सौंप दिया। परिजनों ने उसका भी शनिवार को दफना दिया गया।

एनडीआरएफ की 20 सदस्यीय टीम खोज में जुटी

मोरबे कोयल नदी में शनिवार को एनडीआरएफ की 20 सदसयी टीम पहुंच कर डूबे बच्चों का कोयल नदी स्थल से खोज शुरू किया है। अभी तक तीसरा शव नहीं मिला है। बताते चले कि शुक्रवार को हजारों की संख्या में ग्रामीणों द्वारा हनुमान मंदिर के समीप चार मुहान पास मोरबे सूंडीपुर मुख्य सड़क को तीन सूत्री मांग को लेकर लगभग 6 घंटा जाम कर दिया गया था। सीओ प्रमोद कुमार व थाना प्रभारी आकाश कुमार के काफी समझाने के बाद व मुआवजा दिलाने की बात पर जाम हटा था। शुक्रवार को एनडीआरएफ की टीम के लिए दंडाधिकारी प्रतिनियुक्ति पर तैनात कनीय अभियंता अनिल कुमार चौधरी ने बताया कि सबसे पहले टीम जिस स्थान पर तीन बच्चा स्नान करने गये थे, वहां से खोज कर रहे हैं। इसके बाद शव नहीं मिलने पर भीम बराज जाएंगे। वहां भी नहीं मिलने पर फिर भीम बराज से नीचे कांडी थाना क्षेत्र के कोयल नदी तक खोज किया जाएगा। बता दे कि गुरुवार को मोरबे गांव के तीन बच्चे कोयल नदी में स्नान करने गये थें, जिसमें तीनों लापता हो गये। मौके पर थाना प्रभारी आकाश कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पर तैनात थे।

सड़क दुर्घटना में तीन घायल

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। थाना क्षेत्र के हनुमान मंदिर के समीप शनिवार की देर शाम 6 बजे हुए दो मोटरसाइकिल की टक्कर में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तीनों घायलों को आस पास के लोगों की मदद से इलाज के लिए चिनियां के एक निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया है। जाकारी के अनुसार मुख्यालय निवासी श्याम बिहारी राम अपने मोटरसाइकिल से घर से चिनियां बस स्टैंड की तरफ जा रहे थे। इस बीच पीछे से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। मोटरसाइकिल पर डंडई थाना क्षेत्र के नाबालिक गोलू कुमार रवि पिता राजेश राम, विक्की कुमार रवि पिता लालू राम, विकास कुमार रवि पिता विक्रम राम बैठे हुए थे। टक्कर से श्याम बिहारी राम सहित तीनों गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही चिनियां थाना प्रभारी अमित कुमार अपने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल को अपने कब्जे में लिया। पुलिस घटना के जांच में जुट गई है।

मतदान को लेकर मतदाता अभी तक खामोश

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। विधानसभा का चुनाव संपन्न होने में अब महज कुछ ही समय शेष बच गया है। 13 नवंबर को प्रखंड के मतदाता लोकतंत्र के महापर्व में अपना-अपना हाथ बंटाना शुरू कर देंगे। इस बीच मतदाताओं के मन में क्या चल रहा है, इस संबंध में प्रखंड क्षेत्र के कई वृद्ध मतदाताओं से जानकारी लेने का प्रयास किया। पंचायत सचिव के पद से सेवानिवृत्ति हुए अशर्फी बैठा, मतदाता रामचंद्र सिंह, हीरामन राम ,महावीर राम, महेंद्र गुप्ता, बिहारी साह, रामा भुइयां इत्यादि ने बताया कि अभी मतदान होने में कुछ समय बचा है, इसलिए इस संबंध में व्यक्तिगत तौर पर कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। मतदाताओं ने कहा कि प्रखंड की कुछ योजनाएं है जो आज तक पूरा नहीं हो सकी हैं। इस बार के चुनाव में हम सभी उसे देखते हुए ही किसी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करेंगे। भवनाथपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 17 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

सावधानी

गाने सुनते समय आप तो नहीं कर रहे यह गलती

कितनी आवाज कानों के लिए सही

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सड़क, ट्रेन, कार, फ्लाइट सहित हर जगह देखें तो आज हर किसी के कान में ईयरबड्स या हेडफोन लगे दिख जाते हैं। यह एक फैशन बन गया है। लोग घंटों इसे कान में लगाकर फोन पर बात करते हैं या म्यूजिक सुनते हैं। लगभग हर उम्र के लोगों में इसका क्रेज है, लेकिन ईयरबड्स या हेडफोन कान की सेहत के दुश्मन हैं। इसे लगाना कई तरह की बीमारियों को न्योता देने जैसा है। कान बहुत सेंसिटिव होते हैं, लेकिन यह डिवाइस सुनने की क्षमता को प्रभावित करते हैं और कई इंफेक्शन का कारण बन जाते हैं।

60-60 का रूल अपनाएं : ऑडियोलॉजिस्ट उज्जवल सिन्हा कहते हैं कि हर किसी को ईयरबड्स या हेडफोन का इस्तेमाल 60-60 के रूल को अपनाते हुए करना चाहिए। इसका मतलब है कि हर दिन 60 मिनट के लिए इसका इस्तेमाल करें और इस दौरान ईयरबड्स या हेडफोन की आवाज 60 प्रतिशत कम रखें। यह कानों की सेहत के लिए सबसे अच्छा है। इसके अलावा हो सके तो नॉइस कैंसिलेशन हेडफोन का इस्तेमाल करें। इससे बाहर का शोर नहीं सुनाई देता जिससे हल्की आवाज में भी इन हेडफोन्स को यूज किया जा सकता है।

खुद से करें कानों की जांच : हर व्यक्ति को साल में एक बार ऑडियोलॉजिस्ट से हियरिंग टेस्ट करवाना चाहिए। आजकल इस तरह कई ऐप भी मौजूद हैं। अगर कोई 25 डेसिबल तक साफ सुनता है तो उनकी हियरिंग नॉर्मल है, लेकिन अगर 40 डेसिबल से ज्यादा सुनता है तो इसका मतलब है कि उनकी सुनने की क्षमता कम है। जो लोग तेज आवाज में टीवी देखते हैं या तेज आवाज में गाने सुनते हैं, तो यह भी सुनने की क्षमता कम होने की तरफ इशारा करता है।

ऐसे रखें कानों का ख्याल : कानों को हमेशा सूखा रखना चाहिए। नहाते वक्त या स्वीमिंग के समय कान गीले हो जाएं तो तुरंत उसे सुखाना चाहिए। स्मोकिंग से बचना चाहिए। इसमें मौजूद निकोटिन न्यूरोट्रांसमीटर के काम को प्रभावित करता है। इससे ऑडिटोरी नर्व जो दिमाग को कान से साउंड सिग्नल पहुंचाती है, वह डैमेज होने लगती है। कान में अगर वैक्स हो तो उसे डॉक्टर की निगरानी में ही निकलवाएं, कभी कान में पिन, ईयरबड या नुकीली चीज ना डालें। डाइट में फॉलिक एसिड, मैग्नीशियम और जिंक से भरपूर चीजों को शामिल करें। इससे कान में ब्लड सर्कुलर बना रहता है और इंफेक्शन दूर रहते हैं।

कानों को शोर से बचाएं

कान 20 की धीमी आवाज और 20,000 की तेज आवाज सुन सकता है। 0 से 25 डेसिबल तक की आवाज कान के लिए सुरक्षित है, लेकिन अगर इससे ऊंची साउंड हो तो शोर लगता है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार 100 डेसिबल तक की आवाज कानों के लिए सुरक्षित है, जो लोग 130 डेसिबल या उससे ऊपर की आवाज में गाने सुनते हैं या बात करते हैं, उनके कान में दर्द रहने लगता है। इस आवाज की वाइब्रेशन से कान के पर्दे प्रभावित होते हैं और कानों के सुनने की क्षमता कम होने लगती है। यह परमानेंट हियरिंग लॉस का कारण भी बन सकती है।

बैक्टीरियल इंफेक्शन का कारण

कानों में वैक्स होता है जिसमें तेल, पसीना और डेड स्किन सेल्स मिक्स होते हैं। यह ईयर वैक्स धूल, मिट्टी जैसे बाहरी कणों को कान में प्रवेश करने से रोकता है। कान में तरल पदार्थ भी होता है जो दिमाग को सिग्नल्स पहुंचाता है और बॉडी को बैलेंस रखता है। ईयरबड लगाने से ईयर कैनाल में ईयर वैक्स और नमी जमा होने लगती है, जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं और इससे ईयर इंफेक्शन हो जाता है। अगर किसी का कान बह रहा हो या तेज कान में दर्द हो तो यह ईयरबड्स या हेडफोन की वजह से हो सकता है। कभी किसी दूसरे के ईयरबड्स भी इस्तेमाल नहीं करने चाहिए। इससे कानों का इंफेक्शन ट्रांसफर हो सकता है।

वायरलैस ईयरबड्स से बचकर रहें

वायरलैस ईयरबड्स ब्लूटूथ से चलते हैं और इन्हें पहले चार्ज करना पड़ता है। पिछले दिनों इसके फटने के कुछ मामले सामने आए थे। अगर इन्हें तेज आवाज में लगातार चलाया जाए तो यह ओवरहीट हो जाते हैं, और इनमें ब्लास्ट हो सकता है। कुछ स्टडीज कहते हैं कि इस तरह के ईयरबड्स से रेडियो वेव निकलती हैं ,जो दिमाग की सेहत को बिगाड़ती हैं और न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर का रिस्क रहता है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पब्लिश हुई इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर की रिपोर्ट के अनुसार इससे कैंसर होने का भी खतरा रहता है।

हर 15 मिनट में ब्रेक

जिन लोगों का काम केवल फोन से होता है या वह टेलिकॉलर हैं और हेडफोन हमेशा कान में लगाने पड़ते हैं तो उन्हें हर 15 मिनट में ब्रेक जरूर लेना चाहिए। इससे कानों पर प्रेशर नहीं पड़ता. अगर इन डिवाइस की आवाज 80 डेसिबल तक रखी जाए तो इन्हें दिन में 6 से 7 घंटे तक इस्तेमाल किया जा सकता है। लेकिन अगर कान गर्म हो जाए, दर्द होने लगे या अजीब सी आवाज आने लगे तो तुरंत ऑडियोलॉजिस्ट से मिलें।

हेमंत सरकार योजना बनाती है और दरवाजा खटखटा कर पहुंचाती भी है : कल्पना सोरेन

नवीन मेल संवाददाता

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड मुख्यालय स्थित स्टेडियम में शनिवार के दोपहर बारह बजे गाण्डेय विधायक सह झामुमो स्टार प्रचारक कल्पना मुर्मु सोरेन चुनावी जनसभा को संबोधन को लेकर मयूरहंड पहुंची। तत्पश्चात स्थानीय कार्यकर्ता पूर्व मुखिया ईश्वर पासवान, प्रदीप कुमार सिंह, रुस्तम अंसारी, रामभरोस यादव, इंद्रदेव ठाकुर ने हेलीपेड पर बुके देकर स्वागत किया। वहीं मंच पर बड़ा माला पहनाकर कल्पना मुर्मु सोरेन का स्वागत किया गया।

कल्पना सोरेन ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2019 में महागठबंधन की सरकार बनी तो दो साल कोरोना जैसी आपदा में बीता उसके बाद हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली सरकार ने सर्व जन पेंशन के तहत 40 लाख लोगों को पेंशन, 20 लाख लोगों को हरा राशन कार्ड, सरकारी स्कूल को एक्सलेंट मुख्यमंत्री स्कूल, सावित्री बाई फुले योजना। इस लिए चलाया की सरकारी विद्यालय में गरीब के बच्चे पढ़ते हैं, उन्हे शिक्षित करना जरूरी है। झारखंड बने 24 वर्ष बीत गया। फिर भी मूल झारखंडवासिओं को अपने हक व अधिकार नहीं मिला। धरती को चीर कर यहां के सरकारी संपदा केंद्र सरकार ले जाती है। परंतु रॉयल्टी का राशि झारखंड वासियों को नहीं देती आज 1 लाख 36 हजार करोड़ रुपया बकाया है जिसे मांग किया जा रहा है। ये रॉयल्टी का पैसा आपका हेमंत निकालकर लाना चाहता ताकि गांव का विकास हो। हेमंत सरकार ने दो-दो बार जेपीएससी का परीक्षा आयोजित करवाया। लोगो को अपना अधिकार मिले इसे लेकर 1932 का खातियान संबंधित डोमेसाइल लागू करवाने का प्रयास किया, ताकि लोगों को अपना अधिकार मिले। हेमन की सरकार बनी तो ऐसी कानून बनाएगी कि प्राइवेट क्षेत्र तथा कंपनी में 95% लोगों को अधिकार मिलेगा। इसलिए आप अपना बेटा, अपना भाई मनोज चंद्रा के पक्ष में वोट करें ताकि आपकी आवाज विधानसभा में गूंज सकें। सरकार ने बिजली बिल माफ किया। ये एक ऐसी सरकार है जो योजना बनाती भी है तथा योजना को लेकर दरवाजा तक खटखटाती है।

दो निर्दलीय प्रत्याशी झामुमो को दिया अपना समर्थन : सिमरिया विधानसभा के दो निर्दलीय प्रत्याशी सदानंद भुईयां एवं शंकर रजक ने अपने समर्थकों के साथ झामुमो प्रत्याशी मनोज चंद्रा को समर्थन दिया। दोनों निर्दलीय प्रत्याशियों को कल्पना मुर्मु सोरेन ने स्वागत किया।

बस से गांजा बरामद, जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित मुरपा मोड़ में चुनाव को लेकर बनाए गए मजिस्ट्रेट पुलिस नाका के पास वाहन जांच के दौरान श्री राम यात्री बस से गांजा भरा बैग बरामद किया है। मौके पर मौजूद मजिस्ट्रेट रामदेव नगेसिया ने बताया कि पांकी से रांची जा रही श्रीराम बस व अन्य बस व सवारी वाहनों की तरह रोक पुलिस द्वारा बारीकी से जांच की गई। इस क्रम में दो बैग में भरकर रखा गया लगभग 10 किलो गांजा बरामद किया गया है। जब्त गांजा किसका है यह पुलिस अनुसंधान कर रही है। बता दे कि झारखंड में होने वाले विधानसभा आम चुनाव को निष्पक्ष और भय मुक्त करने के उद्देश्य से जगह-जगह पर पुलिस मजिस्ट्रेट द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित गोविंद नगर टोला के पास बाइक दुर्घटना में बारियातू बारिखाप निवासी कोलेंद्र गंझू गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों की मदद से बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां डॉ. सुरेंद्र कुमार ने प्राथमिक उपचार कर रिम्स रेफर कर दिया गया है। बताया जाता है कि कोलेन्द्र अपने घर बारीखाप से कुरियाम सादू घर जा रहा था। इस दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बता दें कि बालूमाथ में सड़क दुर्घटना और दुर्घटना में लोगों की घायल होने के बाद रेफर होना कोई नई बात नहीं है।

अबतक सरकारी मेले का दर्जा नहीं दिया जाना शर्मनाक : रामनाथ

नवीन मेल संवाददाता

बेतला। राज्य गठन के करीब ढाई दशक बाद भी ऐतिहासिक पलामू किला मेले को अबतक सरकारी मेला का दर्जा नहीं मिलना काफी दुर्भाग्यपूर्ण और बेहद शर्मनाक है। ये बातें मेदिनी आजाद संघ पलामू के अध्यक्ष रामनाथ सिंह ने कही। वहीं अध्यक्ष ने अबतक के संबंधित जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों पर आदिवासियों को छलने का सीधा आरोप लगाया। साथ ही कहा कि मेला को सरकारी दर्जा दिलाने में उनकी थोड़ी भी रुचि नहीं है। सभी आदिवासी जनप्रतिनिधि भी इसपर अबतक भोले-भाले आदिवासियों का इस्तेमाल कर सिर्फ और सिर्फ अपनी राजनीति की है। आदिवासी हितों से उनका कोई सरोकार नहीं रह गया है। वहीं अध्यक्ष रामनाथ ने मेले को सरकारी दर्जा दिलाने के लिए संघ की बैनर तले व्यापक रूप से जन-जागरण अभियान चलाने तथा विरासत में मिले अपने प्राचीन ऐतिहासिक धरोहर और संस्कृति को बचाने को लेकर चरणबद्ध आंदोलन बहुत जल्द शुरू करने की बात बताई।

प्रभात फेरी के साथ हुआ निर्वाचन मेले का आगाज

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया अनुमंडल मुख्यालय स्थित शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर में शनिवार को भव्य प्रभात फेरी के साथ निर्वाचन मेले का आगाज किया गया। प्रभात फेरी में झारखंडी परिधान में सजी युवतियां और स्कूली बच्चों ने मतदाता जागरूकता का शानदार प्रदर्शन कर बैनर पोस्टर और नारों से मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित किया। प्रभात फेरी का नेतृत्व स्वयं सिमरिया निर्वाची पदाधिकारी सन्नी राज कर रहे थे। वहीं निर्वाचन मेल को लेकर शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालय परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है। संपूर्ण परिसर को मतदाता जागरूकता संबंधित बैनर पोस्टर से पाट दिया गया है। मेला दो दिनों तक चलेगा, जहां विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेले के पहले दिन मतदाताओं को मतदान की शपथ दिलाई गई और फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। इसके अलावा, मेहंदी, रंगोली, पेंटिंग, कुकिंग कंपटीशन, निबंध लेखन, क्रिकेट मैच आदि प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रमों का संचालन कर रहे बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद व सीओ गौरव राय ने बताया मेले का उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग मतदान करें और लोकतंत्र के पर्व को उत्सव की तरह मनाएं। निर्वाचन मेले में आसमान में उड़ते गुब्बारे आकर्षण का केंद्र रहा। मेले में जिला से लेकर प्रखंड के अधिकारी, स्कूली बच्चे और बड़ी संख्या में मतदाता शामिल हुए।

मतदाता जागरूकता के लिए मानव श्रृंखला बनाकर निकाली गई रैली

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। विधान सभा आम निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप गतिविधियों के तहत शनिवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में बालूमाथ प्रखंड में मतदाता जागरुकता अभियान के तहत मानव श्रृंखला बनाकर मुरपा मोड़ से डेमोक्रेसी रैली निकाली गई। इस बृहद आयोजन में विशाल मानव श्रृंखला बनाकर मुरपा मोड़ से होते हुए थाना चौक, विभिन्न चौक-चौराहों से होते हुए समस्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए जागरूक किया गया। जागरूकता रैली का समापन बुनियादी विद्यालय बालूमाथ में किया गया। मानव श्रृंखला बनाकर डेमोक्रेसी रैली के दौरान सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो का नारा लगाया गया। मानव श्रृंखला में मतदाता जागरूकता संबंधित स्लोगन लिखी तख्तियों द्वारा मतदाताओं को जागरूक किया गया। मानव श्रृंखला का मूल उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है। जिला निर्वाची पदाधिकारी ने कहा कि सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए मताधिकार का प्रयोग कर एक सशक्त भारत के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने सभी को निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ दिलाया। कहा किसभी अपने आस पड़ोस के लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। मताधिकार सपरिवार करने का अपील की। इस दौरान ड्रोन के माध्यम से मतदान तिथि के संदेश से भरे पोस्टर को सभी मतदाताओं के बीच प्रदर्शित कर मतदान के लिए आमंत्रित किया गया। मानव श्रृंखला डेमोक्रेसी रैली में जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मी, एनसीसी के कैडेट, ग्रामीणों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, लातेहार अजय कुमार रजक, प्रभारी पदाधिकारी स्वीप कोषांग अनिल मिंज, स्वीप नोडल पदाधिकारी सह जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, प्रखंड विकास पदाधिकारी बालूमाथ सोमा उरांव, अंचल अधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस संतोष कुमार सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित थे।

चंदवा में मानव श्रृंखला बनाकर निकाली गई डेमोक्रेसी रैली

चंदवा। विधान सभा आम निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शनिवार को चंदवा में मतदाता जागरुकता अभियान के तहत विशाल मानव श्रृंखला बनाकर एक दूसरे के हाथों को पकड़े हुए डेमोक्रेसी रैली निकाली गई। मानव श्रृंखला प्रखंड मुख्यालय से निकलकर इंदिरा चौक, गैरेज लेन, मेन रोड, बुधबाजार होते हुए समस्त मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु जागरूक किया गया। रैली के दौरान 'सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो' आदि के नारे लगाए गए। इस मानव श्रृंखला का मूल उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना है। इस संबंध में बीडीओ सह निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी चंदन प्रसाद ने बताया कि हम सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाह करते हुए मताधिकार का प्रयोग कर एक सशक्त भारत के निर्माण में भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम के अंत में पदाधिकारी ने सभी को निष्पक्ष और निर्भीक होकर मतदान करने की शपथ दिलाते हुए कहा कि हम सभी अपने आस पड़ोस के लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक करें। मताधिकार सपरिवार करने का अपील किया गया। मानव श्रृंखला में अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक समेत कई लोग शामिल हुए।

रेलवे ट्रैक के किनारे से एक व्यक्ति का शव बरामद

चंदवा। बरकाकाना-बरवाडीह रेल खंड पर टोरी-रिचुघुटा रेलवे लाइन के समीप से पुलिस ने एक युवक का शव बरामद किया है। पुलिस के अनुसार युवक की मौत रेलवे लाइन के किनारे पड़े कंक्रीट के बने स्लेप में सर टकराने की वजह से हुई है। मृतक उक्त स्थान पर ट्रेन से गिरा है या वह नशे की हालत में पहुंचा था यह जांच का विषय है। मृतक के पास से बरामद आधार कार्ड में उसका नाम गौतम डोम, पिता मिसरिया डोम (44) सुभाष नगर बेरमो के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि युवक चंदवा के दामोदर स्थित एक ढाबे में काम किया करता था। वह हमेशा नशे में धुत रहता था। फिलहाल पुलिस के द्वारा यूडी केश दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी गई है।

ड्रोन उड़ा कर मतदाताओं को मतदान के लिए किया गया जागरूक

नवीन मेल संवाददाता

बारियातू। बरियातू प्रखंड के मुख्यालय स्थित राम मंदिर के समीप जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपयुक्त उत्कर्ष कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार शनिवार को सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी वीडियो अमित कुमार पासवान व अंचला अधिकारी नंद कुमार राम के नेतृत्व में ड्रोन के माध्यम से मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान अंचलाधिकारी व वीडियो ने बताया कि विधानसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदाताओं को भागीदारी सुनिश्चित करने की उदेश्य से जिले भर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इस अवसर में ड्रोन से मतदान दिवस के पोस्टर उड़कर मतदाताओं को 13 नवंबर को मतदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद मुख्यालय स्थित फूलसु मोड़ से बस स्टैंड तक मानव श्रृंखला बनाकर ग्रामीण मतदाताओं की महत्ता समझाई गई।

चुकू ग्राम में चेडी जतरा मेला का आयोजन

हेरहंज। प्रखंड क्षेत्र के चुकू ग्राम में चेडी जतरा मेला का भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। हर साल की भांति इस वर्ष भी कार्यक्रम किया गया। मंच संचालन मिथलेश यादव ने किया। मुख्यातिथि रहे बसंत गंझू, भाजपा के पूर्व ओबीसी जिला महामंत्री देवनंदन प्रसाद साह, विश्वनाथ उरांव, जगरनाथ पाहन, व्यास यादव ने सयुक्त रूप से पूजा अर्चना कर और फीता काटकर जतरा मेला का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य भूमिका निभाई अध्यक्ष संजय यादव सचिव अखलेश यादव और बिनोद सिंह वहीं मौके पर उपस्थित रहे जसमतिया देवी, निर्मला देवी, रोशन गुप्ता, राजेन्द्र यादव, संजय गंझू, दामोदर यादव, अमित सिंह, रवि प्रसाद, रोहित, बिरबल, सहदेव, हरेंद्र पाहन, प्रताप, उपेन्द्र, बालेश्वर, संतु, अवधेश, पवन, अभिषेक, रीता देव,ी अजय यादव समेत सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

भव्य कलाकृति देखने स्टेडियम में मतदाताओं की उमड़ी भीड़

स्वयं मतदान करें और दूसरों को भी प्रेरित करें : उपायुक्त

सेल्फी प्वाइंट, हस्ताक्षर अभियान, मतदाता शपथ का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। स्वीप कार्यक्रम के तहत शनिवार को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम चतरा में स्वीप कार्यक्रम के तहत भव्य चुनाव उत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चुनाव उत्सव कार्यक्रम में सेल्फी प्वाइंट, मतदाता शपथ, हस्ताक्षर अभियान, नुक्कड़ नाटक समेत अन्य आयोजन किए गए, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले के चतरा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाता मतदान के प्रति जागरूक होकर लोकतंत्र के महापर्व में भाग ले और 13 नवंबर को मतदान करें। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त रमेश घोलप ने कहा 13 नवंबर को चतरा और सिमरिया विधानसभा क्षेत्र में मतदान होना है। आप सभी लोग इस चुनावी महापर्व में भाग लें। स्वयं मतदान करें तथा पूरे परिवार के साथ मतदान करें और अपने आस-पास और जननेवाले लोगों को भी मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करें। आप सभी लोगों ने लोकतांत्रिक परंपराओं को बनाए रखने के लिए शपथ लिया है। हम उम्मीद करते हैं कि अपने घर को लौटने के बाद 13 नवंबर को स्वयं भी और परिवार के साथ मतदान करने हेतु संबंधित बूथ केन्द्रों पर जाएंगे तथा आस-पास के लोगों को भी मतदान केन्द्र पहुंच कर वोट करने के लिए उत्साहित करेंगे और एक जागरूक मतदाता होने का फर्ज निभाएंगे। कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक लोगों ने नशे को ना, वोट को हां थीम पर 330 गुना 210 फीट की भव्य कलाकृति बनाई। कार्यक्रम के दौरान ही सेल्फी अभियान में हजारों से अधिक की संख्या में महिला, पुरूष मतदाता ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया और सेल्फी खिंचाई। वहीं हस्ताक्षर अभियान, नशा को ना कहें, वोट को हां कहें बोर्ड पर भी जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, सामान्य प्रेक्षक, व्यय प्रेक्षक पुलिस प्रेक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, अनुमण्डल पदाधिकारी चतरा व सिमरिया, जिले के अधिकारियों समेत मतदाताओं ने हस्ताक्षर किया।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी का कार्यालय, झारखण्ड, राँची।

मतदाताओं के लिए आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त निदेश के आलोक में झारखण्ड राज्य अन्तर्गत विधानसभा आम चुनाव, 2024 हेतु सभी मतदाता जिन्हें निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किये गये है, मतदान स्थल पर मत डालने से पहले पहचान सुनिश्चित करने हेतु अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (**EPIC**) दिखाएंगे तथा ऐसे निर्वाचक, जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र **(EPIC)** प्रस्तुत नहीं कर पाते है, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा, तद्नुसार निम्न दस्तावेज पहचान हेतु स्वीकार किये जायेंगे:–

1. निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC)

वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजः–

2. आधार कार्ड,
3. मनरेगा जॉब कार्ड,
4. बैकों/डाकघरों द्वारा जारी की गई फोटोयुक्त पासबुक,
5. श्रम मंत्रालय की योजना के अन्तर्गत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड,
6. ड्राइविंग लाइसेंस,
7. पैन कार्ड,
8. एनपीआर के अन्तर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड,
9. भारतीय पासपोर्ट,
10. फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज,
11. केन्द्र/राज्य सरकार/लोक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कम्पनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान–पत्र,
12. सांसदों/विधायकों/विधान परिषद सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और
13. यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

किसी अन्य विधानसभा निर्वाचन–क्षेत्र के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा जारी किया गया निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) भी पहचान स्थापित करने हेतु स्वीकृत किये जायेंगे बशर्ते निर्वाचक का नाम जहां वह मतदान करने आया है, उस मतदान स्थल से संबंधित निर्वाचक नामावली में उपलब्ध हो। यदि फोटोग्राफ इत्यादि के बेमेल होने के कारण निर्वाचक की पहचान सुनिश्चित करना संभव न हो तब निर्वाचक को उपर्युक्त वर्णित किसी एक वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा।

मतदाता सूचना पर्ची (Voter Information Slip) को मतदान केन्द्र में पहचान के उद्देश्य के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा। आपसे अपेक्षित है कि आप मतदान के लिए निर्वाचक फोटो पहचान पत्र (EPIC) या आयोग द्वारा उपरोक्त निर्दिष्ट वैकल्पिक दस्तावेजों में से एक मतदान के समय अपने साथ अवश्य लाए।

प्रवासी निर्वाचक को, जो अपने पासपोर्ट में उल्लेखित विवरणों के आधार पर निर्वाचक नामावलियों में पंजीकृत है, को मतदान केन्द्र में केवल उनके मूल पासपोर्ट (तथा कोई अन्य दस्तावेज नहीं) के आधार पर ही पहचाना जायेगा।

झारखण्ड राज्य अन्तर्गत विधानसभा आम चुनाव, 2024 में सभी मतदाताओं से अपील है कि निर्भीक एवं स्वतंत्र रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी
झारखण्ड, राँची।

PR 339960 Election(24-25)D

शहर से गांव तक कांग्रेस ने किया जनसंपर्क और बैठक

सभी गारंटी और वादा पूरा करेंगे: डॉ रामेश्वर उरांव

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर रामेश्वर उरांव, कांग्रेस जिला कार्यकारी अध्यक्ष हाजी शकील अहमद एवं कैरो प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष अनीश अहमद की अगवाई में शनिवार को शहरी क्षेत्र समेत ग्रामीण क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस दौरान ग्रामीणों के साथ भी बैठक किया। जनसामान्य को गठबंधन की सरकार के कल्याणकारी प्रयास और सोच से अवगत कराया गया। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी रामेश्वर उरांव को लोहरदगा सीट से जीत दिलाने की अपील किया गया। शहरी क्षेत्र के जयनाथपुर में आयोजित सभा में प्रत्याशी रामेश्वर उरांव ने कहा कि, लोहरदगा सीट से आप मुझे जीत दिलाएं। राज्य में गठबंधन सरकार बनते ही पेंशन योजना के तहत ढाई हजार मिलेंगे। बेघर को अबुआ आवास संवेदनशीलता पर दिया जाएगा। समाज के गरीब समुदाय के लोगों के उत्थान और विकास के लिए विशेष कार्य करने की सोच है। महिलाओं को सस्ते मूल्य पर एलपीजी गैस उपलब्ध होगा। बेरोजगार युवाओं को नौकरी के अवसर मिलेंगे। उन्हें, बेरोजगारी भत्ता भी दिया जाएगा। कांग्रेस की सोच समानता पर समाज का विकास करना है। गरीब, दलित, पिछड़ी और आदिवासी समाज का आरक्षण प्रतिशत बढ़ा दिया जाएगा। हमने वादा कर इसे पूरा करके दिखाया है। इस मौके पर कांग्रेस कार्यकारी जिला अध्यक्ष हाजी शकील अहमद ने लोगों से कहा कि, वातावरण पूरी तरह कांग्रेस की बन गई है। स्थानीय जनता मतदान कर इसे जीत में सुनिश्चित कर अपना आशीर्वाद दें।शकील अहमद ने कहा, गठबंधन सरकार को दोबारा अच्छा काम करने के लिए कांग्रेस प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव के पक्ष में मतदान करें। इससे समाज और राज्य का भला होगा। कहा कि, चुनाव में किया गया सभी वादा कांग्रेस पूरा करके दिखाती आई है। कैरो प्रखंड के टाटी, खरता,हुदू,तान समेत कई गांव में जनसंपर्क और ग्रामीणों से बैठक की गई।कैरो कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अनीस अहमद ने ग्रामीणों से बढ़ चढ़कर कांग्रेस को जीत दिलाने के लिए अपील किया। कहा कि, इस बार चुनाव में कैरो प्रखंड से कांग्रेस के पक्ष में रिकार्ड मतदान होगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक ग्रामीण मौजूद थे।

राजपति देवी ने पेशरार व किस्को के गांवों में चलाया चुनावी जनसंपर्क

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

लोहरदगा में भारतीय जनजागरण गांधीवादी पार्टी प्रत्याशी राजपति देवी जिले के सुदूरवर्ती इलाके के पेशरार, किस्को, कुडू के विभिन्न क्षेत्रों में चुनावी जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने गावो में जाकर लोगों के साथ बैठक की। ग्रामीणों की जनसमस्याओं को सुना और कहा कि स्वास्थ्य, शिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी, सड़क, बिजली, पानी आदि समस्याओं को जड़ से समाप्त करने के लिए मैं चुनाव मैदान में उतरी हूं। आदिवासियों- मूलवासियों की हितों के लिए एकमात्र विकल्प भारतीय जनजागरण गांधीवादी पार्टी बनेगी। हमारी पार्टी हर गरीब को बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ रोजी, रोजगार, स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यक्ति और क्षेत्र का विकास चाहती है। लोहरदगा की बॉक्साइट को यहीं रोकने के लिए हिंडाल्को जैसे बड़े उद्योगों में यहां की जनता के लिए रास्ता बनाएगी और उन्हें रोजगार का अवसर दिलाएगी। विजय प्रजापति का कहना है कि अगर हमारी पार्टी सत्ता में आती है तो सबसे पहले बिजली, पानी और सड़क समस्या पर ध्यान देगी। मौके पर विजय प्रजापति, सुजीत साहू, मदन महतो, अमित सिंह, उषा देवी, अन्नपूर्णा देवी, बबिता, रीता, आरती, रेखा, धनेश्वरी, किरण, देवेंद्र साहू, अश्मित दीप, रामस्वरूप तिवारी, कमला देवी, सुजीत गुप्ता, रामु साहू, सनोज प्रजापति, अमित रंजन, जीतन गोस्वामी, कुलदीप जायसवाल, उदय पंडित समेत अन्य मौजूद थे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा (लोहरदगा)

सड़क दुर्घटना में मोटरसाइकिल चालक की घटना स्थल पर मौत हो गई। सेन्हा थाना क्षेत्र के ठाकुर बारी के समीप लोहरदगा गुमला एन एच 143 ए मुख्य पथ पर अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मोटरसाइकिल चालक की घटने स्थल पर मौत हो गई। वही मृतक का पहचान सेन्हा थाना क्षेत्र के झलजमीरा निवासी स्वर्गीय अनु साहू के 44 वर्ष पुत्र सुरेंद्र साहू के रूप में किया गया।जानकारी के अनुसार बताया जाता है। कि दो मोटरसाइकिल के टक्कर में सड़क पर गिरने के कारण अज्ञात वाहन के चपेट में आने से यह हादसा हुआ। घटना की सूचना सेन्हा पुलिस को मिलते ही थाना प्रभारी अजित कुमार ए एस आई जमशेद खान,अलबिना लकड़ा दलबल के साथ घटना स्थल पहुंच शव को कब्जे में लेते हुए अग्रतर कारवाई में पुलिस जुट गई है।

युवा कांग्रेस ने चलाया जन संपर्क अभियान

लोहरदगा। शहरी क्षेत्रों में जीशान खान के नेतृत्व जन संपर्क अभियान में चलाया जा रहा है। लोगों को कांग्रेस प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव के कार्यकाल में किए गए विकास कार्यों से अवगत कराते हुए कांग्रेस के पक्ष में वोट देने की अपील की। जनसंपर्क अभियान में मोहम्मद चांद ने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी डॉक्टर रामेश्वर उरांव 80 हजार वोट से जीत हासिल करेंगे। जन संपर्क में शामिल मोहम्मद चांद, अदनान खान, जीशान खान , शुभम शाहदेव, समशाद अंसारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

चुनाव को लेकर वाहन जांच अभियान चला

लोहरदगा। थाना क्षेत्र के लोहरदगा-गुमला मुख्य पथ पर स्थित कंडरा में निर्मित अस्थाई चेक पोस्ट के समीप सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया. वाहन जांच दंडाधिकारी रघुनाथ मुंडा की मौजूदगी में एसआई मनीष कुमार महतो द्वारा पुलिस बल के सहयोग से दो पहिया,चार पहिया वाहनों सहित अन्य वाहनों का जांच किया गया. वरीय पदाधिकारियों के निर्देश पर सख्ती के साथ सभी वाहनों जांच किया जा रहा है. वाहन जांच के क्रम में वाहनों का डिक्की व यात्रियों का बैग, थैला सहित न्य वस्तुओं को खोल कर बारीकी से जांच किया गया. साथ ही साथ वाहनों का कागजात, हेलमेट का भी जांच किया गया. वहीं लोगों को चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का नियम तथा यातायात नियमों को सख्ती से पालन करने का सख्त निर्देश दिया गया. साथ ही बाहर व दूसरे जिला से आने जाने के साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर प्रशासन की पैनी निगाह है. मौके पर दंडाधिकारी रघुनाथ मुंडा,एसआई मनीष कुमार महतो पुलिस जवान मौजूद थे।

आजसू पार्टी की हुई बैठक

लोहरदगा। लोहरदगा निवासी इस्लाम अंसारी के निवास पर आजसू पार्टी की बैठक हुई। इस बैठक में इस्लामनगर, नूर नगर ,राहत नगर ,कुरैशी मोहल्ला के सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व केंद्रीय सचिव इस्लाम अंसारी एवं जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा शामिल हुए। बैठक में सभी ने आजसू पार्टी का नारा लगाया एवं नीरू शांति भगत को विजय बनाने का नारा दिया। बैठक में गोल्डन कुरैशी, तोहिद कुरैशी, हुसैन अंसारी ,नन्हे खान, टिंकू खान ,नदीम खान ,समीम कुरेशी, निसार कुरैशी, समीर कुरेशी ,अशफाक कुरैशी, आसिफ कुरेशी, मुजिबुल कुरैशी, जमशेद कुरैशी, रिजवान अंसारी, दीपक ठाकुर, रॉकी वर्मा, सोनू सफीक अंसारी एवं सैकड़ो लोग उपस्थित हुए।

भंडरा थानेदार ने चलाया वाहन जांच अभियान

नवीन मेल संवाददाता। भंडरा

विधानासभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर शनिवार को भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने पझरी में वाहन जांच अभियान चलाया गया। विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर भंडरा प्रखंड व पुलिस प्रशासन सख्त नजर आ रही है। भंडरा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। किसी प्रकार की क्षेत्र में अराजकता ना फैले, इसको लेकर भंडरा पुलिस व प्रखंड प्रशासन पुलिस प्रखंड की सीमा वाले क्षेत्रों में पैनी नजर लगाए हुए है। इसी को लेकर शनिवार को दंडाधिकारी की मौजूदगी में भंडरा थाना पुलिस द्वारा प्रखंड के मसमानो चौक, चट्टी पिकेट, सेमरा चौक पर चारपहिया व दो पहिया वाहनों की तलाशी ली। भंडरा थाना प्रभारी अरविंद सिंह ने कह कि विस चुनाव को शांति पूर्वक संपन्न कराने को लेकर भंडरा थाना पुलिस पूरी सतर्कता बरत रही है। पुलिस बल के जवानों द्वारा प्रखंड में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की तलाशी ली जा रही है। अपराध नियंत्रण को लेकर अपराधियों पर पैनी नजर रखते हुए उन पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान उन्होंने बगैर हेलमेट के मोटर साइकिल चला रहे लोगों को फटकार लगाकर छोड़ा।

कांग्रेस मुसलमानों को अब डरा कर वोट ले रही है : समीर अली

वोट लेने वाले नेता हमारा सम्मान करना भी उचित नही समझतेः जफर खान

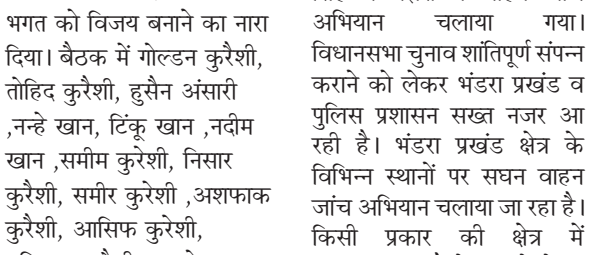

नवीन मेल संवाददाता। कुडू (लोहरदगा)

पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष जफर खान ने कुडू बाजार टांड़ स्थित आवास पर ऑल इंडिया इत्तेहादुल मुस्लेमीन के तहत बैठक की। बैठक में जिले और प्रखंड के विभिन्न गांव के लोग शामिल हुए। बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव में आईएएमआईएम के समर्थन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से एआईएमआईएम के संगठन मंत्री समीर अली, पूर्व प्रदेश सचिव शाहिद अय्यूबी, पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष जफर खान मुख्य रूप से उपस्थित हुए। मौके पर समीर अली ने कहा कि बाप-दादा के समय से कांग्रेस मुसलमानों का वोट लेकर बेवकूफ बनाने का काम करती आई है। पहले दुलार कर वोट लेने वाले अब डरा कर वोट ले रहे हैं। इनके ये हथकंडे सभी को समझ में आ गया है। ऐसे में इस बार हम सभी एआइएमआइएम के समर्थित उम्मीदवार रामेश्वर लोहरा की जीत के लिए पूरी तरह आस्वस्त है। जफर खान ने कहा कि हर समाज अपने अधिकार के प्रति जागरूक है और विकास चाहता है। हम मुसलमान कांग्रेस को अपना वोट देते आये हैं। लेकिन कुछ मतलब परस्त लोग कांग्रेस को पहले वाली कांग्रेस नही रहने नही देना चाहते है। अब यहां मुसलमानों को टिकट या कोई बड़ा पद तक देना नही चाहते हैं। सिर्फ अपनी झोली भरने वाले नेताओं को अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी, पिछड़े समाज से जुड़ी समस्याओं के सामाधान के दिशा में पहल करना तो दूर हमारे वोट लेकर गुलछर्रे उड़ाने वाले नेताओं को हमारी भावनाओं, हमारे मान सम्मान हमारी जरूरतों से भी कोई वास्ता नही है। उन्होंने लोगों से समाज की आवाज बनने वाली पार्टी एआईएमआईएम को वोट करने को अपील की। मौके पर जिला अध्यक्ष तौफीक अंसारी, तजमुल अंसारी, प्रवक्ता गुफरान खान, मो मेराज, आफताब आलम, हैदर अंसारी, रज्जाक अंसारी, यूनुस अंसारी, हासिम अंसारी, हफीजुल अंसारी, हसन अंसारी सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

लोहरदगा विधानसभा सीट पर कांग्रेस व भाजपा की होते रहती है अदला-बदली

लोहरदगा। लोहरदगा झारखंड के हॉट विधानसभा सीटों में एक है। 1951 से लेकर अब तक के लोकतांत्रिक राजनीति प्रक्रिया पर दृष्टि डालें तो यह दृष्टिगोचर होता है, कि कांग्रेस पार्टी 1967 से 1995 तक लगातार 28 वर्षों तक सीट पर कब्जा जमाए हुए थी। इसके बाद राजनीति ने करवट ली, और 1995 से 2005 तक भारतीय जनता पार्टी का इस सीट पर कब्जा रहा। फिर 2005 से लेकर 2009 तक कांग्रेस के प्रतिनिधि का कब्जा रहा है। यहां इसके बाद 2009 से 2017 तक सात वर्षों तक एनडीए के उम्मीदवार के रूप में आजसू का कब्जा रहा। 2017 के उपचुनाव में फिर से कांग्रेस ने बाजी मारी, 2019 से अब तक इस सीट पर कांग्रेस का ही कब्जा है। लोहरदगा हॉट सीट इसलिए कहा जाता है, कि अब तक इस विधानसभा चुनाव में यहां के नागरिकों ने मात्र नौ लोगों को ही विधायक बनाने का काम किया है। इसमें चार मंत्री रहे हैं। बिहार लकड़ा और इंद्रनाथ भगत बिहार मंत्रिमंडल के सदस्य रहे थे। वही झारखंड बनने के बाद सधनू भगत और डॉ रामेश्वर उरांव को मंत्री पद प्राप्त हुआ।

कांग्रेस प्रत्याशी रामेश्वर उरांव के पक्ष में चला जनसंपर्क अभियान

कांग्रेस गठबंधन की सरकार से ही अंतिम व्यक्ति विकास पहुंचेगा : हाजी शकील

नवीन मेल संवाददाता। लोहरदगा

- **इसबार हमे ध्यान देना है कि बोटिंग प्रतिशत में कमी न हो तथा वोट देने से कोई व्यक्ति छूट न जाय**
- **दूसरे लोग सिर्फ वायदे करते हैं हमने कार्य करके दिखाया है**

कैरो प्रखंड के हनहट गांव में जनसंपर्क अभियान चलाकर कांग्रेस प्रत्याशी डॉ रामेश्वर उरांव के पक्ष में मतदान करने के लिये अपील की गयी। वहीं कांग्रेस की नीति एवं सिद्धांतों को घर। घर तक पहुंचाया गया।

हाजी शकील अहमद ने कहा कि कांग्रेस गठबंधन की सरकार ही समाज के अंतिम पायदान में बैठे लोगों का विकास कर सकती है। आज अबुवा आवास, मईया सम्मान योजना सर्वजन पेंशन योजना कांग्रेस के विकास की नित नए आयाम गढ़ रहे हैं। रामेश्वर उरांव ने पिछले कार्यकाल में कोरोना जैसे महामारी में जनता के साथ कदम कसे कदम मिलाकर खड़े रहे।

दूसरे लोग सिर्फ वायदे करते हैं हमने कार्य करके दिखाया है। जिले में लाखो की संख्या में ग्रीन कार्ड बनाकर गांव गांव में पी सी सी, अखड़ा , मसना एवं श्मसान घेराव हेतु रामेश्वर उरांव गरीबो के विकास के लिए कार्य किये हैं। रामेश्वर उरांव लोहरदगा की जनता के दिलो में बसते है जिसका परिणाम कल के जनसभा में आपार भीड़ देखकर पता चल ही गया है। यकीन है कि इसबार भी जनता का आशीर्वाद मिलेगा। अनीश अहमद ने कहा कि इसबार हमे ध्यान देना है कि बोटिंग प्रतिशत में कमी न हो तथा वोट देने से कोई व्यक्ति छूट न जाय। शतप्रतिशत मतदान ही लोहरदगा का कायाकल्प करने में पत्थर का मिल साबित होगी।

बीडीओ ने बूथ निरीक्षण कर चुनाव का लिया जायजा

नवीन मेल संवाददाता। सेन्हा (लोहरदगा)

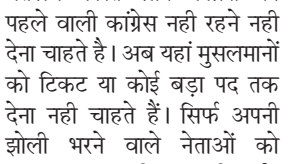

झारखण्ड विधानसभा चुनाव को लेकर बीडीओ ने क्षेत्र भ्रमण कर मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओ का जायजा लिया। चुनाव आयोग के निर्देशानुसार झारखण्ड विधानसभा चुनाव दो चरणों मे होना है। प्रथम चरण का चुनाव 13 नवम्बर को है। जिस निमित मतदाताओं और मतदानकर्मियों के लिये मतदान केंद्र में बिजली, पेयजल, शौचालय और दिव्यांग मतदाताओं के लिये रैम्प की सुविधा अनिवार्य है। जिसे प्रखंड विकास पदाधिकारी संग्राम मुर्मू ने बूथ निरीक्षण कर सभी मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया वही बीडीओ संग्राम मुर्मू ने कहा कि चुनाव को लेकर प्रखंड क्षेत्र के सभी 68 बूथों में चुनाव की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। जिसे जनता मतदान दिवस के दिन किसी तरह का असुविधा न हो जिसके लिये सभो मतदान केंद्रों में मूलभत सुविधा उपलब्ध करा दिया गया है। भयमुक्त हो कर निष्पक्षक मतदान कर सकेंगे।मौके पर बीपीआरओ सुजीत उरांव,रोजगार सेवक शहजादा शैफ तथा विद्यालय के प्रधानाध्यापक मौजूद थे।

निर्वाचन अति महत्वपूर्ण

समाहरणालय, गढ़वा (जिला निर्वाचन शाखा)

(E-mail ID – dep-eo-gar@gov.in / electiongarhwa1950@gmail.com)

आदेश

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्गत प्रेस–नोट संख्या ECI/PN/149/2024 दिनांक 15.10.2024 के अलोक में गढ़वा जिला में मतदान की तिथि दिनांक 13.11.2024 (बुधवार) को तथा मतगणना की तिथि दिनांक 23.11.2024 (शनिवार) निर्धारित है।

पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के पत्रांक 378/चु0को0, दिनांक 07.11.2024 के द्वारा विधानसभा आम निर्वाचन, 2024 के दृष्टिगत गढ़वा जिला में प्रतिनियुक्त होने वाले CAPF बलों के TAC HQ के लिए गढ़वा जिला अंतर्गत अवस्थित चिन्हित भवन/स्थल का अधिग्रहण हेतु सूची उपलब्ध करायी गई है। विवरण निम्नवत् है:–

क्र0	विधानसभा क्षेत्र संख्या एवं नाम	थाना	अधिग्रहण हेतु भवन का नाम
1	2	3	4
1	80–गढ़वा	रंका	महिमा मैरेज हॉल, रंका के चिन्हित 05 (पॉच) कमरा

उक्त के प्ररिप्रेक्ष्य में मैं शेखर जमुआर (भा0प्र0से0), जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह– उपायुक्त, गढ़वा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 160 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त सारणी में अंकित भवन चिन्हित (कमरों में उपलब्ध सभी उपस्करों सहित) दिनांक 09.11.2024 से दिनांक 25.11.2024 तक की अवधि के लिए निर्वाचन कार्य हेतु अधिग्रहित करता हूँ।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी,
–सह– उपायुक्त, गढ़वा

PR 339981 Election(24-25)D

समाहरणालय, गढ़वा (जिला निर्वाचन शाखा)

(E-mail ID – dep-eo-gar@gov.in / electiongarhwa1950@gmail.com)

निर्वाचन अतिमहत्वपूर्ण

आम–सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा निर्गत प्रेस–नोट संख्या ECI/PN/149/2024 दिनांक 15.10.2024 के द्वारा गढ़वा जिला मतदान की तिथि दिनांक 13.11.2024 (बुधवार) को प्रातः 07:00 बजे से सायं 5:00 बजे तक निर्धारित है।

BNSS, 2023 Section 163 पूर्ववर्ती Criminal Procedure Code, 1973 (CrPC) की धारा 144 के तहत् मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व यानि दिनांक 11.11.2024 को अपराह्न 5:00 बजे के बाद से दिनांक 14.11.2024 तक के लिए गढ़वा जिला अंतर्गत किसी भी प्रकार की सार्वजनिक सभा/बैठक आयोजित करने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंधित किया जाता है। उक्त अवधि के दौरान 5 से अधिक व्यक्तियों के एक साथ इकट्ठा होने/आने–जाने की अनुमति नहीं होगी। यद्यपि घर–घर प्रचार के सिलसिले में मतदान समाप्ति के नियत समय से पूर्व 48 घंटे के दौरान घर–घर प्रचार–प्रसार पर प्रतिबंध नहीं रहेगा।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी
–सह– उपायुक्त, गढ़वा

PR 339975
Election(24-25).D "सभी मतदाता बनें : सशक्त, सतर्क, सुरक्षित एवं जागरूक"

कार्यालय : जिलानिर्वाचन पदाधिकारी–सह–उपायुक्त, लातेहार

आम सूचना

विधानसभा आमचुनाव– 2024 के क्रम में सुरक्षा के दृष्टिकोण से लातेहार जिलान्तर्गत कुल44 मतदान केन्द्रों के रिलोकेशनहेतु प्रस्ताव पर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सहमतिदी गईहै। तदोपरांत दिनांक13.11.2024 को रिलोकेशन किये गये भवन पर मतदान सम्पन्नहोगा, जिसकी विस्तृत विवरणी निम्नवत् है :–

क्र.स.	विधानसभा का नाम	प्रखण्ड का नाम	मतदान केन्द्र की संख्या एवं नाम	रिलोकेशन के उपरांत परिवर्तित मतदानकेन्द्रभवन की संख्या एवं नाम, जहां विधानसभाचुनाव 2024हेतु मतदान संपन्न होगा
1	2	3	4	5
1	73 मनिका	बरवाडीह	46, स्तरोन्नतउच्चवि. सैदुपपूर्वीभाग	44, उ.उच्चवि. मोरवाईकलापू.भाग
2	73 मनिका	बरवाडीह	47, स्तरोन्नतउच्चवि. सैदुपपश्चिमीभाग	45, उ.उच्चवि. मोरवाईकलाप.भाग
3	73 मनिका	बरवाडीह	48, उ.म.वि. बेरे	50, स्तरोन्नतउच्चवि. लातपूर्वीभाग
4	73 मनिका	बरवाडीह	55, प्रा.वि. लादी	56, म.वि. मुण्डू
5	73 मनिका	बरवाडीह	57, उ.म.वि. हरातु	56, म.वि. मुण्डू
6	73 मनिका	बरवाडीह	59, उ.म.वि. अम्बाटीकर	58, उ.म.वि. गणेशपुर
7	73 मनिका	बरवाडीह	60, पंचायतभवननावाडीह	63, उ.म.वि. हेहेगड़ा
8	73 मनिका	बरवाडीह	64, प्राथमिकविद्यालय चुंगरू पूर्वीभाग	63, उ.म.वि. हेहेगड़ा
9	73 मनिका	बरवाडीह	65, प्राथमिकविद्यालय चुंगरू पश्चिमीभाग	63, उ.म.वि. हेहेगड़ा
10	73 मनिका		206, उ.म.वि. कोदाग	205, उ.म.वि. तुपुखुर्द
11	73 मनिका	गारू	211, म.वि. पिरी	212, उत्क्रमितप्राथमिकविद्यालय कारीटोला
12	73 मनिका	गारू	219, प्रा.वि. बंदुवा	218, उ.म.वि. लाई
13	73 मनिका	गारू	226, उ.म.वि. बारीबांध	225, सामुदायिकभवनकबरी
14	73 मनिका	गारू	232, उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुरकुमी	230, उत्क्रमित +2 उच्चविद्यालय गारू दक्षिणभाग
15	73 मनिका	गारू	233, उत्क्रमित मध्य विद्यालय कुजरूम	235, नयाप्रा.वि. डेडगांव
16	73 मनिका	गारू	236, प्राथमिकविद्यालय हेनार	234, स्तरोन्नतउच्चविद्यालय बारेसांढ़
17			240रा.प्रा.वि. बन्दुवा	239, रा.प्रा.वि. चेतमा
18	73 मनिका	महुआडांड़	249, उत्क्र. म.वि. दौना	245, प्रा.वि. मौनाडीह
19	73 मनिका	महुआडांड़	250, प्रा.वि. दुरूपपुरानाभवन	245, प्रा.वि. मौनाडीह
20	73 मनिका	महुआडांड़	251, प्रा.वि. आधे	उ.म.वि.बटुआटोली (नयाबूथभवनसृजन की आवश्यकता है।)
21	73 मनिका	महुआडांड़	254, प्रा.वि. बृजियाटोली	252, +2 उच्चविद्यालय नेतरहाटपू.भाग
22	73 मनिका	महुआडांड़	255, प्रा.वि. सिरसी	253, +2 उच्चविद्यालय नेतरहाटप.भाग
23	73 मनिका	महुआडांड़	256उत्क्रमित मध्य विद्यालय जामडीह	241, राजकीय मध्य विद्यालय सरनाडीह
24	73 मनिका	महुआडांड़	257 उ.म.वि. कुकुदपाठ	260, म.वि. ओरसापू.भाग
25	73 मनिका	महुआडांड़	258उत्क्रमित मध्य विद्यालय चीरोपाठपूर्वीभाग	260, म.वि. ओरसापू.भाग
26	73 मनिका	महुआडांड़	259उत्क्रमित मध्य विद्यालय चीरोपाठपश्चिमीभाग	260, म.वि. ओरसापू.भाग
27	73 मनिका	महुआडांड़	262उत्क्रमित मध्य विद्यालय सुरकई	260, म.वि. ओरसापू.भाग
28	73 मनिका	महुआडांड़	263प्रा.वि. परेवापुरानाभवन	264, उ.उच्चवि. चटकपुरपू.भाग
29	73 मनिका	महुआडांड़	298 म.वि. चम्पा	297, प्रा.वि. पुटरुंगीपू.भाग
30	73 मनिका	महुआडांड़	317प्रा.वि. माईल	321 प्रा.वि. चोरमुण्डा
31	73 मनिका	महुआडांड़	318उत्क्रमित मध्य विद्यालय बेलवार	307, उत्क्रमित मध्य विद्यालय चुटिया
32	73 मनिका	महुआडांड़	319उ.म.वि. आराहंस	321 प्रा.वि. चोरमुण्डा
33	74 लातेहार	बारियातू	29, उ.म.वि. इन्दुआ	33, म.वि. लाटू
34	74 लातेहार	बारियातू	30, उत्क्रमित मध्य विद्यालय हेरनहोपा	31, म.वि. बालूभांग उ.भाग
35	74 लातेहार	लातेहार	174, उ.म.वि. सोहदाग	175, उ.म.वि. कैमा
36	74 लातेहार	लातेहार	260, उ.म.वि. पेशरार	256, उ.प्रा.वि. बतातखुर्द (पुराना भवन)
37	74 लातेहार	चन्दवा	295, उ0प्रा0वि0 तिलैयादामर	292, रा0उ0म0वि0 चकला प0 भाग
38	74 लातेहार	चन्दवा	322, प्रा.वि. गरदाग	321, उ.म.वि. चिरो
39	74 लातेहार	चन्दवा	323रा0कृ0प्रा0वि0 बोदा	324, उ.म.वि. लुकुईया
40	74 लातेहार	चन्दवा	326 रा0प्रा0वि0 हाका पू0 भाग	325, उ.उच्चवि. हुटाप
41	74 लातेहार	चन्दवा	327 रा0प्रा0वि0 हाका प0 भाग	325, उ.उच्चवि. हुटाप
42	74 लातेहार	चन्दवा	353, रा0प्रा0वि0 आरा	348, रा0कृ0उ0म0वि0 दुधिमाटी
43	74 लातेहार	चन्दवा	356, उ.प्रा.वि. जमुआरी	358, रा0म0वि0 बेतरनावाटांड
44	74 लातेहार	चन्दवा	357, रा0उ0म0वि0 मड़मा	358, रा0म0वि0 बेतरनावाटांड

PR 339972 Election (24-25)D

जिलानिर्वाचन पदाधिकारी
–सह–उपायुक्त, लातेहार।

भरनो में गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने किया चुनावी सभा को किया संबोधित, कहा

सरना धर्म कोड तभी मिलेगा जब महागठबंधन की सरकार बनेगी

नवीन मेल संवाददाता। गुमला भरनो के प्लस टू हाई स्कूल मैदान में शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने सिसई विधानसभा क्षेत्र के झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) प्रत्याशी जिग्गा सुसारन होरो के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में जुटे जनसमूह से तीर-धनुष के निशान पर वोट देने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए कल्पना सोरेन ने लोकतंत्र के महापर्व में सभी से बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि 'पहले मतदान करें, फिर जलपान।' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झारखंड की पहचान, कुड़ुक भाषा, और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के लिए आठवीं अनुसूची में कुड़ुक भाषा को जोड़ने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, हमारे राज्य की योजनाओं को संसद में पारित करना मुश्किल हो जाता है क्योंकि बाहरी ताकतें आदिवासी समाज को आगे बढ़ते नहीं देखना चाहतीं। कल्पना सोरेन ने आदिवासी समाज के प्रति असंवेदनशीलता का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जिन लोगों को आदिवासी शब्द से ही चिढ़ है, वे हमारी भाषा, संस्कृति, त्योहारों, परिधान, और परंपराओं से कैसे प्रेम कर सकते हैं? उन्होंने झारखंड के विकास पर चिंता जाहिर की, और कहा कि देश में विकास की दौड़ में झारखंड को नीचे रखा जाता है। उन्होंने माताओं-बहनों के अधिकारों और शिक्षा के क्षेत्र में अधिक अवसर देने की मांग की।

झामुमो प्रत्याशी जिग्गा सुसारन होरो ने विकास के वादे को दोहराया

सभा में झामुमो प्रत्याशी जिग्गा सुसारन होरो ने कहा कि बीते पांच सालों में राज्य में विकास की एक नई लहर आई है और अब जो कार्य अधूरे रह गए हैं, वे अगले कार्यकाल में पूरे किए जाएंगे। उन्होंने जनता को आश्वासन दिया कि वे सभी वादों को पूरा करेंगे।

ढोल-नगाड़ों और फूलमालाओं से किया गया जोरदार स्वागत

इससे पूर्व, कल्पना सोरेन का हेलीकॉप्टर भरनो में लैंड होते ही स्थानीय कलाकारों और झामुमो कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़े बजाकर और फूलमालाएं पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। जनसैलाब देखकर कल्पना सोरेन भावविभोर हो गईं और हाथ हिलाकर सभी का अभिवादन किया।

दो बाइकों के बीच सीधी टक्कर, दो लोग घायल

गुमला। शहर से लेकर गांव तक सड़क दुर्घटनाएं आये दिन देखने को मिलता है। लोग अपनी वाहनों को इतनी रफ्तार से चलाते हैं जिससे दुर्घटनाएं होना लाजमी है। जिले के पालकोट थाना क्षेत्र के बघिमा पेट्रोल पंप के समीप दो बाइकों की सीधी भिड़ंत में दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गये। घायलों में हंसदोइन निवासी 27 वर्षीय बुंदेश्वर गोप व बहरा टोली निवासी 24 वर्षीय अंकित कुमार शामिल है। घटना शुक्रवार देर शाम की है। स्थानीय लोगो की मदद से दोनो घायलों को तत्काल सदर अस्पताल गुमला पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार अंकित शुक्रवार को अपने बाइक से बसिया किसी काम से गया था। काम हो जाने के बाद बाइक से ही वापस अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे बाइक सवार बुंदेश्वर गोप और अंकित कुमार के साथ सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों बाइक चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गये।

गुमला जिले में विधानसभा चुनाव को लेकर हुई विशेष बैठक

मतदान तैयारियों को लेकर अधिकारियों व कर्मियों के बीच हुई संयुक्त ब्रीफिंग

नवीन मेल संवाददाता। गुमला 13 नवंबर को आयोजित होने वाले विधानसभा आम चुनाव को लेकर गुमला जिले में सुचारू मतदान प्रक्रिया सुनिश्चित करायी जायेगी। इसे लेकर चंदाली स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज परिसर में विशेष ज्वाइंट ब्रीफिंग का आयोजन किया गया। इस ब्रीफिंग में गुमला, बिशुनपुर, और सिसई विधानसभा क्षेत्रों के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक की प्रमुख उपस्थिति में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गुमला कर्ण सत्यार्थी और पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने संयुक्त अध्यक्षता की। इस अवसर पर सभी संबंधित अधिकारी, कर्मी, सेक्टर मजिस्ट्रेट, और पुलिस सेक्टर मजिस्ट्रेट उपस्थित थे। इस ज्वाइंट ब्रीफिंग का मुख्य उद्देश्य चुनाव के दिन की तैयारियों को सुनिश्चित करना और चुनाव कार्य में संलग्न सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके दायित्वों के प्रति सजग करना था। उपायुक्त ने सभी कर्मियों को अपने कार्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने के निर्देश दिए और मतदान प्रक्रिया के निर्बाध संचालन हेतु आवश्यक निर्देश प्रदान किए।

सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष जोर

पुलिस अधीक्षक शंभू कुमार सिंह ने दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित मतदान केंद्रों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस मजिस्ट्रेट को अपने मतदान केंद्रों की सभी आवश्यक जानकारियों को अपडेट रखने को कहा। सुरक्षा की दृष्टि से हर सेक्टर पुलिस अधिकारी को संबंधित थाना प्रभारियों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही, स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

मतदान सामग्री के वितरण पर निर्देश

उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने चुनाव के दिन डिस्पैच एवं रिसीविंग सेंटर पर सभी अधिकारियों को सुबह 5 बजे से पहले पहुंचने का निर्देश दिया। उन्होंने मतदान सामग्री के समय पर वितरण और निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश दिए। अपर समाहर्ता शशिंद्र बड़ाइक ने चुनाव कार्य में संलग्न सभी कर्मियों को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया और समन्वय के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बताया कि सभी मतदान केंद्रों पर मतदान कर्मियों के ठहरने की उचित व्यवस्था की गई है। इसके अलावा, बीएलओ हेल्प डेस्क के माध्यम से मतदाताओं की सहायता के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं और प्रत्येक बूथ पर चार वॉलेंटियर्स तैनात किए गए हैं। मतदान से पूर्व पी-2 एवं पी-1 की तैयारियों के साथ, मतदान दिवस के दिन के सभी कार्यों का बिंदुवार विवरण भी अधिकारियों को दिया गया। एसडीओ सदर राजीव कुमार ने बैठक में विधि व्यवस्था और पदाधिकारियों की ड्यूटी से संबंधित जानकारी साझा की, जिससे चुनावी प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की बाधा से बचा जा सके।

एनएच पर छह मृत गायें मिली

सिसई (गुमला)। रेड़वा पंचायत के अंतर्गत एनएच फोरलेन सड़क के किनारे छह गायें मृत पायी गयी। सूचना पर पहुंचे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने कहा कि रात्रि में मृत गायों को किसी और जगह से लाकर यहां फेंक दिया गया है। सड़क के किनारे घसीटने के निशान पाये गये हैं। मौके पर उपस्थित लोगों का कहना है कि आगामी 13 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने वाला है। इसके मद्देनजर माहौल को बिगाड़ने की मंशा से इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया है। लोगों ने कहा कि यह घटना प्रशासन विफलता की है। गो तस्कर बेखौफ होकर गाय की तस्करी कर रहे हैं। मौके पर सेवा सुरक्षा संस्कार बजरंग दल एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने मृत गायों का अंतिम संस्कार किया। मौके पर पुलिस- प्रशासन भी मौजूद थी।

गडरपो पंचायत के ग्रामीणों ने चमरा के पक्ष में वोट नहीं करने का लिया निर्णय

बिशुनपुर। बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के भंडरा प्रखंड क्षेत्र के गडरपो पंचायत के ग्रामीणों ने चमरा लिंडा के पक्ष में वोट नहीं करने का निर्णय लिया है. वहां के लोग चमरा से खासा नाराज हैं. ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमलोग सालों से चमरा लिंडा को वोट करते आ रहे हैं, लेकिन अभी तक हम लोग बुनियादी सुविधाओं का अभाव में जी रहे हैं. हमलोगों के यहां ना तो अच्छी सड़क बन पाई है अर ना ही पेयजल की व्यवस्था है. विकास से दूर-दूर तक वंचित हैं क्षेत्र के ग्रामीण. ग्रामीणों के समस्याओं को उन्होंने आज तक संज्ञान नहीं लिया है. साथ ही आगे कहा कि विकास के नाम पर सिर्फ धोखा मिला है. उन्होंने अपने परेशानियों को बताते हुए कहा कि हमारे क्षेत्र से जीतने के बाद कोई दिखाई नहीं देते हैं. विधायक का तो किसी तरह का अता-पता भी नहीं होता है. इनके नहीं पहुंचने से क्षेत्र विकास की बाट जोह रहा है. इसलिए सभी ग्रामीणों ने निर्णय लिया है कि इस बार वोट नहीं करेंगे. इधर बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के गडरपो पंचायत में तिलसीरी, आमदरी, पलमी, डुमरी, धनामुंजी, बिटपी गांव ग्रामीण भी चमरा से नाराज हैं. ग्रामीणों के अनुसार चमरा लिंडा गांव वासियों के लिए कुछ नहीं किया. मके पर एंथोनी मिंज, मसीह दयाल मिंज, दानियल मिंज, प्रकाश उरांव, सोमरा उरांव, प्रमोद महतो, जीवन बखला, जॉन टोप्पो, सोमारी उरांव, प्रकाश मिंज, बसिमा उरांव, पीटर मिंज,रोशन केरकेट्टा, बोनी उरांव, निर्मल मिंज, जोसेफ कुजूर, अरूण कच्छप आदि मजूद थे.

हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता : शाहदेव

पालकोट। प्रखंड मुख्यालय स्थित राजा मैदान में पालकोट राजपरिवार के युवराज देवब्रत नाथ शाहदेव शनिवार को राज दरबार का आयोजन कर जनता की समस्याओ को सुना गया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों युवराज शाहदेव को सामाजिक समस्याओं के साथ पेंशन, आवास व पेयजल सहित अन्य समस्याओं से अवगत कराया गया। मौके पर युवराज देवब्रत ने कहा कि हमे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की आवश्यकता है। जानकारी के अभाव में हम अपने हक और अधिकार को नही समझ पाते है। नेता और अधिकारी हमारे सेवक है ,पर हम उन्हें हाकिम समझ बैठते है। गांव में जो भी समस्या है, अब उनके निष्पादन के लिए उनकी टीम ने अब प्रभावी स्तर पर कार्य करना शुरू कर दिया है। जिस भी समस्या के लिए जो अधिकारी या जनप्रतिनिधि जिम्मेवार होगा अब से उन्हें कर्तब्यबोध करा कर समस्या का निबटारा कराया जायेगा। मौके पर मनीष हिंदुस्तान ,मन्नू साहू, ऋषि गुप्ता ,राजेश गुप्ता ,रिजवान खान, विशाल गुप्ता ,राहुल केशरी सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

प्रतिबंद्ध के बाद भी बिक रहा है सिंगल यूज प्लास्टिक

गुमला। करीबन ढाई वर्ष पूर्व सिंगल यूज प्लास्टिक व थर्मोकॉल बने ग्लास,प्लेट,सिंगल यूज बैंग सहित एक मर्तबा यूज एंड थ्रो वाले चीजों के इस्तेमाल पर कानूनन प्रतिबद्ध लगी है। बावजूद इसके जिम्मेंवारों की शिथिलता में धड़ल्लें से सिंगल यूज प्लास्टिक का बिक्री व इस्तेमाल आम है। केंद्र सरकार की ओर से पहली जुलाई 2022में स्वास्थ्य व वातावरण को बेहतर-स्तरीय बनाये रखने की सोच के साथ जानलेवा व वातावरण को प्रदुषित करने वाले सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन लगायी गयी थी। शुरूआत में सभी जगहों पर प्रशासनिक महकमें की सख्ती दिखी तो कुछ दिनों के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक प्रोडक्ट बंद भी रहा। बाद में छुपे-छुपाये इसकी बिक्री व इस्तेमाल शुरू हुआ और फिलवक्त खुलेआम-धड़ल्लें से इसका इस्तेमाल हो रहा है। इन सब के बीच सिंगल यूज प्लास्टिक पर बैन के बाद मॉकेट में सरकारी गाइडलाइन के आधार पर स्तरीय बैंग सहित ग्लास-प्लेट की बिक्री हो रही थी,बाद में जैसे इस पर निगरानी-मॉनिटरिंग कम हुआ। फिर से मॉकेट में वहीं पुराने ढर्रे पर कारोबार व इस्तेमाल शुरू हो गया। दूसरी ओर लोगों की संजीदगी पर भी सवाल है। बगैर बैंग के खरीददारी के लिए निकलने वाले लोगों की डिमांड पर कारोबारी भी विवशता में होता है। और लोगों की स्वास्थ्य व प्रदुषण के मुद्दें-मसले गौण हो जाते है। बेस्ट-कचरे की भरमार के बीच पशुधन से लेकर मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव होता है। गुमला नगर परिषद् क्षेत्र से रोजाना 15-20 टन कूड़ा-कचरे का उठाव होता है। जिसमें सिंगल यूज प्लास्टिक की मात्रा सबसे ज्यादा होती है। नगर परिषद् के प्रशासक एस मरांडी ने कहा कि सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक को लेकर जल्द ही अभियान चलाया जायेगा।

कालिगा गांव में जंगली हाथी का आतंक, भगदड़ में कई लोग घायल

वन विभाग ने हाथियों को सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ा

नवीन मेल संवाददाता। गुमला जिले के कालिगा गांव में मंगलवार को एक जंगली हाथी के अचानक पहुंचने से दहशत फैल गई। गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जब लोगों ने हाथी को भगाने के लिए पटाखे फोड़े और शोर मचाया। हाथी आक्रोशित हो गया और लोगों की ओर दौड़ पड़ा, जिससे भगदड़ मच गई। इस दौरान कई ग्रामीण घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि यह हाथी पिछले कुछ दिनों से मधुबन जंगल के पास देखा जा रहा था और कोयन जारा के रास्ते से भटकते हुए कालिगा गांव में पहुंच गया।

फसलों को पहुंचा भारी नुकसान, ग्रामीणों में दहशत : हाथी ने गांव में कई खेतों में खड़ी फसलों को रौंदकर नष्ट कर दिया, जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ। खेतों में लगे धान और मक्के की फसलें तहस-नहस हो गईं। ग्रामीणों के अनुसार, हाथी के आक्रमक होने की संभावना पहले से ही बनी हुई थी।

वन विभाग की तत्परता से टला बड़ा हादसा

घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। टीम ने योजनाबद्ध तरीके से हाथी को घेरने और भगाने की कोशिश की। ग्रामीणों की सहायता से वन विभाग ने हाथी को मधुबन जंगल की ओर खदेड़ने में सफलता प्राप्त की।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, लातेहार

आम सूचना

लातेहार जिला के सभी मतदातागण, कृपया ध्यान दें:–

विधानसभा आम चुनाव 2024 के निमित लातेहार जिला अंतर्गत मतदान की तिथि दिनांक 13.11.2024 को निर्धारित है।भारत निर्वाचन आयोग के पत्र संख्या 3/4/ID/2024/SDR&Vol.I, दिनांक 17.10.2024 द्वारा प्राप्त आदेशानुसार सभी मतदाता, जिन्हें निर्वाचक फोटो पहचान पत्र जारी किए गए हैं, मतदान स्थल पर मत डालने से पहले पहचान सुनिश्चित करने हेतु अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र दिखाएंगे। ऐसे निर्वाचक, जो अपना निर्वाचक फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए यह निम्नलिखित वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करना होगा :–

1. आधार कार्ड
2. मनरेगा जॉबकार्ड
3. बैंको / डाकघरों द्वारा जारी किए गए फोटोयुक्त पासबुक
4. श्रम मंत्रालय की योजना द्वारा जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड
5. ड्राइविंग लाइसेंस
6. पैनकार्ड
7. एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी किए गए स्मार्ट कार्ड
8. भारतीय पासपोर्ट
9. फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज
10. केन्द्र / राज्य सरकार / लोकउपक्रम / पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र
11. सांसदो / विधायकों / विधान परिषद् सदस्यों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र और
12. यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय,भारत सरकार।

PR 339971 Election(24-25).D

जिला निर्वाचन पदाधिकारी

अनुलग्नक-47
प्रारूप C-1 से C-8 तथा CA
प्रारूप C-1
(अभ्यर्थी के द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु)

आपराधिक प्रकरणों के संबंध में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम और पता : **अनंत प्रताप देव, नगर उंटारी, पो+थाना नगर उंटारी, जिला गढ़वा, झारखंड, पिन- 822121**

राजनीतिक दल का नाम (स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें) : **झारखंड मुक्ति मोर्चा**

निर्वाचन का नाम : **विधानसभा निर्वाचन 2024**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : **81, भवनाथपुर**

मैं **अनंत प्रताप देव** (अभ्यर्थी का नाम) उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं।

(A) लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम	न्यायालय का नामप्रकरण सं. एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
1	श्रीमान अवर मुख्य न्या. दंडा. नगर उंटारी	धुरकी थाना कांड सं.- 37/2024	प्रेकरण अनुसंधान अंतर्गत है।	धारा 188,143,177 भा.द.वि.
2	श्रीमान एस.एन. कूजूर, न्या.दडा. नगर उंटारी	हरिहरपुर थाना कांड सं.- 78/2024	प्रकरण अनुसंधान अंतर्गत है।	धारा 171 (C) व 188 भा.द.वि. व धारा 134 आर.पी.एक्ट

(B) दंडनीय अपराधों के लिए सजा के प्रकरणों का विवरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम और आदेश (आदेशों) की तिथि (तिथियां)	कार्यालय (यों) और लगाई गयी सजा का विवरण	लगाया गया आधिकतम दंड
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

अनंत प्रताप देव
झारखंड मुक्ति मोर्चा (प्रत्याशी)
81 भवनाथपुर विधान सभा क्षेत्र

समाहरणालय, गढ़वा (जिला निर्वाचन शाखा)

(E-mail ID – dep-eo-gar@gov.in / electiongarhwa1950@gmail.com)

आम–सूचना

एतद् द्वारा गढ़वा जिला के सभी मतदाता को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड गजट संख्या 659 दिनांक 18.10.2024 के द्वारा विधानसभ आम निर्वाचन, 2024 के निमित्त गढ़वा जिला में मतदान की तिथि एवं समय निर्धारित की गईहै। विवरण निम्नवत् है:–

क्र0	विधानसभा क्षेत्र संख्या एवं नाम	मतदान की तिथि	समय
1	76–डाल्टनगंज (पार्ट भण्डरिया एवं बड़गड़ प्रखण्ड)	13.11.2024	• 35 मतदानकेन्द्र– 373 से 376, 380 से 392, 395 से 399, 405 से 407, 410 से 413, 415 से 419, 422 मेंप्रातः 7:00 बजे से सायं 4:00 बजे • शेष मतदान केन्द्रों में प्रातः 7:00 बजे से सायं 5:00 बजे
2	77–विश्रामपुर (पार्ट काण्डी, बरडीहा एवं मझिऑव प्रखण्ड)	13.11.2024	प्रातः 7:00 बजे से सायं 5:00 बजे
3	80–गढ़वा	13.11.2024	• 06 मतदान केन्द्र–331, 334, 335, 426, 444, 445 में प्रातः 7:00 बजे से सायं 4:00 बजे • शेष मतदान केन्द्रों म प्रातः 7:00 बजे से सायं 5:00 बजे
4	81–भवनाथपुर	13.11.2024	प्रातः 7:00 बजे से सायं 5:00 बजे

अतः गढ़वा जिला के सभी मतदाताओं से अपील है कि उपरोक्त विवरण के अनुसार गढ़वा जिला में मतदान हेतु अधिसूचित तिथि एवं समय के अनुरूप अपने–अपने मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर अवश्य मतदान कर लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनान में अपनी भागीदारी सुनिश्चत करेंगे।

उप निर्वाचन पदाधिकारी, गढ़वा | अपर समाहर्त्ता, गढ़वा | जिला निर्वाचन पदाधिकारी –सह–उपायुक्त, गढ़वा

PR.NO.339968 Election(24-25):D

अनुलग्नक-47
प्रारूप C-1 से C-8 तथा CA
प्रारूप C-1
(अभ्यर्थी के द्वारा समाचार पत्रों में प्रकाशित करने हेतु)

आपराधिक प्रकरणों के संबंध में घोषणा

(2011 की रिट याचिका (सिविल) नंबर 536 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के 25 सितंबर, 2018 के निर्णय के अनुसार (पब्लिक इंटरेस्ट फाउंडेशन ऑर्स बनाम भारत संघ एवं एएनआर)

अभ्यर्थी का नाम और पता : **श्री राम सिंह, आबादगंज, सुदना, डालटनगंज पलामू, झारखंड, पिन - 822101**

राजनीतिक दल का नाम (स्वतंत्र अभ्यर्थी यहां 'निर्दलीय' लिखें) : **निर्दलीय**

निर्वाचन का नाम : **विधानसभा निर्वाचन 2024**

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : **76, डालटनगंज**

मैं **श्री राम सिंह** (अभ्यर्थी का नाम) उपर्युक्त निर्वाचन के लिए एक अभ्यर्थी, सार्वजनिक जानकारी के लिए अपने आपराधिक पूर्ववृत के संबंध में निम्नलिखित विवरण घोषित करता हूं।

लंबित आपराधिक प्रकरण

क्र.सं.	न्यायालय का नाम	न्यायालय का नामप्रकरण सं. एवं तारीख	प्रकरण की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (ओं) और अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण
क.	संबद्ध पुलिस थाने के नाम पत्ते के साथ प्रथम इत्तिला रिपोर्ट सं.	थाना- मझिआंव जिला- गढ़वा राज्य - झारखंड	मझिआंव थाना कांड संख्या - 164/14	प्राथमिक संख्या 164/14 दिनांक 17/11/2014
ख.	न्यायालय के नाम के साथ मामला संख्या	प्रधान जिला एवं सत्र न्यायधीश गढ़वा एस.टी. नं. 200/2019	एस.टी. नं. 200/2019	एस.टी. नं. 200/2019
ग.	अंतर्वलित संबद्ध अधिनियमों/संहिताओं की धाराएं (धारा की सं. दें, अर्थात् भारतीय दंड संहिताए आदि की धारा...)	U/S 147, 148, 149, 341, 323, 337, 338, 353, 37, 338, 371, 511, 188, I.R.C. and 126, 127 R.P.Act.	and Section 9 of Bihar Sound Act.	शून्य
घ.	अपराध का संक्षिप्त विवरण	नाजायज मुजमा बनाकर माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन का सभा नहीं होने देना मना करने पर पुलिस का रायफल छिनने तथा इटे एवं पत्थर चलाकर गम्भीर रूप से घायल करना		
ङ.	क्या आरोप विरचित किए गए हैं (हां या नहीं का उल्लेख करें)	हां	शून्य	शून्य
च.	यदि उपर्युक्त मद (ङ) के सामने उत्तर हां है, तो वह तारीख दें. जिसको आरोप विरचित किए गए थे	06/06/2019	शुन्य	शून्य
छ.	क्या कार्यवाहियों के विरुद्ध कोई अपील /पुनरीक्षण के लिए आवेदन फाईल किया गया है (हां या नहीं का उल्लेख करें)	नहीं	नहीं	नहीं

श्री राम सिंह
निर्दलीय (प्रत्याशी)
76, डालटनगंज विधानसभा क्षेत्र

संस्मरण

मां की खासियत सबसे अलहदा

अनिता रश्मि

उस जमाने की स्त्रियाँ न जाने किस साँचे में ढली होती थीं कि अधिकांश महिलाओं के अंदर दया-माया, प्रेम, धैर्य, सहनशीलता, त्याग, सामंजस्य क्षमता आदि के मानवीय गुण कूट-कूट कर भरे होते थे।

हाँलाकि अपवाद तब भी था।

मेरी माँ लीलावती देवी को ईश्वर ने एक और अलग नए साँचे में ढाला था। वैसी शख्सियत विरल हैं। जिन्होंने देखा था, सबने कहा था।

वे उच्च कोटि के जीवन मूल्यों से लबालब भरी थीं। नाना की पहली संतान, छः बहनों में सबसे बड़ी माँ के अंदर बचपन से ही अलग तरह के संस्कार भर गए थे। शादी पूर्व अन्य लड़कियों की तरह गृहकार्य में दक्ष, सिलाई-बिनाई, कढ़ाई में निपुण माँ के हाथों के द्वारा आँका गया हिरण, मोर अब भी झाँककर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हैं।

यह तो उस जमाने की कई लड़कियों की खासियत थी। अतः ससुराल के लिए सभी ठोंक-बजाकर तैयार की जाती थीं। लेकिन मां की खासियत सबसे अलहदा। हमने बचपन से ही देखा कि वह कितनी करुणामयी है। लोगों के प्रति छल-छल छलकती करुणा के साथ गौरैया, कौवे, गाय, कुत्ते को तो रोटी खिलाती ही थी, चींटियों के लिए भी चीनी-पानी कोने-कतरे में रखती थी।

हम छः भाई-बहन एवं बाबूजी चिढ़ जाते। पर उसको फर्क नहीं पड़ता था।

चीटियों, कीड़े-मकोड़े को बचाकर चलते समय लड़खड़ाते-सँभलते देखकर तो खासकर उसको विरोध के स्वर सुनने पड़ते। पर वे मीठी-मध्यम आवाज में समझाती, चीटियों को बचाकर इसलिए चलती हूँ कि जिनको हम जीवन दे नहीं सकते, उन्हें मार कैसे सकते हैं।

वह कभी किसी से तीखी, नाराजगी भरे अंदाज में बात नहीं करती थी। बल्कि उनकी आवाज में अतिरिक्त नम्रता यानी बेचारगी की झलक।सदा उनके शब्द होते,खीरा के चोर और हीरा के चोर बराबर होव है।

लो, उसका ?सा असर, मैं एक रुपये की भी बेईमानी कभी कर नहीं सकी। सपने में भी बेईमानी का विचार नहीं आया। और तो और दो रुपये की बेईमानी जिस भी व्यक्ति ने मुझसे की, नाराजगी झेली। अलग बात कि माँ की तरह ही हजारों रुपये खुशी से दे दूँ।

वे एक बात और प्रमुखता से कहती,

आत्मा सब कुछ देखती है। उससे कुछ भी नहीं छुपता है...और गलत काम करते वक्त आत्मा जरूर रोकती-टोकती है। उसकी सुन ले तो आदमी कोई गलत काम नहीं करेगा।

बाद में मेरी एक कहानी में यह वाक्य समा गया। नित्य चार बजे भोर से हमारे घर में गीता का बारहवाँ अध्याय गूँजने लगता। माँ पूजा के रैक के सामने आसनी पर बैठी मुँह अँधेरे गीता के श्लोक को सस्वर पढ़ती। वह कहती,

कृष्ण जी ने हमको साक्षात्द दर्शन दिया है। कृष्ण की परम आराध्या माँ ने पूरे मुहल्ले के लोगों से दोसुत्ती कपड़े में बाल गोपाल को कढ़वाया था। हम चार भाइयों-दो बहनों से तो दो-तीन।

यह उनकी कान्हा के प्रति अप्रतिम प्रेम की निशानी थी। सबमें रोपने की उनकी कोशिश। पूरा चर्च रोड मुहल्ला उनका दीवाना। कोई भी व्यक्ति घर से बिना खाए नहीं लौट सकता था। जो कोई घर में आ गया, वह भगवान...'अतिथि देवो भव।सब कहते, इतनी सरल, सहज लेडी नहीं देखी। तुम बच्चे लोग परेशान नहीं होओ। हमलोग समझते हैं इनकी निश्छलता। ऐसा कहने की वजह थी। माँ कुछ पका भोजन नहीं रहने पर हमसे उन्हें चना-गुड़ या मात्र दाल-चीनी भी दिलवाकर ही लौटने देती। हम असहज महसूस करते।हमारे घर हर समय दूर-नजदीक के परिजनों का आगमन। आधी जिंदगी हम भाई-बहन जमीन पर ही सोते थे क्योंकि पलंगें उनके लिए खाली करवाती। अतिथि खुश होकर लौटते हुए कहते, हमलोग यहाँ केवल लीली दीदी / लीली भाभी के लिए आते हैं। इतनी निश्छल... रुखा-सूखा मायने नहीं रखता है। प्यार की बरसात में भीगे होते सब। मां गजब की सुंदर थी। गोरा रंग, सुतवां नाक, कटिचुंबी केश। विल पावर की धनी, आत्मविश्वास से लबरेज। पर बेहद बीमार। भाई के जन्म के समय से सन्निपात की भयंकर रोगिणी। घर के कार्य, भाइयों की देखभाल हम बहनें करतीं। माँ की तिमारदारी भी। छुटपन से ही चूल्हा-चौकी हमारे कोमल हाथों में। पर अतिथि सत्कार करते वक्त या गीता पाठ करते वक्त या चींटी सबको चीनी देते समय वह न जाने कैसे ठीक हो जाती। कालांतर में उसको एक शौक लगा। वह पिक्चर देखने सिनेमा हॉल जाती।

हमें भी दिखलाती, मुहल्लेवालों के साथ हर आने-जानेवालों को भी उकसाती। बल्कि देखने जाने की जिद सी करती। हम बड़े हो गए थे तो उनका वह बुढ़ापे का शौक, जिद हमें अखरता। शर्म आती कि लोग क्या कहेंगे। अब सुनिए उसका तर्क...एक दिन हमें ऊत्तर सुनने को मिला,देखअ, एक फिल्म बनावे में केतना पैसा लगअ है। केतना लोग के मेहनत लगअ है। केतना लोग के रोजी-रोटी चलअ है। येही से सबके सिनेमा देखना चाहिए। उनकी जिद का भेद खुला। उनकी निगाहों में तब के टिकट काटनेवाले, दरबान, सीट पर बिठानेवाले टॉर्चधारी व्यक्ति और न मालूम कितने संबंधित लोग प्रत्यक्ष हो गए होंगे, हम समझ गए थे।

इस तर्क के बाद हम सब अपने लोगों की बोलती बंद। मां 1995 में 64 की उम्र में चली गई लेकिन सबको कितना कुछ दे गई, इस छोटे से कलेवर में वह सब नहीं समा सकता।

माँ

सुरेश चंद्र झा

एक लोहे का बड़ा सा बंद दरवाजा। लगातार कोशिशों के बाद उन दोनों ने उसकी कील के पास एक छोटा सा रास्ता आखिर ढूंढ ही लिया था । चिड़ा परेशान हो जाता यह सोचकर कि अब जबकि गौरैये के प्रसव का समय इतने करीब आ गया है और अभी तक वे दोनों कोई घोंसला नहीं बना पाए हैं। आज लोहे के दरवाजे के पास से जब अंदर जा पाए तो ऊपरवाले के सिजदे में उनकी गर्दनें स्वतः ही झुक गयीं,जब उन्होंने वहां एक छिपा हुआ टोकरा देखा ।अरे ,इससे अच्छी और सुरक्षित जगह और क्या हो सकती है भला! आव देखा न ताव,निकल पड़े तिनकों की तलाश में ।

कहाँ कहाँ मारे फिरे, तब जाकर तिनके इकट्ठा हो पाए । एक एक तिनका पतली और छोटी सी चोंच में इतनी बार लाना,फिर उन्हें यथास्थान रख कर घोंसले को वास्तविक स्वरूप देना,दोनों परेशान थे।आज सातवीं बार सूरज निकला, तो उनका काम पूरा हुआ । गौरैये ने अंदाजा लगाया कि अब दो बार जब सूर्य निकलेगा तब तक शायद प्रसव का समय आ जाये ।

उनका अंदाजा सही सावित हुआ । वे दो दिन उन दोनों पर बहुत भारी पड़ रहे थे । हमेशा डर बना रहता कि घर का मालिक या कोई और जीव उनके छिपा कर बनाये घोंसले को नष्ट न कर दे । लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ । नियत समय पर गौरैये ने अंडे दिए ।अब चिड़ा और गौरैया दोनों की खुशियां अपने चरम पर थीं कि चलो प्रसव तो निर्विघ्न पूर्ण हुआ ।कभी कभी प्रसव काल में इतनी बाधाएं भी आई थीं जिनकी याद से वे दोनों सिहर उठते थे । अब समस्या थी,अंडों की सुरक्षा । दोनों ने तय किया कि उनमें से एक खाने का जब इंतजाम करने जायेगा तब दूसरा पहरे पर रहेगा । हालांकि दोनों जानते थे कि बड़े जीवों के सामने भला उनका क्या अस्तित्व । लेकिन प्रतिरोध तो कर ही सकते थे । दोनों ईश्वर से मनाते कि सिलसिले वैसे ही चलें,जैसा उन्होंने सोचा है । अब प्रतिदिन गौरैया अपने छोटे छोटे पंख के नीचे अंडों को सेती रहती और चिड़ा दाने की खोज में यहां वहां भटकता और दाना लाकर गौरैया को खिलाता । दस बार सूरज निकलने के बाद जब अंडे फूटे,तो उन दोनों की खुशी सातवें आसमान पर थीं । चारों अंडों से बच्चे सही सलामत बाहर आ चुके थे । उनके पंख तो अभी खुले नहीं थे,लिहाजा,गौरैया जब कहीं दाना पाती, उड़कर आती और एक बच्चे की चोंच में डाल फिर उड़कर दाने की खोज में जाती और फिर दूसरे झ तीसरे चौथे तक ये सिलसिला चलता रहता । उसके बाद ही कहीं उसे अपने लिए दाने की फिक्र होती । माँ का दिल भला अपने भूख प्यास की परवाह करता है क्या ?अब गौरैया को इंतजार था बच्चों के पर निकलने का।

अकस्मात एक दिन उसके पंखों से वहां रखा रंग का एक डब्बा उलट गया और उन बच्चों के बदन के कुछ हिस्से रंगीन हो गए । गौरैये ने इसे देखा पर कुछ कर पाना उसके वश में तो था ही नहीं हाँ उन बच्चों की एक पहचान अलग सी हो गई थी रंगीन सी,जो उसे भी अच्छी लगती थी । पांच छः बार सूरज और निकला कि उन बच्चों के पंख पूरी तरह निकल आये । उन्हें थोड़ा थोड़ा उड़ना सिखाया गौरैये ने । अब बच्चे उड़ सकते थे ।

सिलसिला यूं ही चलता रहा ।अब बच्चे खुद उड़ने के लायक हो चुके थे। अगली सूरज की किरणों के साथ गौरैये ने देखा,घोंसला खाली हो चुका था । वो बच्चे जिनके लिए वो दाना लाती,जिन्हें उड़ना सिखाकर खुश होती वो पंखों के मिलते ही सदा के लिए उससे दूर हो चुके थे । कभी वो प्रसव के पूर्व पलों को याद करती,कभी तिनका तिनका चुन लाये घोंसले के निर्माण करने की खुशी को । एक एक दाना उनके लिए लाने की पुरानी यादें उसके अंतर्मन को बींध जातीं ,अभी कुछ समय पहले तो सब साथ थे आपस में बातें करते समय व्यतीत कर रहे थे । दोनों अतीत को याद करते और आंखों से झर झर आंसू बहाते ।

समय के भी पंख होते हैं । यह अपनी अविरल गति से चलता ही रहता है । दिन गुजरते गए । अब गौरैया का वह जोड़ा फिर अकेलेपन की त्रासदी से जूझ रहा था । शरीर के संचालन के लिए पेट भरना जरूरी होता है । खाना तो लेने की जुगत बनानी ही होगी,गौरैया दूर दूर तक उड़कर जाती,कहीं कोई अन्न का दाना दिख जाए जिससे वह अपनी भूख मिटा सके । एक दोपहर जब गौरैया खाने की तलाश में उड़ रही थी उसने धान के खेत के बाहर अनाज का एक दाना गिरा देखा । गौरैया उड़कर वहां पहुंच गई । आज उसे कहीं दाना नहीं मिला था बहुत भूखी थी वह । उस दाने को खाने के लिए अपनी चोंच में डालने ही जा रही थी कि उसकी नजर सामने उसी दाने पर झपटते दूसरे गौरैये पर पड़ी । और उसने तक्षण उस दाने से अपनी चोंच हटा ली । दूसरी गौरैये ने दाना अपनी चोंच में डाला और फुर्र हो गई । गौरैया सूनी पर भरी भरी सी आंखों से उसे उड़ती देखती रही । क्योंकि उसने देख लिया था कि उस दूसरी गौरैये के पंख उसी रंग से रंगे हुए थे जो महीनों पहले उसकी गलती से उलट गया था ।

प्रेरणा गीत

तू फर्ज अपना जानकर।
हर हाल में मतदान कर।
सौ फीसदी हो कोशिशें,
सौ फीसदी मतदान कर।

इतिहास तुम नूतन बना
संसार को हैरान कर।
पहले पहल ही वोट दे,
फिर बाद में जलपान कर।
हर हाल में मतदान कर।

जनतंत्र को मजबूत कर,
सरकार का निर्माण कर।
सब शक्ति तेरे पास है।
कानून का गुणगान कर।
हर हाल में मतदान कर।

हर वोट होता कीमती,
हर वोट की पहचान कर।
हर वोट का उपयोग कर
ऊँची अपनी शान कर।
हर हाल में मतदान कर।

बिनोद बेगाना

जिंदगी

कंचन सिंह

ये जो जिंदगी है,ठहरती कहां है?
नदी सी बहती है ये-
कभी पत्थरों को काटकर,
कभी रेत पर फिसल कर।

कभी गहरी तो कभी संकरी
कभी घने जंगल में अकेली ,
कभी शहर की भीड़ को चीर कर।
कभी बर्फ सी सफेद
कभी काली कालिख सी मैली।

कभी लिए साथ श्रद्धा के सुमन,
कभी किसी के अरमानों का कफन।

ना मंजिल का ठिकाना है,
अपना रास्ता खुद बनाना है।

एक दिन समुद्र में मिलकर,
अपना अस्तित्व भी मिटाना है,
फिर भी बहते जाना है।

ये जो जिंदगी है ठहरती कहाँ है?

कार वाली मेड

सविता गुप्ता

दीपावली पर इस बार निज गृह में नहीं रहने की कसक लिए हम अमेरिका बेटे के निज गृह में नवजात पोते के संग दीपोत्सव मनाने आए थे।बच्चों के बीच आनंद की अनुभूति से ओत प्रोत भिन्न परिवेश में हर्षोल्लास से दिन बीत रहे थे।

चलो अच्छा है इस बार घर की साफ सफाई के झंझट से बच गए वरना घर का कोना कोना चमकाने के चक्कर में हालत पस्त हो जाती। ऊपर से मेड के नखरे सहो सो अलग। जिस दिन बोलो कि कल जरा साफ सफाई में हाथ बँटा देना उस दिन मेमसाब गच्चा दे देती।राह तकते तकते खुद ही जाला साफ करने वाले लंबे डंडे लेकर उचक -उचक कर झोल अरे वही जाले साफ करते और सारा दिन मन भर मेड को कोसते।इन बातों की चर्चा बहु बेटे से कर ही रही थी कि डोर बेल बज उठा बहु ने कहा मेड होगी।मेरे मुँह से आश्चर्य मिश्रित चीख निकल पड़ी।मेड यहाँ अमेरिका में?मन ही मन मारे खुशी के फूल झड़ी फूट रहे थे कि चलो बस यहाँ इनकी ही कमी खलती थी ,वह भी अब उपलब्ध है।

हाँ ,मम्मी क्लीनिंग के लिए बुलाया है। उत्सुकता वश बहु के साथ -साथ दरवाजे तक चली गई मेड को देखने मानो कोई विशेष अतिथि आया हो ।देखा तो घर के सामने कार खड़ी थी जिसमें से एक महिला गोरी चिट्टी,जींस पैंट,जैकेट पहने कुछ उपकरण उतार कर ला रही थी।वह किसी एंगल से मेड नहीं प्रतीत हो रही थी।घर में प्रवेश करते ही मधुर मुस्कान से उसने सबको हाय हैलो किया और लग गई काम पर दो घंटे में वह घर के बाथरूम से लेकर किचन और हर कमरे की साफ सफाई इतने मनोयोग से कर रही थी ,जिसे देख मैं मन ही मन उसकी तुलना भारतीय काम वालियों से करने लगी ।एक ये हैं कितने ढंग से सारे घर को चकाचक कर दिया ।काँच की खिड़कियों को भी सीढ़ी लगा कर चमका दिया।बिना किसी टोका टाकी के और एक हमारी वाली हैं जिन्हें दस दफा टोकने पर भी करना वही है जो वो चाहें।ख़ैर, अब मन में सवाल कुलबुला रहा था कि बहु से पुछे कि ये दो घंटे का कितना लेगी। उसके जाते ही मैंने तपाक से पूछ लिया रीमा बहु कितना देती हो इसे? मम्मी दो घंटे का सौ डॉलर।

क्या?मेरी आँखें और मुँह दोनों खुले के खुले रह गए।बाप रे ! आठ हजार से भी ज्यादा ये तो पूरा लूट है।घर की सफाई है या जेब की सफाई।इससे तो अच्छा अपना भारत है भई।

कल्याणी झा कनक

आराधना

दिनकर की आराधना, शुचिता सदा महान।
उगते सूरज को नमन, अस्त हुए दिनमान।।

परात, दौरा, सूप, से, सजे हुए बाजार।
घर-घर गेहूँ धुल रहे ,श्रद्धा लिए हजार।।

लोकगीत सुमधुर लगे,मनवा जागे प्रीत।
गाते अंतस भाव में, जीवन का संगीत।।

माता षष्ठी की कृपा, अदभुत अपरम्पार।
भक्तों की अति भावना, भव सागर माँ तार।।

महापर्व शुभ आस्था, घर मन में विश्वास।
हर युग की गाथा कहे, होगी पूरी आस ।।

गजल

ज़िंदगी के आइने में फर्क है
या हमारे देखने में फर्क है

भोर हो या दोपहर या शाम हो
धूप के भी कायदे में फर्क है

अंजू केशव

मौसमों की जो हकीकत है उसे
झेलने औ' बाँचने में फर्क है

पी के शब्दों को हुआ मालूम ये
इस नशे और उस नशे में फर्क है

हाँ! समंदर से ही मिलती है नदी
पर नियति और फैसले में फर्क है

एक पौधा और होता घाव इक
और दोनों के हरे में फर्क है

खो वजूद अपना समझ आया हमें
क्या हुजूम और काफिले में फर्क है।

काव्य कोना

प्रतीति

किताबों के पन्नों की तरह हम
उलटते-पलटते रहे
रटने का विषय न था,आप रटते रहे।

बादलों के बीच में हम लकीरें बनाते-मिटाते रहे
आसमां में आप आशियाँ बनाते रहे।

सागर की लहरों पर हम आते जाते रहे
किनारे पर आप रंगोली बनाते रहे।

पत्तों के तन छू कर हम बहते रहे
हवा के झोंकों पर आप सरगम सजाते रहे।

साजो पर धुन बनके हम थिरकते रहे
बोल बन के आप गुनगुनाते रहे।

नाग मणि

यात्रा रामेश्वरम की

गीता सिन्हा गीतांजलि

रामायण में कथा के अनुसार, रावण-वध के पश्चात राम वापस अयोध्या लौटना चाहते थे। श्रीलंका से सेतु मार्ग से होकर रामेश्वर के पास समुद्र किनारा पर उतरे। शिवभक्त, विद्वान, कई भाषाओं का ज्ञाता रावण के मारे जाने पर स्वयं राम पश्चाताप में डूब गए थे। अब उनके पास जगत जननी सीता तो थी, लक्ष्मण जैसा भ्राता तो थे लेकिन युद्ध के पश्चात होने वाला दुख भी साथ था। अपना मन शांत करने के लिए शिव - आराधनाका मन बनाए। राम भक्त हनुमान को आज्ञा प्रदान किए शिवलिंग लाने के लिए। शिव पूजन का एक शुभ मुहूर्त था जो निकला जा रहा था। माता सीता ने समुद्र के बालू से शिवलिंग बना डाली। राम पूजन की तैयारी कर रहे थे तभी हनुमान राम द्वारा निर्देशित शिवलिंग लेकर आ गए। अब राम हनुमान के मान रखने के लिए, शिवलिंग की स्थापना कर अर्चण - पूजन प्रारंभ कर दी। अतः वहाँ रामेश्वरम में दो-दो शिवलिंग साफ देखे जा सकते हैं। रामेश्वरम का शिव मंदिर दिव्य, भव्य और पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। विश्व का सबसे बड़ा कोरिडोर इसी मंदिर में है।

समुद्र का किनारा, बड़ी बड़ी लहरियों का जमावड़ा, समुद्र की हा.. हा... हा... हा.. हा... करती आवाजें। कभी श्वेत, कभी काली रंग में उमड़ती लहरियाँ। समुद्र आकाश की तरह रंग बदलता है। अगर आकाश बादलों से भरा हो तो समुंदर का रंग भी बदलियों जैसा ही दिखता है। अगर आकाश में खिला- खिला चाँद हो, तारों की टिमटिमाहट हो तो समुंदर में वही आकाशी दृश्य ज्यों की त्यों उतर आता है। हाँ हवा इस दृश्य को झकझोर कर रख देती है। चाँद थरथराता है तारे एक-दूसरे से उलझ जाते हैं चाँदनी बिखर बिखरकर, चूर्ण हो होकर लहरियों में समा जाती है। या यों कहें उजली काली चट्टानें चकनाचूर होकर लहरियों में समाती जाती है। समुद्र के किनारे का वह हिस्सा जहाँ रामायण काल में राम - विभीषण की भेंट हुई थी। वहीं समुद्र के जल से विभीषण का जलाभिषेक कर राम ने उन्हें श्रीलंका का राजा बना दिया था। वहीं समुद्र के किनारे बैठकर राज्यारोहन की प्रक्रिया पूरी की गई थी। लोग बताते हैं विभीषण से राम पहली बार यहीं मिले थे। उन्हें मित्र पुकार कर राम ने उन्हें अपना बना लिया था। हम घूमते- घूमते उस जगह पर पहुँच गए थे जहाँ रामायण काल की यह घटना घटी थी। आज भी उस स्थान से लंका दिखाई पड़ता है। आज भी उमड़ते हुए समुद्र के बीच श्रीलंका की धरती उठती हुई सी प्रतीत होती है। हम लौट चले थे, जब गाड़ी वाला ने एक स्थल पर गाड़ी रोक दी। यह है - 'धनुषकोडी' जहाँ हम पत्थर पर पड़े बड़े - बड़े पदचिन्हों को देखी। मैं आश्चर्य में डूब गई, किसके हो सकते हैं पदचिन्ह ? महामानव? रामायण में वर्णित रामदूत हनुमान या स्वयं राम के? वहाँ फोटोग्राफी मना की गई थी। अतः कोई फोटो भी नहीं है हमारे पास। बस मंदिर जैसा एक एहसास और पूजन जैसी एक भावना।

गाड़ी कुछ आगे बढ़ी। गाड़ी वाला बोला - कहते हैं यहीं रामायण काल में राम ने श्री लंका पर चढ़ाई करके रावण को युद्ध के लिए ललकारा था। विभीषण के बताए गए इशारे से राम ने रावण के नाभि का अमृत सोंखकर मार डाला। कई राक्षसों का वध किया गया। लंका पर विजय प्राप्त कर सीता के साथ जब अयोध्या लौट रहे थे ब्राह्मणों ने राम को स्नान के लिए कहा। ब्राह्मण हत्या के पाप से मुक्ति के लिए यज्ञ का प्रारंभ हुआ। मैं देखी समुद्र के किनारे रामकुंड, लक्ष्मण - कुंड ये सब स्थान संरक्षित हैं । शायद यहीं राम ने स्नान किया होगा। यहां इस कुंड में सीता स्नान की थी। यहाँ इस कुंड में लक्ष्मण। कुंड के पास एक व्यक्ति कई तरह के पत्थर जमा किया था। वह आने वाले लोगों को तैरने वाला पत्थर को दिखा रहा था। ये पत्थर खोखले थे और बड़ा सा जल भरा टब में तैर रहे थे। पानी में डूब नहीं रहे थे। ऐसे कई पत्थर जिसका रंग मटमैला, थोड़ा सा लाल मिट्टी सा था, समुद्र के किनारे जहाँ - तहाँ पड़े थे। कहते हैं राम ने अपनी बंदर भालू की सेना के द्वारा इन्हीं पत्थरों के सहारे सेतु बनाया था। रामसेतु आज भी समंदर में दिखाई पड़ता है। समुद्र के जल बढ़ने - घटने से इसका अस्तित्व नहीं मिटता। सदियों से रामसेतु हमारा विश्वास का केंद्र रहा है। जब बुराई पर विजय प्राप्त करने के लिए सत्य के प्रतीक बने राम लंका पर चढ़ाई की थी। समुद्र मार्ग बना लंका तक पहुंचे थे।

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत, सुझाव या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें article.rnmail@gmail.com कॉल/व्हाट्सएप 82925 53444। -संपादक

आज का दोहा

यदि उन्नत होता नहीं, मन का यह संसार।
सब समान हैं अर्थ में, बाड़ा, भेड़ , विचार।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

अनमोल रिश्ते

-पद्मा मिश्रा

कल स्वाति आ रही है,। पूरा घर चहल पहल में डूबा हुआ है। अम्मा जी के पैर तो धरती पर ही नहीं पड़ रहे,,स्वाति की पसंद की खाने पीने की चीजों की तैयारी हो रही है। और मुदिता,घर की इकलौती बहू को फुर्सत नहीं कि वह फ्रेश होकर सुबह की चाय भी पी सके,बस मशीन की तरह किचन में व्यस्त है तड़के सुबह से ही,। परसों रक्षाबंधन है न,इकलौते भाई की अकेली बहन, सबको प्रतीक्षा रहती है उसके आने की। परसों मनीष ने छुट्टी ले ली है,क्योंकि विदेशी कंपनी होने की वजह से राष्ट्रीय छुट्टियों को छोड़कर और कोई छुट्टी नहीं होती। मुदिता बस दौड़ती रहती है घर आंगन,, एक दूसरे की सुविधाओं का ख्याल रखती, जरूरी चीजों की व्यवस्था, लेनदेन की जिम्मेदारी सब कुछ मुदिता के ऊपर ही है। दोनों बच्चों को स्कूल के लिए तैयार करना, स्कूल छोड़ना,लौटते समय सब्जियां खरीद कर ले आना,और फिर उसकी खरीददारी पर घंटों अम्मा जी के प्रवचन सुनना।

मुदिता भी चाहती है अपने मायके जाना, दोनों छोटे भाइयों को सामने बैठा कर राखी बांधने का सुख जीना चाहती है,,पर विवाह के बाद ये कभी संभव नहीं हुआ,,बस कभी आनलाइन या कभी स्पीड पोस्ट से राखी भेजकर संतुष्ट हो लेती है,। आज की तकनीकी दक्षता ने भले ही यह ,सभव बना दिया है कि वह मोबाइल में अपने भाइयों को देख सकती है, लेकिन उनके स्नेहिल स्पर्श और अहसास की अनुभूति वह कभी नहीं कर पाती,। उन्हें गले लगाकर ढेरों आशिर्वाद देने की लालसा, अतृप्त ही रह गई। पिता के जाने के बाद अकेली मां के लिए भी वही मनोबल और जिजीविषा की कड़ी है। कभी कभी उसे लगता है कि मां के प्रति वह अपने कर्तव्य नहीं निभा पाती,क्या एक बेटी होने के नाते,?? हर बार स्वाति के आने की तैयारियों में जुटी मुदिता खुद से सवाल करती है... क्या मुझे हक नही??... पर कोई जवाब नहीं होता। दबंग अम्मा जी के उत्साह और आदेश की अवहेलना वह नहीं कर पाता।,बेटी के लिए उनके ममत्व को वह बखूबी समझती है, इसलिए अक्सर चुप रहती है और चुपचाप अपने काम पूरे करती रहती है। अपनी यादों में खोई मुदिता की तद्रा भंग होती है टेलिफोन की कर्कश आवाज से,अम्मा जी पूजाघर में है और पति मनीष आफिस में। वह दौड़ कर फोन उठाती है,उधर से मनीष की आवाज सुनाई पड़ी... मृदु ! जल्दी से तैयारी करो, मायके जाने की , मां जी आई सी यू... में है, दोनों भाई अकेले हैं, सुबह ही छाती में दर्द था,पड़ोसी शर्मा जी ने भर्ती करा दिया है,,सुबह एक गाड़ी आयेगी तुमको लेने,जल्दी करो,। मैंने सारी व्यवस्था कर दी है..वह लड़खड़ा गई, आंसू आंखों में बह आये थे।तभी मनीष ने कहा*अम्माजी को फोन देना।वह दौड़ कर उनको बुला लाई,,पता नहीं मनीष ने क्या कहा उनसे कि वह घबराकर बोली,जल्दी तैयार हो जाओ बहू।मुदिता ने जल्दबाजी में दो चार कपड़े रखे और तैयार हो गई।बाहर गाड़ी हार्न दे रही थी।मुदिता का दिल घबराहट में न जाने कितने अनाप-शनाप बातें सोच रहा था,, गाड़ी में बैठी हुई मुदिता स्तब्ध थी,साथ ही पीछे छोड़ आए कामों की चिंता भी थी, बच्चों को भी नहीं बता पाई,,पता नहीं कैसे सब करेंगी अम्मा जी?,, फिर मां के विषय में सोचती, *अकेले वह कैसे संभालेगी मां को?, अचानक क्या हो गया,मेरे दोनों भाइयों का क्या होगा? फिर अपनी गलत सोचों को परे धकेल देती,,नहीं नहीं,ये मैं क्या सोच रही हूं?तभी रेलवे स्टेशन आ गया और सामने ही मनीष मिल गये। उसे टिकट थमाते हुए बोले, आराम से चार पांच दिन तक रुक जाना,जब तक मां की हालत संभल नहीं जाती। और एक बड़ा सा बैग थमा दिया,,लो,इसे संभालो, तुम कुछ जरूरी सामान घर भूल आई थी.. ट्रेन आई और वह बैठ गई,,वह चुप थी, केवल मनीष बोले जा रहे थे. बच्चों की चिंता मत करना, मैंने छुट्टी ले ली है, ट्रेन आगे बढ़ गई।

शाम को कानपुर पहुंच कर उसने आटो किया और घबराती हुई घर पहुंची,,गेट से ही भागते हुए घर में घुसी तो सामने जो दिखा,,वह चकरा कर वहीं सोफे पर बैठ गई,, सुखद आश्चर्य!! मां तो बिल्कुल ठीक थी,वह दौड़ कर उनके गले लग गई*मां तुम्हारी तबियत कैसी है,, तुम तो आइसीयू में.. अरे नहीं, मैं बिल्कुल ठीक हूं,कल से ही सुजय,विनय जिद कर रहे थे कि इस बार दीदी के हाथों से राखी बंधवायेंगे*और शाम तक मनीष जी को फोन कर बात भी कर ली,,ये सब मनीष जी का सुनियोजित नाटक था,,स्वाति के आने से तुम बहुत व्यस्त हो गई थी, इसलिए ये सब करना पड़ा, इसमें स्वाति भी शामिल है।

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. **RNI.** 61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, गढ़वा कार्यालय : मेन रोड, गढ़वा-822114, फोन : 9430164580, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : **news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com**
(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

महाराष्ट्र में भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए शुरू हुआ 'वोट जिहाद'

एजेंसी। भोपाल

भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में बुरी तरह से हारें, सभी मुसलमानों के वोट एक मुश्त भाजपा के विरोध में पड़ें, इसके लिए महाराष्ट्र में वोट जिहाद के लिए माहौल तैयार करने की शुरूआत कर दी गई है। पूरे महाराष्ट्र में इस तरह की 400 से ज्यादा स्वयंसेवी संस्थाएं दिन-रात चुनाव में 'वोट जिहाद' के माध्यम से सत्ता में बड़ा फेरबदल करने के काम में लग गई हैं। सिर्फ मुंबई में ही 180 स्वयंसेवी संस्थाओं ने नौ लाख मुस्लिम मतदाताओं को जोड़कर वोटिंग टर्नआउट बढ़ाने का काम पूरा कर लिया है। ये एनजीओ मुस्लिम समुदाय के बीच जाकर भाजपा के विरोध में 'वोट जिहाद' करने के लिए उन्हें विभिन्न मुद्दों के जरिए समझा रही हैं। वहीं, महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड ने महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को समर्थन देने का ऐलान करते हुए मुस्लिमों से एकमुश्त महा अघाड़ी को वोट देने को कहा है। साथ ही इस संबंध में उलेमा बोर्ड ने शरद पवार, उद्धव ठाकरे और नाना पटोले को पत्र लिखा है। महाराष्ट्र में मस्जिदों से भी भाजपा को हराने की अपील की जा रही है।

Reg.No.: GBBSD/181/2022

मराठी मुस्लिम सेवा संघ

(संपूर्ण महाराष्ट्रातील विविध सामाजिक कार्यरत संस्थाचा संघ)

MARATHI MUSLIM SEVA SANGH

(Federation of Maharashtra Muslim NGO's)

MMSS

Central Office : Empire Bldg., 1st Flr., Office No. 41, Dr. D. N. Road, Fort, Mumbai - 400 001. Mob.: 98696 09346

Mob.: 8928626844 • Email marathimuslimsevasangh@gmail.com • Website : MarathiMuslimSevaSangh.org

Faquir Mohd. Thakur – President
Haji Ibrahim Gulam Nabi shaikh – Chairman Managing Committee
Dr. A. R. Khan – V. P. - Vidharbha
Nuruddin Naik – V. P. - Kokan
Moiz K. Shaikh – V. P. - Marathwada
Ismail Abbas Samdule – V. P. - West Maharashtra
Nisar Baig Mohd. Baig Mirza – V. President - Khandesh
Shabbir Hussain A. R. Shaikh – V. P. - Mumbai
Capt. Akbar M. Khalape – General Secretary
Hanif I. Modak – Treasurer
Abdul Rashid Solkar – Office Secretary
Dr. Musadiq Mirajkar – Secretary
Zuber Sayyed – Secretary
A. Jabbar A. Karim Shaikh – Jt. Secretary
Kamal M. Mandlekar – Organizing Secretary - Kokan
Mohammed Afzal – Organizing Secretary - Vidharbha
Imtiyaz Amuddin Mankar – Organizing Secretary - West Maharashtra
Asif Aziz Nachan – Organizing Secretary
Dr. Iqbal Minne – Chief Organizing Secretary - Marathwada
Ibrahim A. Khan – Chief Organizing Secretary - West Maharashtra
Shabbir Momin – Organizing Secretary
Zuber Ali Khan – President - South Mumbai
Fayaz Parkar – President - Navi Mumbai
Sarfaraz Ahmed Hajju – Secretary - Navi Mumbai
Dr. Abbas Jabale – Organizing Secretary - Ratnagiri District

ऐ ईमान वालो जरा सोचो

क्या आप देश के संविधान, देश और महाराष्ट्र की एकता और अखंडता के खातीर अपने मत का अधिकार सही उपयोग करोगे ?

- क्या आप शरियत मे दख़ल अंदाज़ी करने वाले को वोट करोगे ?
- क्या आप सैंकड़ों बे-गुनाह मुसलमानों की लिंचिंग करवाने वालो को वोट करोगे ?
- क्या आप मुसलमानों से अलीगढ़ छीनने वालो को वोट करोगे ?
- क्या आप मुसलमानों पर समान नागरिक संहिता थोपने वालो को वोट करोगे ?
- क्या आप मदरसो को खत्म करने का इरादा रखने वालो को वोट करोगे ?
- क्या आप वक्फ के खिलाफ़ वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप हमपर सीएए, एनआरसी थोपने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप हमारी बेटीयो के सरों से हिजाब खींचने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप गुस्ताके रसुल के साथ खडे होनेवाले पार्टीओं को वोट करोगे ?
- क्या आप मस्जिद में घुसके मारनेवाले के साथ खडे होनेवाले पार्टीओ को वोट करोगे ?
- क्या आप हम मुसलमानों के खिलाफ नफरत फैलाने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप बिलकीस के बलात्कारियों को छोड़ने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप बेकसूर मुस्लिम नौजवानों को बगैर सुनवाई जेल मे डालने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप १७ लाख मुसलमानों के बच्चो की स्कॉलरशिप बंद करनेवालों को वोट करोंगे ?
- क्या आप हमारे उल्माओं पर झूटे मुकदमे करने वालों को वोट करोगे ?
- क्या आप बुल्डोज़र से हमारे मुसलमानो की बस्तियां उजाड़ने वाले को वोट करोगे ?
- जरा सोचो अगर ऐसा करोगे तो आप मे ओर मुनाफीको मे क्या फर्क रह जाएगा ?

हम आपसे बिनती करते है की, होनेवाले ईस इलेक्शनमें **महाविकास आघाडी** को अपना किंमती वोट देकर कामयाब बनाइए ।

आपला स्नेहांकित,
(फकीर मोहम्मद ठाकूर)
अध्यक्ष - मराठी मुस्लिम सेवा संघ

मराठी मुस्लिम सेवा संघ का पत्र

इस संबंध में 'मराठी मुस्लिम सेवा संघ' के सामने आए पत्र ने सभी को चौंकाया है। यहां मराठी मुस्लिम सेवा संघ के पत्र में मुसलमानों से अपील करते हुए पूछा जा रहा है कि क्या आप सैकड़ों बेगुनाह मुसलमानों की लिंचिंग करवाने वालों को वोट करोगे? क्या आप मुसलमानों से अलीगढ़ छीनने वालों को वोट करोगे? क्या आप मुसलमानों पर समान नागरिक संहिता थोपने वालों को वोट करोगे? क्या आप मदरसों को खत्म करने का इरादा रखने वालों को वोट करोगे? क्या आप वक्फ के खिलाफ वालों को वोट करोगे? क्या आप हम पर सीएए, एनआरसी थोपने वालों को वोट करोगे? क्या आप हमारी बेटियों के सिरों से हिजाब खींचने वालों को वोट करोगे? क्या आप मस्जिद में घुसके मारने वाले के साथ खड़े होने वाली पार्टियों को वोट करोगे? क्या आप बुलडोजर से हमारे मुसलमानों की बस्तियां उजाड़ने वालों को वोट करोगे? अतः महाविकास अघाड़ी को अपना कीमती वोट देकर कामयाब बनाइए।

लोकसभा चुनाव में हो चुका है प्रयोग

इससे पहले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए मौलानाओं द्वारा मुस्लिमों से अपील किया जाना सामने आया था। वहीं, इस दौरान मराठी मुस्लिम सेवा संघ, महाराष्ट्र डेमोक्रेटिक फोरम जैसे अनेक एनजीओ की मुस्लिम लामबंदी में अहम भूमिका निभाने की जानकारी सामने आई थी। यही सब इस बार भी दोहराया जा रहा है।

उलेमा निभा रहे महत्वपूर्ण भूमिका

दरअसल, इस संबंध में सोशल मीडिया पर वायरल हुए कई वीडियो बता रहे हैं कि कैसे मुस्लिमों को भाजपा के खिलाफ भड़काया जा रहा है। हर बार की तरह, इस बार भी मजहबी उलेमा इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, जो अपने अनुयायियों को विशिष्ट उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान करने की सलाह दे रहे हैं।

स्मृति इरानी ने दिया जवाब

प्रियंका के जवाब पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने विपक्ष पर कड़ा प्रहार किया है, उन्होंने कहा है कि जो लोग वोट जिहाद का आक्रमण देश के लोकतंत्र पर कर रहे हैं, ये लोग कहां थे जब तीन तलाक से पीड़ित महिलाएं न्याय मांग रही थीं? ये कहां थे जब गरीब मुसलमान नौजवान शिक्षा सुविधा मांग रहे थे? वोट जिहाद कहकर वोट मांगने वाले लोकतंत्र की शक्ति को नहीं मानते, आज ऐसी सभी साजिशों का पदार्फाश हो रहा है।

वोटों का हो रहा धुर्वीकरण : किरीट सोमैया

इस खुलासे के बाद भाजपा का आरोप है कि पूरे मामले में वोटों का ध्रुवीकरण किया जा रहा है। भाजपा नेता किरीट सोमैया ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर इस संस्था और इस प्रकार की कई संस्थाओं के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की है। उन्होंने कहा, मैंने धार्मिक भावनाएं भड़काने के खिलाफ चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है, साथ ही मैंने मुसलमानों को भड़काने और धार्मिक अभियान चलाने के लिए मराठी मुस्लिम सेवा संघ और ऐसे अन्य गैर सरकारी संगठनों के खिलाफ मुलुंड पूर्व पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

बचाव में उतरी प्रियंका चतुर्वेदी

दूसरी ओर भाजपा के लगाए आरोपों पर सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का कहना है कि यदि कोई एनजीओ महाविकास अघाड़ी (एमवीएम) को वोट देने के लिए प्रेरित कर रहा है तो इसमें गलत क्या है? सभी लोग वोट मांगने जाते हैं। प्रियंका का दावा है कि आज संविधान और देश खतरे में है, इसलिए जिसे जहां सुरक्षित लगता है वह वहां वोट देंगे, भाजपा सिर्फ हिन्दू-मुस्लिम कर नफरत फैला रही है।

भाजपा को हराने के लिए फेक वोटर आईडी और घुसपैठियों का सहारा

दूसरी ओर मुंबई की प्रतिष्ठित टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) में हाल ही में किए गए एक अध्ययन ने उजागर किया है कि महाराष्ट्र में रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों का प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कुछ राजनीतिक संस्थाएं वोट के लिए अवैध अप्रवासियों का धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रही हैं। बिना दस्तावेज वाले अवैध अप्रवासी भी फेक वोटर आईडी हासिल कर पा रहे हैं। ये सब भी महाराष्ट्र में भाजपा को सत्ता से दूर रखने के लिए सक्रिय दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली के वायु प्रदूषण में अभी सुधार नहीं, 363 रहा औसत एक्यूआई

एजेंसी। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का वायु प्रदूषण लगातार बरकरार है। यहां की दमघोंटू हवा से अभी लोगों को निजात नहीं मिल रहा है। शनिवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 363 दर्ज किया गया, जो बेहद खराब श्रेणी में माना जाता है। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में शनिवार सुबह 6:15 बजे तक औसत एक्यूआई 363 अंक बना हुआ है। जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 226, गुरुग्राम में 263, गाजियाबाद में 296, ग्रेटर नोएडा में 284 और नोएडा में 266 एक्यूआई बना हुआ है। वहीं, राजधानी दिल्ली के चार इलाकों में एक्यूआई लेवल 400 से ऊपर बना हुआ है, जिसमें बवाना में 412, न्यू मोती बाग में 410, रोहिणी में 407 और विवेक विहार में 403 एक्यूआई दर्ज किया गया। दिल्ली के अधिकांश इलाकों में एक्यूआई लेवल 300 से ऊपर 400 के बीच में बना हुआ है। अलीपुर में 388, आनंद विहार में 397,आया नगर में 353, मथुरा रोड में 340, डॉ करणी सिंह शूटिंग रेंज में 388, द्वारका सेक्टर 8 में 365, आईजीआई एयरपोर्ट में 339, आईटीओ में 360 और जहांगीरपुरी में 393 एक्यूआई दर्ज किया गया। इसके अलावा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 340, लोधी रोड में 326, मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 390, मंदिर मार्ग में 370, मुंडका में 383, नजफगढ़ में 369, नरेला में 392, राजेंद्र नगर में 395, एनएसआईटी द्वारका में 369, पटपड़गंज में 390, पंजाबी बाग में 400, आरके पुरम में 377, पूषा में 333, शादीपुर में 389, सिरी फोर्ट में 371, सोनिया बिहार में 393 और वजीरपुर में 400 एक्यूआई बना हुआ है। बता दें कि इससे एक दिन पहले केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह 7:30 बजे तक औसत एक्यूआई 383 दर्ज किया गया था।

तेजस्वी के घर का नोट बंद हो गया नोटबंदी पर श्रद्धांजलि दी : अश्विनी चौबे

एजेंसी। बक्सर

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं दिग्गज भाजपा नेता अश्विनी चौबे ने शनिवार को बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के नोटबंदी वाले बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी। बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शुक्रवार को नोटबंदी पर भाजपा को घेरा था। उन्होंने एक्स पर कहा था कि मैं नोटबंदी के कारण मारे गए सैकड़ों लोगों को श्रद्धांजलि देता हूं। पूर्व केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे एक दिवसीय दौरे पर बक्सर में हैं। इस दौरान उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि तेजस्वी ने नोटबंदी पर श्रद्धांजलि इसलिए दी, क्योंकि उनके घर का नोट बंद हो चुका है। हालांकि अभी भी उनके घर में कुछ नोट बचा हुआ है और जब अंतिम नोटबंदी होने के बाद वो श्रद्धांजलि देंगे तो आनंद आएगा। भाजपा नेता ने आगे कहा कि आज भाजपा के नेतृत्व में देश तीसरी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। ये लोग अर्थशास्त्र के जानकार नहीं है। झारखंड में चुनाव लड़ने के बयान पर उन्होंने कहा कि उनके दांत खट्टे हो जाएंगे। इंडी गठबंधन के लोगों की जगह जनता में नहीं, बल्कि जेल में है।

नाना पटोले की चिट्ठी पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

एजेंसी। नई दिल्ली

महाराष्ट्र चुनाव के दौरान कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की चिट्ठी ने बवाल मचा दिया है। ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड को लिखी चिट्ठी के जवाब में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने उनकी मांगों के समर्थन के आश्वासन में जो चिट्ठी लिखी, उस पर भारतीय जनता पार्टी ने इंडी गठबंधन को घेरते हुए इसे देश को बांटने वाला कदम बताया है। शनिवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी प्रवक्ता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह बड़ा गंभीर विषय है कि कांग्रेस वोट बैंक के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। 7 अक्टूबर को ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड की तरफ से महाराष्ट्र कांग्रेस को समर्थन देने के लिए 17 मांगे रखीं, जिसमें वक्फ बिल का विरोध, मुसलमानों को नौकरियों ओर शिक्षा में 10 फीसदी का आरक्षण, पुलिस भर्ती में मुस्लिम युवाओं को प्राथमिकता और आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की मांग शामिल है। इसके जवाब में महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने मांगों का समर्थन करते हुए उन मांगों पर विचार करने का भरोसा देते हुए जवाब दिया है। रविशंकर प्रसाद ने इस चिट्ठी पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी से पूछा कि क्या वे इस चिट्ठी का समर्थन करते हैं। रविशंकर ने कहा कि ये देश को तोड़ने वाला बयान है। भाजपा इसकी भर्त्सना करती है। उन्होंने कहा कि धर्म के आधार पर देश में किसी को आरक्षण का प्रावधान नहीं है। संविधान के तहत लिखा है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं मिल सकता।

कांग्रेस मजबूत हुई तो देश मजबूर हो जाएगा: नरेन्द्र मोदी

एजेंसी। मुंबई

भाजपा के शीर्ष नेता एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाराष्ट्र के अकोला जिले में शनिवार को चुनावी जनसभा में कहा कि कांग्रेस मजबूत हुई तो देश मजबूर हो जाएगा। इसके कई उदाहरण देश देख चुका है। इसलिए देश को मजबूत बनाए रखने के लिए भाजपा-नीत एनडीए को मजबूत बनाना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस यह भलीभांति जानती है कि देश जितना कमजोर होगा, वह उतना ही मजबूत होगा लेकिन जब कांग्रेस मजबूत होगी तो देश असहाय हो जाएगा। इसी वजह से कांग्रेस ने विभिन्न जातियों में विभाजन पैदा किया है। हमारी जातियों को एक करो, अगर हमारी जातियां एक नहीं होंगी और आपस में लड़ती रहेंगी तो कांग्रेस हमारा हक छीन लेगी। मोदी ने कहा कि यह उनकी (कांग्रेस) साजिश है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा संविधान निमार्ता डॉ. आंबेडकर का अपमान किया है। उन्हें चुनाव में पराजित किया था। डॉ. आंबेडकर को भारत रत्न तब दिया गया, जब देश में गठबंधन की सरकार थी। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर में डॉ. आंबेडकर का संविधान लागू नहीं किया था। हमने जम्मू-कश्मीर में डॉ. आंबेडकर का संविधान लागू कर अनुच्छेद 370 हटाया।

वरिष्ठ नागरिकों को वय-वंदना आयुष्मान कार्ड मिलना शुरू

भाजपा के वरिष्ठ नेता मोदी ने कहा कि चुनाव के समय 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज का वादा किया गया था। हमारी सरकार ने बुजुर्गों की सेवा के लिए यह योजना शुरू की है। 70 साल से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को वय-वंदना आयुष्मान कार्ड मिलना शुरू हो गया है। इस योजना से सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ-साथ हर वर्ग, हर समुदाय और हर धर्म के वरिष्ठ नागरिकों को लाभ मिलेगा।

देशभक्ति के कारण महाराष्ट्र भाजपा के साथ

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 सालों में महाराष्ट्र ने भाजपा को भरपूर आशीर्वाद दिया है। इसके पीछे महाराष्ट्र के लोगों की देशभक्ति ही मुख्य कारण है। इसके पीछे का कारण राज्य के लोगों की राजनीतिक समझ और उनकी दूरदर्शिता है। हमारी सरकार को केंद्र में आए अभी 5 महीने ही हुए हैं। इन पांच महीनों में लाखों करोड़ों रुपये के प्रोजेक्ट शुरू किये गये हैं। इसमें महाराष्ट्र से संबंधित बड़ी संख्या में बुनियादी ढांचा परियोजनाएं भी हैं। पिछले दो कार्यकाल में हमारी सरकार ने गरीबों के लिए 4 करोड़ पक्के घर बनाये हैं। अब हम गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर बनाना शुरू कर रहे हैं।

लालू परिवार से बिहार में कोई सीएम नहीं बनेगा: विवेक ठाकुर

एजेंसी। पटना

बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के जन्मदिन पर पटना में जगह-जगह आरजेडी कार्यकतार्ओं ने पोस्टर चिपकाया। इसमें तेजस्वी को बिहार का भावी मुख्यमंत्री बताया। भाजपा सांसद विवेक ठाकुर ने इस पर तंज कसा है। उनके मुताबिक ये सपना कभी सच नहीं हो पाएगा। विवेक ठाकुर ने कहा, मुख्यमंत्री बनने का सपना अब सपना ही रह जाएगा। बिहार में लालू प्रसाद यादव के परिवार से कोई मुख्यमंत्री नहीं बनेगा। जनता इन लोगों को अच्छे तरीके से जान चुकी है। तेजस्वी यादव ने दावा किया है कि बिहार की चार विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में जीतेंगे। इस पर भाजपा सांसद ने कहा है कि उपचुनाव में आरजेडी का खाता भी नहीं खुलेगा।

आज का राशिफल

मेष : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपत्ति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा।

वृष : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का मलाल, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा।

मिथुन : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे।

कर्क : सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा।

सिंह : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे।

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा।

तुला : व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी।

वृश्चिक : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें, क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा।

धनु : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी।

मकर : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी।

कुंभ : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी।

मीन : अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है।

समावेशी शिक्षा के गढ़ एएमयू को सांप्रदायिक शरारत के गड्ढे से बचाने की जरूरत : अब्बास नकवी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) का अल्पसंख्यक दर्जा बरकरार रखने के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि कोई इंस्टीट्यूट केवल अल्पसंख्यक ही नहीं बल्कि अनुकरणीय होना चाहिए। एएमयू का अपना शानदार इतिहास है। लेकिन इस शिक्षा के गढ़ को सांप्रदायिकता के गड्ढे से बचाने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि अलीगढ़ विश्वविद्यालय कोर्ट का मेंबर मैं कई बार रहा हूं, अच्छी तरह याद है कि वहां पर सबसे पहले ग्रेजुएशन जिन्होंने किया, वो डॉ. उपाध्याय थे। इसके अलावा आज भी 60 प्रतिशत से ज्यादा मेडिकल और लगभग इतने ही बीटेक में जो छात्र पढ़ाई कर रहे हैं, वो गैर-मुस्लिम या गैर-अल्पसंख्यक हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से एकता कपूर ने की मुलाकात

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी से फिल्म निमार्ता एकता कपूर ने मुलाकात की। इस दौरान फिल्म द साबरमती रिपोर्ट के कलाकार भी मौजूद थे। हरियाणा के सीएम ने इस मुलाकात की जानकारी अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। मुख्यमंत्री ने लिखा, आज हरियाणा भवन में पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित टेलीविजन-फिल्म निमार्ता एकता कपूर, अभिनेत्री राशि खन्ना और रिद्धि डोगरा ने मुलाकात की।

सपा को जनता नहीं करेगी माफ, उपचुनाव में सभी सीटों पर होगी हमारी जीत : ब्रजेश

एजेंसी। लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर भाजपा और सपा के प्रत्याशियों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। दोनों पार्टियों के लिए यह चुनाव काफी अहम है। इस उपचुनाव को सेमीफाइनल के तौर पर देखा जा रहा है क्योंकि 2027 में विधानसभा के चुनाव होने हैं। सपा के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दावा किया है कि वह 9 की 9 सीट जीत रहे हैं। अखिलेश के इस दावे पर पलटवार करते हुए प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा है कि समाजवादी पार्टी के झूठ का पदार्फाश हो चुका है। प्रदेश की जनता ने उन्हें नकार दिया है। भाजपा 9 की 9 सीटों पर जीत हासिल करेगी। उपचुनाव को लेकर हमारी तैयारी पूरी है। नोटबंदी को लेकर समाजवादी पार्टी काला अध्याय मना रही है। इस पर डिप्टी सीएम ने कहा है कि सपा स्वयं के बुने जाल में फंस चुकी है। सपा ने अपराधियों को बढ़ावा देना का काम किया है। जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी।

संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना कुछ लोगों का शगल है: उपराष्ट्रपति

आर्थिक राष्ट्रवाद व्यवसाय के लिए प्रमुख चिंता का विषय होना चाहिए

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करना और लोगों को उपदेश देना तेजी से शगल बनता जा रहा है। उन्होंने आगाह किया कि इस तरह की हरकतें अराजकता का कारण बनती हैं। उपराष्ट्रपति शनिवार को यहां विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रवाद के प्रति अपनी संपूर्णता में अडिग प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। राष्ट्रीयहित को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, चाहे वह पक्षपातपूर्ण हो या अन्य हित। हम देखते हैं कि इसका उल्लंघन आसानी से हो जाता है। आप इस पर विचार कर सकते हैं। आर्थिक राष्ट्रवाद को व्यवसाय के लिए प्रमुख चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि मेरी मामूली समझ के अनुसार इससे कोई राजकोषीय लाभ नहीं होता। यह कितना भी न्यायसंगत क्यों न हो, चाहे वह मात्रात्मक हो या राजकोषीय परिमाण, आर्थिक राष्ट्रवाद से समझौता करने का एक बहाना है। यह राष्ट्र को सर्वोपरि रखने के सिद्धांत के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को नकारता है। आइए हम संकल्प लें कि हम अपने राष्ट्रीय हितों को कभी कमतर नहीं आंकेंगे, चाहे कुछ भी हो जाए। नया भारत आपका स्वागत करने के लिए तैयार

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के चौथे दीक्षांत समारोह में बोले धनखड़

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि एक नया भारत आपका स्वागत करने के लिए तैयार है। यह उस भारत से अलग है, जिसमें मैं बड़ा हुआ। यह उस रास्ते से अलग है, जिस पर छात्रों का पहला बैच आगे बढ़ा था। मुझे यह स्वीकार करना चाहिए कि यह एक यात्रा है। अभी बहुत कुछ करना है। इसलिए आपको हमारे विकास पथ को नियंत्रित और उसका प्रबंधन करना होगा। 2047 में गंतव्य, मध्य-गंतव्य एक विकसित भारत होगा।

मदीना स्थित मस्जिद नबवी के इमाम भारत पहुंचे

एजेंसी। नई दिल्ली

सऊदी अरब के मदीना स्थित मस्जिद-ए-नबवी के इमाम डॉ. अब्दुल्ला बिन अब्दुल रहमान अल बयजान ने रामलीला मैदान में जमीअत अहले हदीस के जरिए आयोजित दो दिवसीय 35वीं अहले हदीस कॉन्फ्रेंस में शिरकत की। मानवता और विश्व के धर्मों का सम्मान के विषय पर आयोजित इस सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने सबसे पहले भारत में अमन, शांति, उन्नति, स्थिरता, अराजकता, फसाद से सुरक्षित रहने की दुआएं कीं। उन्होंने कहा कि आज पूरा विश्व और इस्लामी जगत उम्मीद भरी निगाह से भारत की तरफ देख रहा है। उन्होंने भारतीय मुसलमान का आह्वान किया कि वह इस्लाम की रक्षा और उसके फैलाव के लिए आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि मानवता की रक्षा के लिए पूरा विश्व चिंतित है। इस्लाम में

बिरादरान-ए-हिंद के सुख-चैन के लिए दुआएं कीं

मानवता की रक्षा और उसकी सुरक्षा के लिए हमेशा से प्रयत्न किए हैं। प्यारे नबी साहब से संबंधित कई हदीसें हमारे सामने इस विषय पर मौजूद हैं। सऊदी अरब और उसके शासक शाह सलमान बिन अब्दुल अजीज भी हमेशा मानवता की भलाई और उसकी उन्नति और उसकी रक्षा के लिए प्रयासरत रहते हैं और पूरी दुनिया में इसके लिए हर मुमकिन जद्दोजहद करते रहते हैं। इस मौके पर राब्ता आलम-ए-इस्लामी के उप महासचिव अब्दुल रहमान बिन अब्दुल्ला बिन मोहम्मद अलजाईयान ने भी मानवता के सामने मौजूद चुनौतियों से निपटने का जिक्र करते हुए कहा कि आज इस मंच से मानव जाति की उत्पत्ति, उसकी सुरक्षा और सम्मान की जो बातें की जा रही हैं, वह सराहनीय हैं।

वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टी20 मैचों के लिए टीम की घोषणा

एजेंसी। सेंट जॉन्स

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के पहले दो मैचों के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जो बारबाडोस के प्रतिष्ठित केंसिंग्टन ओवल में होगी। वेस्टइंडीज टी20 टीम घरेलू मैदान पर एक प्रभावशाली ताकत रही है और 2023 से अब तक चार टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में अजेय रही है। इस प्रभावशाली प्रदर्शन ने उन्हें आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में ऊपर पहुंचा दिया है, जो वैश्विक मंच पर उनके पुनरुत्थान को दशार्ता है। हेड कोच डेरेन सैमी ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चुनी गई वेस्टइंडीज टीम ऐसे खेलना जारी रखेगी जो उन्हें मैच जीतने में मदद करे। सैमी ने कहा, 'टी20 टीम हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है, जिसमें कई अनुभवी खिलाड़ी हैं। हालांकि, प्लेइंग 11 को चुनना मुश्किल होगा क्योंकि हर एक खिलाड़ी प्लेइंग 11 में जगह बनाने के लिए चुनौती पेश कर रहा है। चूंकि हमारा सामना इंग्लैंड की बहुत अच्छी टीम से है, इसलिए मुझे पूरा भरोसा है कि चुनी गई टीम इस तरह की क्रिकेट खेलेगी, जिससे हम मैच जीत सकें और यह प्रतिद्वंद्विता श्रृंखला जीत सकें।'

अकील होसेन, शिमरोन हेटमायर, निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल, जो व्यक्तिगत कारणों से हाल ही में श्रीलंका दौरे से चूक गए थे, टीम में फिर से शामिल हो गए हैं, जिससे टीम में गहराई और अनुभव जुड़ गया है। मध्यम गति के गेंदबाज मैथ्यू फोर्ड, जिन्हें हाल ही में श्री लायंस के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, ने तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की जगह ली, जो दो मैचों का निलंबन झेल रहे हैं।

पांच मैचों की टी20 सीरीज 9 नवंबर को बारबाडोस में शुरू होगी। सीरीज का दूसरा मैच 10 नवंबर को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में खेला जाएगा। सेंट लूसिया का डैरेन सैमी नेशनल क्रिकेट स्टेडियम 14, 16 और 17 नवंबर को सीरीज के अंतिम तीन मैचों की मेजबानी करेगा।

इंग्लैंड के खिलाफ पहले 2 टी20 मैचों के लिए वेस्टइंडीज टीम

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेस, मैथ्यू फोर्ड, शिमरॉन हेटमायर, टेरेंस हिंड्स, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, एविन लुईस, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड।

डब्लूपीएल 2025: नीलामी से पहले खिलाड़ियों के चयन के लिए शिविर लगाएगी आरसीबी : रंगराजन

नई दिल्ली(आईएएनएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सहायक कोच-सह-मुख्य स्काउट मालोलन रंगराजन ने खुलासा किया कि फ्रेंचाइजी अगले महीने होने वाली 2025 महिला प्रीमियर लीग (डब्लूपीएल) नीलामी से पहले खिलाड़ियों की पहचान करने और उन्हें शॉर्टलिस्ट करने के लिए शिविर लगाएगी। गत विजेता आरसीबी ने स्मृति मंधाना, एलिस पेरी, ऋचा घोष, सब्बीनेनी मेघना, श्रेयंका पाटिल, जॉर्जिया वेयरहम, आशा सोभना, रेणुका सिंह, सोफी डिवाइन, सोफी मोलिनक्स, एकता बिष्ट, कनिका आहूजा और केट क्रॉस को रिटेन किया है।

उन्होंने यूपी वॉरियर्स से व्यापार के माध्यम से डैनी व्याट-हॉज को प्राप्त किया और हीथर नाइट, नादिन डी क्लार्क, शुभा सतीश, दिशा कसाट, इंद्राणी रॉय, सिमरन बहादुर और श्रद्धा पोखरकर को रिलीज किया।

अब और नीलामी के बीच जो होगा वह यह है कि हम अपने खिलाड़ियों के लिए कुछ शिविर लगाएंगे और मैं रुचि रखने वाली खिलाड़ियों के बारे में बताना चाहूंगा, जो हमें नीलामी के लिए खिलाड़ियों की अपनी शॉर्टलिस्ट बनाने में मदद करेगा और उम्मीद है कि यह थोड़ा और निश्चित हो जाएगा कि हमें किसे लक्षित करना है और हमारे पास बैकअप के रूप में कौन हो सकता है। मालोलन ने फ्रैंचाइजी द्वारा जारी एक बयान में कहा, इसलिए, दिसंबर में नीलामी के साथ, योजना नीलामी से पहले एक शिविर लगाने की होगी और उम्मीद है कि हमें वह टीम मिल जाएगी जिसकी हमें तलाश है।" खिलाड़ियों के अपने मुख्य समूह को बनाए रखने के पीछे के विचार के बारे में पूछे जाने पर, मालोलन ने बताया, जहां तक कोचिंग स्टाफ का सवाल है, मुझे लगता है कि हमारे लिए यह याद रखना बहुत महत्वपूर्ण है कि पिछले सीजन में मैदान पर और मैदान के बाहर हमारे लिए क्या कारगर रहा और मैदान पर और मैदान के बाहर हमारे मुख्य मूल्यों को बनाए रखना।

इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले को जेम्स एंडरसन ने किया याद

नई दिल्ली। जेम्स एंडरसन, जिनका अंतरराष्ट्रीय करियर जुलाई में लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड के टेस्ट के साथ समाप्त हुआ, ने अपने संन्यास के बारे में याद करते हुए कहा कि उन्हें यह निर्णय लेने के लिए टीम प्रबंधन से संकेत की आवश्यकता थी। एंडरसन के अंतरराष्ट्रीय संन्यास से पहले, जब उन्होंने 704 टेस्ट विकेट लिए थे, जो उनके देश के किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सर्वाधिक विकेट थे। उन्हें मैनचेस्टर के डकोटा होटल में बुलाया गया था, जहां उन्हें ब्रेंडन मैकुलम, बेन स्टोक्स और रॉब की ने बताया था कि वे अगले साल होने वाली एशेज सीरीज से पहले नए तेज गेंदबाजों को मौका देने की सोच रहे हैं। 'मैं पहले भी ऐसी स्थिति में रहा हूं, जब एंड्रयू स्ट्रॉस ने कहा था कि हम एक अलग दिशा में जा रहे हैं (2022 में, केवल एंडरसन के कुछ ही महीनों में वापस आने के लिए)। लेकिन इस बार, यह थोड़ा अधिक व्यक्तिगत लगा। मैं उस बैठक से खुश महसूस नहीं कर रहा था, लेकिन उतना गुस्सा भी नहीं था जितना मैंने सोचा था। एंड्रसन ने शनिवार को डेली मेल से कहा, संन्यास एक अजीब चीज है, हर कोई हमेशा कहता है कि आप एक दिन जागेंगे और सोचेंगे, मैं अब नहीं खेलूंगा।

कप्तान सूर्यकुमार और कोच के समर्थन ने मदद की : सैमसन

मैंने अपने करियर में कई असफलताओं का सामना किया है

एजेंसी। डरबन

भारतीय बल्लेबाज संजू सैमसन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने शुरूआती संघर्षों को याद करते हुए कहा कि लगातार असफलताओं के कारण उन्हें अपनी क्षमता पर संदेह हुआ लेकिन आत्मविश्वास और कप्तान तथा कोच के समर्थन ने उन्हें मजबूत वापसी करने में मदद की। सैमसन ने यहां शुरूआती मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 61 रन की आसान जीत के लिए 50 गेंदों पर 107 रन की शानदार पारी खेली और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लगातार दो शतक जड़े।

सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'मैंने अपने करियर में कई असफलताओं का सामना किया है। मुझे लगता है कि जब आप असफलता से गुजरते हैं, तो आपके मन में कई संदेह होते हैं। लोग निश्चित रूप से कहते हैं कि सोशल मीडिया निश्चित रूप से भूमिका निभाता है। लेकिन आप अपने बारे में भी बहुत सोचते हैं। संजू, क्या आप अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए नहीं बने हैं? मुझे लगता है कि आप आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। आप अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा क्यों नहीं कर रहे हैं? तो मेरे मन में ऐसे बहुत से विचार आते हैं। लेकिन इतने सालों के अनुभव के बाद, मुझे पता है कि मेरी क्षमता क्या है।'

टीम इंडिया का जारी रहेगा निडर होकर आक्रामक क्रिकेट खेलना : सूर्यकुमार

अगर मैं विकेट पर कुछ समय बिताता हूं, तो मेरे पास स्पिन और पेस में शॉट बनाने की क्षमता है और मुझे पता है कि मैं निश्चित रूप से टीम में अच्छा योगदान दे सकता हूं

डरबन(आईएएनएस)। भारतीय टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने शुक्रवार को पहले टी20 मैच में दक्षिण अफ्रीका पर 61 रन की जीत के बाद टीम के आक्रामक रवैये का समर्थन करते हुए कहा कि टीम ने पिछली तीन-चार सीरीज में अपने क्रिकेट के तरीके में कोई बदलाव नहीं किया है। संजू सैमसन ने 50 गेंदों पर 10 छक्कों और सात चौकों की मदद से 107 रन की तूफानी पारी खेली, जिसने किंग्समीड में भारत की आक्रामक पारी की नींव रखी। तिलक वर्मा ने 18 गेंदों पर 33 और सूर्यकुमार ने 17 गेंदों पर 21 रन बनाए। इसके चलते भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 202/8 का स्कोर बनाया।

जवाब में, दक्षिण अफ्रीका की टीम 17.5 ओवर में 141 रन पर सिमट गई। भारतीय स्पिनर वरुण चक्रवर्ती और रवि बिश्नोई ने तीन-तीन विकेट चटकाकर उन्हें 61 रन से आसान जीत दिला दी। भारतीय कप्तान ने कहा, हमने पिछली 3-4 श्रृंखलाओं में अपनी क्रिकेट शैली में कोई बदलाव नहीं किया है, जीत से बहुत खुश हैं। सूर्यकुमार ने सैमसन के लगातार दूसरे टी20 अंतर्राष्ट्रीय शतक की सराहना की और कहा कि यह विकेटकीपर-बल्लेबाज के आक्रामक रवैये को दशार्ता है। उन्होंने कहा, ₹पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने जो कड़ी मेहनत की है, उसका फल उन्हें मिल रहा है। वह 90 प्लस के स्कोर में थे लेकिन फिर भी बाउंड्री की तलाश में थे। वह टीम के लिए खेल रहे थे, जो उनके चरित्र को दशार्ता है और हम इसी की तलाश करते हैं पावरप्ले और बीच के ओवरों में स्पिनरों का इस्तेमाल करने के बारे में सूर्यकुमार ने कहा, यही हमारी योजना थी। हम क्लासेन और मिलर के महत्वपूर्ण विकेटों की तलाश में थे और जिस तरह स्पिनरों ने गेंदबाजी की, वह अविश्वसनीय था। जैसा कि मैंने टॉस और प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पहले ही कहा था, लड़कों ने मेरा काम आसान कर दिया है।

'सपनों वाला साल': हरमनप्रीत और श्रीजेश ने एफआईएच स्टार अवॉर्ड जीतने पर आभार जताया

मस्कट (आईएएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह और दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने शुक्रवार को ओमान के मस्कट में एक शानदार समारोह में भारतीय हॉकी प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया, जिन्होंने उन्हें क्रमशः एफआईएच प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड और एफआईएच गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड जीतने के लिए वोट दिया। दोनों ने कहा कि 2024 एक 'विशेष' वर्ष है, क्योंकि हॉकी इंडिया लीग को

पुनर्जीवित किया जा रहा है, जो उनका मानना ??है कि 2028 एलए ओलंपिक में पदक का रंग बदलने के उनके प्रयास में सही दिशा है। हरमनप्रीत सिंह ने कहा, मुझे सच में लगता है कि यह भारतीय हॉकी के लिए आने वाली कई अच्छी चीजों की शुरूआत है। हम सभी हॉकी इंडिया लीग की शुरूआत का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे और मेरा मानना है कि पेरिस में इस बड़ी जीत के बाद कई हितधारकों की दिलचस्पी दिखाने के साथ ही हमारे ओलंपिक प्रदर्शन ने इस पहल को आगे बढ़ाया। हम हॉकी इंडिया के आभारी हैं कि उन्होंने एफआईएच स्टार अवॉर्ड्स में हमारा समर्थन किया और हॉकी इंडिया लीग को पुनर्जीवित करने के उनके प्रयासों के लिए भी।

जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने विश्व रिकॉर्ड धारक को बनाया नया कोच

नई दिल्ली(आईएएनएस)। लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने वाले स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने शनिवार को अपने करियर में एक रोमांचक नए अध्याय की शुरूआत की। उन्होंने जैवलिन थ्रो के दिग्गज जान जेलेज्नी के साथ एक नई पारी की शुरूआत की है। तीन बार के ओलंपिक चैंपियन और मौजूदा विश्व रिकॉर्ड धारक जान जेलेज्नी लंबे समय से चोपड़ा के आदर्श रहे हैं और अब वह कोच के रूप में उनका मार्गदर्शन करेंगे। दरअसल, नीरज चोपड़ा अभी तक जर्मन कोच क्लॉस बार्टोनिएट्ज के साथ काम कर रहे थे, लेकिन क्लॉस बार्टोनिएट्ज ने हाल ही में कोचिंग से संन्यास लिया है। चोपड़ा ने कहा, मैं हमेशा से जान की तकनीक और सटीकता का मुरीद रहा हूं। मैंने उनके कई वीडियो देखे और उससे बहुत कुछ सीखा। वह इतने वर्षों तक खेल में सर्वश्रेष्ठ रहे और मेरा मानना है कि उनके साथ काम करना अमूल्य होगा क्योंकि हमारे थ्रो करने की शैली काफी मेल खाती है। उनका ज्ञान बेजोड़ है और भविष्य में उनका मार्गदर्शन मेरे लिए अहम होगा। अपने करियर में अगले स्तर की ओर बढ़ने के लिए जान का मेरे साथ होना सम्मान की बात है।

इंडिया ए की हार, जुरेल-प्रसिद्ध ने पर्थ टेस्ट के लिए पेश की दावेदारी

मेलबर्न(आईएएनएस)। सैम कॉन्स्टास के दूसरी पारी में लगाए गए अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ए ने इंडिया ए को छह विकेट से हराकर सीरीज पर 2-0 का कब्जा जमा लिया है। इस अर्धशतक से कॉ?स?टास ने ओपनिंग के लिए अपना दावा भी पेश किया। हालांकि इंडिया ए के लिए राहत की बात ध्रुव जुरेल का लगातार दूसरा अर्धशतक और प्रसिद्ध कृष्णा की दोनों पारियों में अच्छी गेंदबाजी रही और दोनों ही खिलाड़ियों ने इस प्रदर्शन से पर्थ टेस्ट के लिए अपना दावा मजबूत किया है।

व्यापार/लाइफ व साइंस

इकट्ठा किए गए हर रुपये का रखा जाता है हिसाब ताकि पैसा व्यर्थ न जाए : वित्त मंत्री सीतारमण

पीएमजेडीवाई के तहत 52.3 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए है

केंद्र सरकार ने धन का प्रबंधन इस तरह किया है कि टैक्स के रूप में इकट्ठा किए गए रुपये प्रभावी रूप से परिसंपत्ति के निर्माण और लोगों को एक अच्छा शासन देने पर खर्च किए जाएं।

पीएमजेडीवाई के तहत 52.3 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं

बेंगलुरु(आईएएनएस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इकट्ठा किए गए हर एक रुपये का हिसाब रखती है, ताकि वह व्यर्थ न जाए और आम लोगों को सरकार के काम का लाभ मिले।

वित्त मंत्री सीतारमण ने बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने धन का प्रबंधन इस तरह किया है कि टैक्स के रूप में इकट्ठा किए गए रुपये प्रभावी रूप से परिसंपत्ति के निर्माण और लोगों को एक अच्छा शासन देने पर खर्च किए जाएं।

उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के साथ देश में बैंकिंग का कायाकल्प 2014 में शुरू हुआ था। इसका उद्देश्य बैंकिंग तंत्र को सब के लिए सुलभ बनाना था।

पीएमजेडीवाई के तहत 52.3 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले गए हैं। यह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दे रही है जिससे हाशिए पर पड़े लोगों को औपचारिक वित्तीय तंत्र में लाने में मदद मिल रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने एक उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे नागालैंड के एक छोटे से एनजीओ की अब अमेरिका के बाजार तक सीधी पहुंच है। उन्होंने कहा, जब मैं नागालैंड गई, तो मैंने एक एनजीओ का दौरा किया, जो कुशन कवर से लेकर चाय कोस्टर तक हाथ से बने हस्तशिल्प उत्पाद बनाती थी। एनजीओ चलाने वाली महिला ने मुझे बताया कि उन्हें अमेरिका से एक ऑर्डर मिला है और वे इसे क्रिसमस के लिए भेज रही हैं।

उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा, किसी ने भी इस तरह की पहुंच की कल्पना नहीं की होगी। डिजिटल क्रांति की कोई सीमा नहीं है। अगर यह नागालैंड में एक छोटे से एनजीओ के लिए सच हो सकता है, तो आप कल्पना कर सकते हैं कि इससे पूरे देश में छोटी इकाइयों को कितना फायदा हुआ होगा।

उन्होंने आगे कहा, आज के समय में कोई भी व्यक्ति इंतजार नहीं कर रहा कि कोई आएं और उन्हें डिजिटल और वित्तीय समावेशन को लेकर शिक्षित करें, क्योंकि उनके पास उनके फोन मौजूद हैं।

केंद्र ने पंजाब में 27,995 करोड़ रुपये का धान खरीदा, 6.8 लाख किसानों को हुआ फायदा

नई दिल्ली (आईएएनएस)। सरकार ने शनिवार को बताया कि भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) और राज्य एजेंसियों ने चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन (केएमएस) 2024-2025 (8 नवंबर तक) के दौरान पंजाब में 27,995 करोड़ रुपये मूल्य का 120.67 लाख मीट्रिक टन (एलएमटी) धान खरीदा है।

8 नवंबर तक पंजाब की मंडियों में कुल 126.67 एलएमटी धान की आवक हुई, जिसमें से 120.67 एलएमटी की खरीद राज्य एजेंसियों और एफसीआई ने की है।

सरकार द्वारा ग्रेड ए धान के लिए तय एमएसपी 2,320 रुपये प्रति क्विंटल पर धान खरीदा जा रहा है और चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 में अब तक खरीदे गए कुल धान की कीमत 27,995

करोड़ रुपये है, जिससे पंजाब के लगभग 6.58 लाख किसानों को फायदा मिला। सरकार के अनुसार 4,839 मिलर्स ने धान की छिलाई के लिए आवेदन किया है और 4,743 मिलर्स को पंजाब राज्य सरकार द्वारा पहले ही काम आवंटित किया जा चुका है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने कहा कि चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 के लिए धान की खरीद पंजाब में 1 अक्टूबर 2024 से शुरू हो गई है। इसके अलावा, पंजाब के किसानों से खरीद के लिए पूरे राज्य में 2,927 नामित मंडियां और अस्थायी यार्ड चालू हैं। केंद्र सरकार ने चालू खरीफ मार्केटिंग सीजन 2024-25 के लिए धान खरीद का अनुमानित लक्ष्य 185 लाख मीट्रिक टन तय किया है, जो 30 नवंबर तक जारी रहेगा। सरकार ने कहा, मंडियों से तेजी से धान उठाया जा रहा है। उठाया गया धान दैनिक आवक की मात्रा से अधिक है।

भारत का स्मार्टफोन बाजार इस साल 7-8 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली(आईएएनएस)। प्रीमियम, 5जी और एआई स्मार्टफोन की मजबूत मांग के कारण भारत के स्मार्टफोन बाजार में इस साल तेजी का अनुमान जताया जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, भारत के स्मार्टफोन बाजार में 7-8 प्रतिशत की वृद्धि होने का अनुमान है। वहीं, भारत में मोबाइल हैंडसेट बाजार में स्थिर वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के विश्लेषक-इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप (आईआईजी) पंकज जादली ने कहा, जैसे-जैसे ब्रांड टेक्नोलॉजी के अंतर को कम करने और किफायती 5जी डिवाइस पेश करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, प्रतिस्पर्धा तेज होने की संभावना बढ़ती जाती है। आने वाली तिमाहियों में एआई-इनेबल्ड डिवाइस को लेकर ग्राहकों की पसंद बनी रहेगी।

तीसरी तिमाही में, वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद भारत के स्मार्टफोन बाजार में 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। भारत में उपभोक्ता मांग मजबूत बनी हुई है, जो मिड-रेंज और प्रीमियम स्मार्टफोन को पसंद करने के कारण है। 5जी स्मार्टफोन शिपमेंट की हिस्सेदारी बढ़कर 82 प्रतिशत हो गई, जो कि सालाना आधार पर 49 प्रतिशत की एक बड़ी वृद्धि है।

तिमाही के दौरान 18 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी के साथ वीवो 5जी स्मार्टफोन बाजार में सबसे आगे रहा, जबकि सैमसंग 17 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

भारत अगले 25 वर्षों में 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा : पीयूष गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत विकास की राह पर अग्रसर है। देश 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए तैयार हो रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत की विकास गाथा देश की मौजूदा 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था को अगले 25 वर्षों में 35 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाएगी।

अमेजिंग गोवा ग्लोबल बिजनेस समिट 2024 के उद्घाटन सत्र को

संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि 21वीं सदी भारत के नाम होगी। भारत आने वाले तीन वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। वर्तमान में भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

उन्होंने आगे कहा, भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद की वजह से अर्थव्यवस्था में तेजी देखी जा रही है। हम सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था हैं। कम मुद्रास्फीति, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल ने पिछले दशक की तुलना में पिछले 10 वर्षों में भारत में दोगुना एफडीआई लाया है। उन्होंने कहा, हम 2047 तक भारत को एक विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ काम कर रहे हैं। ठीक इसी समय में हम स्वतंत्रता के 100 साल पूरे होने का जश्न मना रहे होंगे।

उन्होंने कहा, हम 2014 में 10वें सबसे बड़े जीडीपी वाले देश थे और भारत के लोगों में बहुत कम उम्मीद थी। मुझे आपके साथ यह साझा करते हुए खुशी हो रही है कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अगले तीन वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि आज भारत को ग्लोबल सप्लाई चेन में एक भरोसेमंद भागीदार माना जाता है। वाइब्रेंट गोवा फाउंडेशन की पहल पर आयोजित इस शिखर सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश प्रभु और अन्य लोग मौजूद थे।

एशियन पेंट्स ने 42.4 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 694 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया

नई दिल्ली (आईएएनएस)। एशियन पेंट्स लिमिटेड ने शनिवार को जुलाई-सितंबर अवधि (वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही) में 42.4 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 694.6 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 1,205.4 करोड़ रुपये था। कंपनी का राजस्व भी 5.3 प्रतिशत घटकर 8,003.02 करोड़ रुपये रह गया।

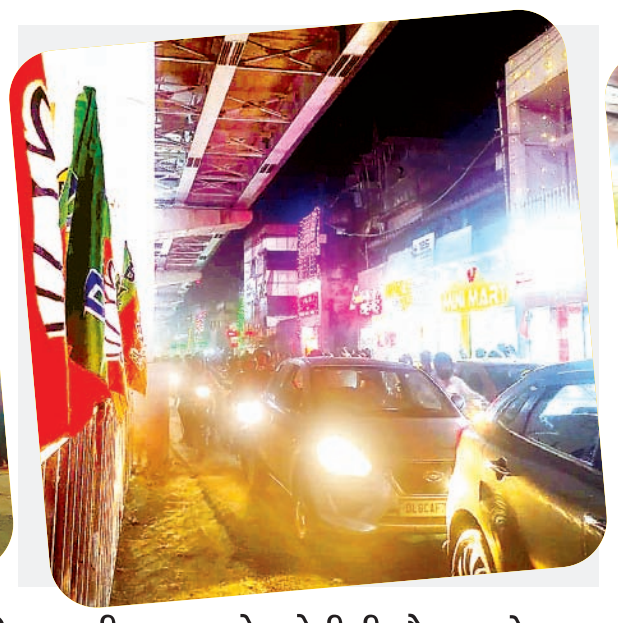

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रांची में रविवार की शाम को ओटीसी मैदान से रातू रोड चौक तक रोड शो है। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार की शाम को रातू रोड में सुरक्षा रिहर्सल किया।

आजसू लड़ रही है अस्तित्व की लड़ाई

नवीन मेल संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी 2024 के विधानसभा चुनाव में अपने अस्तित्व की लडाई लड़ रही है। कई सीटों में जयराम महतो की पार्टी इसे सीधे टक्टर दे रही है। दूसरी ओर, सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में आजसू को सबसे ज्यादा खतरा जयराम महतो की पार्टी झारखंड क्रांतिकारी लोकतांत्रिक मोर्चा (जेकेएलएम) के उम्मीदवार से है। डुमरी में जयराम महतो खुद उम्मीदवार हैं, तो सिल्ली में देवेंद्र नाथ महतो उम्मीदवार हैं। दोनों ही लोकसभा चुनाम लड़ चुके हैं। हालांकि, दोनों हार गए, लेकिन जयराम को डुमरी से सबसे अधिक वोट मिला था। वहीं, देवेंद्र नाथ महतो को भी सिल्ली से सबसे अधिक वोट मिले थे। गोमिया विधानसभा क्षेत्र में जेएमएम आजसू पर भारी दिख रहा है। रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में भी आजसू और कांग्रेस का मुकाबला टक्कर का है।

आजसू पार्टी जिन मुद्दे पर आंदोल करते रही है, उनमें से कई मुद्दे इस चुनाव से गायब हैं। आजसू पार्टी रघुवर सरकार में सहयोगी के भूमिका में थी और बाहर से 1985 की स्थानीय नीति के मुद्दा पर विरोध कर रही थी। इस दोहरे काम पर काफी प्रश्न भी उठे थे। रघुवर सरकार में आजसू के कोटे से एक मंत्री भी था। आजसू के मुखिया और कार्यकर्ता गांव-गांव जा कर प्रचार करते थे कि 1932 का खतियान और मैट्रिक का सर्टिफिकेट एक नहीं हो सकता। रघुवर की नीति के विरोध में जन-जन को जागरूक कर रहे थे।

2016 में रघुवर सरकार में सीएनटी एक्ट में संशोधन का प्रस्ताव लाया गया। मामले को लेकर विपक्ष ने खूब हंगामा किया। सड़क से सदन तक विपक्ष का हंगामा हुआ।

पीएम के रोड शो को लेकर तैयारी मुकम्मल

लाखों लोग करेंगे प्रधानमंत्री का स्वागत

साफ-सफाई पूरी, ऊंची इमारतों पर तैनात किए जा रहे सुरक्षाकर्मी

नवीन मेल संवाददाता। रांची

झारखंड की राजधानी रांची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को रोड शो करेंगे। पीएम मोदी का लगभग 3 किलोमीटर लंबा रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू होकर पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए रातू रोड चौक पर खत्म होगा। प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए नगर निगम का सफाई अभियान पूरा हो गया है। रोड शो के मार्ग की नालियों की सफाई, कूड़े-कचरे का निपटारा हो गया है। पीएम के आगमन को लेकर ऊंची इमारतों पर सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा रहे हैं। साथ ही, सड़क के दोनों ओर दो लेयर की बैरिकेडिंग भी की गई है, ताकि कोई व्यक्ति रोड शो के बीच में न आ सके। प्रशासनिक तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। पुलिस मुख्यालय और रांची प्रशासन की ओर से सुरक्षा के मद्देनजर तीन आईजी, तीन डीआइजी और बड़ी संख्या में आईपीएस अधिकारी तैनात होंगे।

लोगों को दिक्कत नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा

राजधानी में प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी के रविवार को होने वाले रोड शो से पहले शनिवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने लोगों के साथ ओटीसी ग्रांउड से रातू रोड चौक तक पदयात्रा की। पदयात्रा के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय नवीन मेल से बात करते हुए कहा कि मोदी जी के आगमन को लेकर रंगोली बनाई जा रही है। लाखों लोग पीएम मोदी का स्वागत करेंगे। इस कार्यक्रम के दौरान किसी भी नागरिक को किसी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाएगा। प्रशासन भी इस पर काम कर रही है।

बदली रहेगी रांची की यातायात व्यवस्था

राजधानी में प्रधानमंत्री के आगमन और रोड शो को लेकर सभी संबंधित क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर दी गई है। वहीं, रोड शो के लिए ओटीसी ग्राउंड से रातू रोड चौक तक आमजनों की आवाजाही को लेकर प्रशासन ने विशेष यातायात व्यवस्था जारी की है। इसमें आमजनों के लिए रविवार को दिन में 02:00 बजे से रात के 08:00 बजे तक रांची के शहरी इलाकों में छोटे/बड़े मालवाहक वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। यातायात पुलिस की ओर से कहा गया है कि शाम 04:30 बजे से 07:00 बजे तक एयरपोर्ट, हिनू, एचईसी गेट, अरगोड़ा, कटहल मोड़, सहजानंद चौक, न्यू मार्केट चौक, पंडरा बाजार चौक, पिस्का मोड़ और न्यू मार्केट के रास्तों का कम से कम उपयोग किया जाए। शहर में प्रवेश करने और शहर से बाहर जाने के लिए रिंग रोड का उपयोग कर सकते हैं, जैसे- कांके रिंग रोड, बोड़ेया रिंग रोड, बूटी मोड़ रिंग रोड, रामपुर रिंग रोड का प्रयोग प्रवेश के लिए किया जा सकता है। शहर से बाहर जाने के लिए कांके रिंग रोड, बोड़ेया रिंग रोड, बूटी मोड़ रोड, रामपुर रिंग रोड, वाया मेन रोड, रांची कांटाटोली से बूटी मोड़ रोड, नामकुम रोड, पुराना हाईकोर्ट से घाघरा रोड का प्रयोग कर सकते हैं। शाम 04:30 बजे के बाद एयरपोर्ट जाने वाले सभी वाहन पुराना हाई कोर्ट से घाघरा रोड होते हुए हेथु बस्ती से सीधे एयरपोर्ट जा सकेंगे। वहीं, आवश्यकता के अनुसार अन्य रास्तों को भी डाइवर्ट किया जा सकता है या रोका जा सकता है।

रोड शो से एक दिन पहले हुआ सुरक्षा ट्रायल

राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन और रोड शो को लेकर प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं, प्रशासनिक तैयारियों का अहम हिस्सा सुरक्षा ट्रायल शनिवार (9 नवंबर) की शाम को किया गया। प्रशासन के आला अधिकारियों ने जवानों की तैनाती कर रातू रोड की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

पीएम मोदी के रोड शो से पूर्व संजय सेठ ने की पदयात्रा

बोले रक्षा राज्य मंत्री, रातू रोड में पीएम का होगा ऐतिहासिक स्वागत

नवीन मेल संवाददाता। रांची

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार (10 नवंबर) को रातू रोड में भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में रोड शो करेंगे। इसी को लेकर शनिवार को केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने ओटीसी मैदान से रातू रोड न्यू मार्केट चौक तक पदयात्रा कर लोगों से प्रधानमंत्री के स्वागत में आने की अपील की।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का विशेष स्नेह झारखंड को हमेशा से मिलता रहा है। अभी विधानसभा चुनाव के पूर्व प्रधानमंत्री रविवार को रांची में भव्य रोड शो करेंगे। शाम 4:00 बजे से यह रोड शो ओटीसी ग्राउंड से शुरू होगा और पिस्का मोड़, मेट्रो गली, दुर्गा मंदिर होते हुए न्यू मार्केट, रातू रोड चौक पर समाप्त होगा। प्रधानमंत्री के स्वागत में रांची के आसपास के क्षेत्र से 20 हजार से अधिक बाइक सवार रांची आएंगे।

रांची से बाहर से आने वाले वाहनों के लिए पार्किंग की व्यवस्था हेहल, पंडरा और आईटीआई के समीप की गई है। इसके अतिरिक्त पारंपरिक छऊ नृत्य के माध्यम से कलाकार प्रधानमंत्री का स्वागत करेंगे। 501 ब्राह्मण शंख घड़ियाल बजाकर प्रधानमंत्री के विजय संकल्प को अपना आशीर्वाद देंगे। वहीं, अलग-अलग स्थान पर, विभिन्न मंचों के माध्यम से प्रधानमंत्री का पारंपरिक स्वागत किया जाएगा। सिख समाज भी पीएम के अभूतपूर्व स्वागत को तैयार है। पूरे रातू रोड के विभिन्न स्थानों पर ढोल-ताशा परंपरागत यंत्र वादन सहित भजन सहित कई सांस्कृतिक कार्यक्रम उनके स्वागत में किए जाएंगे। पूरे रातू रोड के लोगों में उत्साह है। सभी लोग कल अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में लाखों की संख्या में उपस्थित रहेंगे। पूर्व में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत रांची की जनता ने ऐतिहासिक रूप से किया है। एक बार फिर रांची की जनता और भाजपा कार्यकर्ता प्रधानमंत्री के स्वागत को लेकर उत्सुक और उत्साहित हैं।

सेठ ने कहा कि रातू रोड के नागरिक स्वतः अपने घरों को सजा रहे हैं। महिलाओं द्वारा विभिन्न स्थानों पर रंगोली बनाई जा रही है। कई स्थानों पर प्रधानमंत्री पर पुष्प वर्षा की व्यवस्था हो रही है। रक्षा राज्य मंत्री ने रांची सहित रातू रोड के नागरिकों से यह आह्वान किया है कि प्रधानमंत्री के स्मृति में यह रोड शो और उनका अभिनंदन ऐतिहासिक हो, इसके लिए हम सभी कार्य करें। भाजपा की महिला कार्यकर्ता भी रातू रोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन को लेकर विभिन्न जगहों पर रंगोली बनाई हैं। रंगोली बनाने वालों में अंकिता वर्मा, ममता देवी, वर्षा कुमारी, संगीता मुंडा आदि शामिल हैं।

आज के इस कार्यक्रम में पडरा मंडल के अध्यक्ष सुबेश पांडे सुखदेव नगर मंडल के अध्यक्ष ओमप्रकाश पांडे सहित सत्यनारायण सिंह ललित ओझा संजय जायसवाल, हरेंद्र सिंह, हरविंदर सिंह बेदी, सुरेश सिंह, ललन सिंह, संजीव चौधरी, अंबिका तिवारी, अंकित वर्मा, बबीता सिंह, रेणुका सिंह, मिथिलेश केसरी, कुमुद झा, शाहिद सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

पृष्ठ एक के शेष

भाजपा की सरकार...

27 मशीन भी फेल हो गया। कांग्रेस के मंत्री आलमगीर आलम के पीए के घर में 30 करोड़ रुपए बरामद हुआ है। सभी बरामद रुपया झारखंड के युवाओं का है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही सारे भ्रष्टाचारियों को एसआईटी गठन जांच करा जेल भेजेगी। उन्होंने कहा कि मंडल कमीशन का विरोध इंदिरा गांधी,राजीव गांधी ने खुलकर किया था। इससे साबित होता है कि कांग्रेस पार्टी शुरू से ही आरक्षण विरोधी पार्टी रही है। ओबीसी के साथ छल करने का काम कांग्रेस ने किया। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जब सरकार बनी तब पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण को लागू करते हुए पिछड़ा आयोग का गठन कर उसे संवैधानिक दर्जा देने का काम किया। महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव कांग्रेस ने किया, लेकिन जब तक भाजपा है तब तक देश में धर्म आधारित आरक्षण को लागू नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि धारा 370 कांग्रेस क्या किसी भी दल के नेता के आने वाली चार पीढ़ी भी समाप्त नहीं कर पाएगी। राहुल गांधी देशवासियों को गुमराह करने के लिए नकली संविधान लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब यूपीए की सरकार थी तब झारखंड को 84 हजार करोड़ देने का काम किया, लेकिन नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में वर्ष 2014 से लेकर 24 तक तीन लाख 90 हजार करोड़ रुपए देने का काम किया। केंद्र की यह सब पैसा कहां गया। इसका हिसाब हेमंत सोरेन दे। झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो महिलाओं को प्रति वर्ष 25000 रुपए एवं प्रतिमाह 500 में गैस सिलेंडर के साथ प्रतिवर्ष पर्व त्यौहार में दो गैस सिलेंडर मुफ्त में दिया जाएगा। इसके साथ ही झारखंड के बेरोजगार युवाओं को प्रतिमाह दो हजार दिया जाएगा। बालू सरल रूप से उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही साथ प्रधानमंत्री आवास योजना में एक लाख अतिरिक्त सहायता राशि देने का काम भाजपा करेगी। महिलाओं के नाम पर 50हजार तक की जमीन खरीदने पर एक रुपये में रजिस्ट्री होगी। झारखंड में 10 सरकारी मेडिकल कॉलेज की स्थापना किया जायेगा। साथ ही वृद्धा, विधवा, दिव्यांग पेंशन की राशि को बढ़ाकर 2500 रुपए किया जाएगा। सभा की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अमित तिवारी ने की। संचालन उपाध्यक्ष अरविंद सिंह ने किया। मौके पर कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र राय, पलामू के पूर्व सांसद मनोज ,प्रमंडलीय प्रभारी विकास प्रीतम,आजसू के जिला अध्यक्ष दिलीप चौधरी, जदयू के जिला अध्यक्ष मनोज दुबे, विधानसभा चुनाव प्रभारी राजधानी यादव, ज्योति पांडेय, सुबोध सोनी, वरुण दुबे, मनोज विश्वकर्मा, संजय सिंह, नरेश यादव, उदय शुक्ला, अशोक मिश्रा सेमत काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

घोटालेबाज है हेमंत सरकार...

इसके लिए सभी को भाजपा को सहयो करना होगा। राज्यवासियों के सहयोग से ही झारखंड का विकास होगा और गलत जगह सहयोग से विनाश होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विश्रामपुर में 123 करोड़ की लागत से पेयजलापूर्ति योजना स्वीकृत की थी,लेकिन हेमंत सरकार ने पांच साल तक उसे रोक कर रखा। सिर्फ इसलिए कि इस योजना का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी के नाम पर था। केंद्र सरकार ने भारत की छवि विश्व में बदली है। हर देश के शासनाध्यक्ष और राष्ट्रध्यक्ष प्रधानमंत्री को अपना दोस्त बोलते हैं। विश्व में शांति स्थापना के लिए लोग प्रधानमंत्री से अपील करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के के इस बदलती तस्वीर देशवासियों को गर्वणवित करता है। देश के 80 करोड़ लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर हो गए हैं। दस करोड़ से ज्यादा बहनों को गैस सिलेंडर देकर धुंआ से मुक्ति दिलाया गया। ग्यारह हजार करोड़ लोगों को शौचालय दिया गया। प्रधानमंत्री को झारखंड से ज्यादा लगाव है, इसलिए उन्होंने लगभग सभी कल्याणकारी योजनाओं की शुरूआत झारखंड से की है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी निवर्तमान विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी की तारीफ करते हुए उनको सहयोग करने का अपील की। रामचंद्र चंद्रवंशी ने कहा कि जिस समय दबंग नेताओं का बोलबाला था, उनके डर से कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता था। उस समय यहां की जनता ने उन जैसे अदना फटेहाल व्यक्ति को जीता कर विधानसभा भेजा। उन्होंने केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाया व अपने द्वारा कराए गए विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। सभा की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अमित तिवारी ने की। संचालन उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव ने किया। मौके पर सांसद विष्णु दयाल राम,पर्वू प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश, मिथलेश कटारिया,यूपी के मंत्री दया शंकर सिंह,डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी, टिकैत चौबे, संध्या सिंह, राजन पांडेय, डॉ. वीपी शुक्ला, संतोष चौबे, विजयानंद पाठक, अनुज पांडेय, विकास प्रीतम, भोला चंद्रवंशी, सत्यम सिंह, समीर त्रिपाठी सहित कई भाजपा नेता मौजूद थे।

हेमंत सरकार...

एकजुट रहने का आह्वान किया, ताकि वे सुरक्षित रहें। उन्होंने यह भी कहा कि जैसे हमने अयोध्या में बाबरी मस्जिद को हटाया, वैसे ही झारखंड से घुसपैठियों को भगाने का काम भाजपा करेगी। महागठबंधन के नेता और सांसद राज्य को लूट रहे हैं : मुख्यमंत्री सरमा ने आरोप लगाया कि राज्य की सरकार के कई मंत्री और राज्यसभा सांसदों के घर से करोड़ों रुपये की राशि मिली है। उन्होंने विशेष रूप से धीरज साहू के घर से 350 करोड़ रुपये से अधिक के नोट मिलने का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार ने लड़कियों की शादी पर शगुन देने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय मंत्री इरफान अंसारी और आलमगीर आलम ने वह राशि खा ली। सरमा ने यह भी कहा कि झारखंड में सरकार माफिया और दलालों की शरणस्थली बन गई है। बालू की कीमतों में वृद्धि और जेएमएम सरकार के दलालों के कब्जे से लोग घर बनाने में असमर्थ हैं। गढ़वा में स्थिति यह है कि आम आदमी बालू लेकर जाता है तो उस पर कार्रवाई होती है क्योंकि बालू पर सरकार के दलालों का कब्जा है।

हेमंत सरकार का महिला सम्मान से कोई लेना-देना नहीं : मुख्यमंत्री सरमा ने महिलाओं से मंइयां सम्मान योजना के झांसे में न आने की अपील की। उन्होंने कहा कि यदि हेमंत सरकार को वाकई महिलाओं का सम्मान करना था तो वे खाली पड़े 2.87 लाख पदों पर महिलाओं को नौकरी देतीं। इसके बजाय, उन्होंने योजना के तहत बहुओं को एक हजार रुपये देना शुरू किया लेकिन सासों की पेंशन 5 महीने से बंद कर दी, जिससे घरों में विवाद बढ़ गए हैं। भाजपा सरकार बनने पर महिलाओं को 2100 रुपये की राशि मिलेगी और सासों की पेंशन बढ़ाकर 2500 रुपये की जाएगी। साथ ही, गैस सिलेंडर भी 500 रुपये में उपलब्ध कराया जाएगा।

हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन की आपसी तारीफें : मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन राज्य के मुद्दों पर बात करने की बजाय एक-दूसरे की तारीफ करते रहते हैं। कल्पना हेमंत को सबसे अच्छा मुख्यमंत्री बताती हैं और हेमंत, कल्पना को बेहतरीन विधायक मानते हैं। सरमा का मानना है कि दोनों बेरोजगारी और राज्य की बदहाली जैसे मुद्दों पर कभी बात नहीं करते।

हेमंत सोरेन ने वादा पूरा नहीं किया :

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि हेमंत सोरेन ने अपने पिता की कसम खाकर 5 लाख युवाओं को नौकरी देने का वादा किया था, लेकिन वह वादा पूरा नहीं हुआ। इसके बजाय, उन्होंने ग्रेजुएट युवाओं को 5000 रुपये और पोस्ट ग्रेजुएट को 7000 रुपये भत्ता देने की बात कही थी, लेकिन वह भी पूरा नहीं हुआ। सरमा ने भाजपा के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि भाजपा जो कहती है, वह उसे पूरा करती है। भाजपा सरकार बनने पर बालू फ्री कर दिया जाएगा और झारखंड के युवाओं को धोखा देने के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलवाने के लिए जांच कराई जाएगी।

प्रधानमंत्री का रो शो आज...

अजय कुमार सिंह, राकेश रंजन और कुमार शिवाशीष भी सुरक्षा में तैनात रहेंगे।

बोकारो : एडीजी प्रिया दुबे सुरक्षा प्रभारी : बोकारो में एडीजी प्रिया दुबे सुरक्षा के वरीय प्रभार में रहेंगी। उनके अलावा बोकारो में आईजी एस माइकल राज और डीआईजी सुरेंद्र कुमार झा भी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। वहीं, बोकारो में आईपीएस एम अर्शी, मुकेश कुमार, मनीष टोप्पो और कपिल चौधरी भी रहेंगे।

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम: प्रधानमंत्री रविवार को दिन के 12 बजे बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वह एयरपोर्ट से ही बोकारो के लिए रवाना हो जायेंगे। प्रधानमंत्री का हेलीकॉप्टर दिन के 12.45 बजे बोकारो हेलीपैड पर उतरेगा। वहां चंदनकियारी विधानसभा में वह दोपहर 1.45 बजे तक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद 1.55 बजे प्रधानमंत्री बोकारो से गुमला के लिए रवाना हो जायेंगे। मोदी का हेलीकॉप्टर 3.05 बजे गुमला में लैंड करेगा। प्रधानमंत्री वहां भी चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद शाम 4.15 में रांची स्थित बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर लौट आयेंगे। इसके बाद वह रांची में रोड शो करेंगे। पिस्का मोड़ स्थित ओटीसी मैदान से प्रधानमंत्री का रोड शो 4.55 बजे शुरू होगा। रोड शो लगभग 2.5 किमी रातू रोड चौराहा तक होगा। लगभग डेढ़ घंटे रांची में रुकने के बाद 6.35 बजे प्रधानमंत्री का विशेष विमान रांची से प्रस्थान कर जायेगा।

सभी बूथों की होगी सीसीटीवी से निगरानी : के रवि कुमार

वेबकास्टिंग का प्रयोग कर मुख्य निर्वाचन कार्यालय से भी रखी जाएगी नजर

नवीन मेल संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने शनिवार को कहा कि विधानसभा चुनाव में हर मतगणना केंद्र सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहेंगे। उन्होंने कहा कि पारदर्शी और त्रुटिहीन मतदान संपन्न कराना निर्वाचन आयोग की प्राथमिकता है। इसीलिए मतदान केंद्रों पर सीसीटीवी के साथ वेबकास्टिंग की मदद से मुख्य निर्वाचन कार्यालय, धुर्वा से भी नजर रखी जाएगी। उन्होंने बताया कि पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान इन्हीं माध्यमों से तीन गलतियां प्रकाश में आई थीं, जिन्हें समय रहते दुरुस्त कर लिया गया था। वे शनिवार को रांची के धुर्वा स्थित निर्वाचन सदन, में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्रों पर तैनात अधिकारियों और कर्मियों के पास एएसडी सूची रहेगी। सूची में जिनका निधन हो गया है, जो कहीं दूसरी जगह शिफ्ट कर गये हैं और अनुपस्थित मतदाता हैं, उन सभी का डिटेल रहेगा। इससे डुप्लीकेसी की संभावना नहीं के बराबर होंगे। उन्होंने बताया कि आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से अब तक राज्य में 1 अरब, 66 करोड़, 82 लाख की अवैध सामग्री और नकदी जब्त की गई है। इसमें सबसे अधिक राज्य पुलिस ने 121 करोड़ 96 लाख की जब्ती की है। वाणिज्य कर विभाग ने 8.43 करोड़, आबकारी विभाग ने 7.31 करोड़, वन विभाग ने 7.22 करोड़ और आयकर विभाग ने 1.62 करोड़ की जब्ती की है।

झारखंड विधानसभा चुनाव में पोस्टल बैलेट से मतदान जारी

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव-2024 के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से मतदान जारी है। जिला प्रशासन के अनुसार पोस्टल बैलट से मतदान के लिए फॉर्म 12-डी में आवेदन करने वाले अब्सेंटी वोटर्स, अनिवार्य सेवाओं से जुड़े मतदाता और मतदान कार्य में लगे कर्मियों के जरिये मतदान किया जा रहा है। रांची जिला में मतदान कार्य में लगे जिन कर्मियों ने पोस्टल बैलट से मतदान के लिए आवेदन दिया गया था, वे 11 नवंबर तक राजकीय +2 उच्च विद्यालय, कांके में बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर में मतदान कर सकते हैं।

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने कहा, जेएमएम सरकार में तीज-त्योहारों के समय हो रही संप्रदायिक हिंसा

भाजपा सरकार बनी तो युवाओं को 5 वर्षों में पांच लाख रोजगार : राजनाथ

बोले रक्षामंत्री, 50 सालों तक कांग्रेस ने देश को लूटकर खोखला कर दिया

नवीन मेल डेस्क

रांची/खूंटी/चतरा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खूंटी और चतरा विधानसभा क्षेत्र में शनिवार को चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने झामुमो और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। उन्होंने झामुमो सरकार को ह्यलूटेरी सरकार बताते हुए कहा कि झामुमो नेता खुद को ह्यचीन की दीवार मानते हैं, जो पार नहीं हो सकती। लेकिन, अब वही दीवार घुसपैठियों के लिए एक रास्ता बन गई है, और रोज हजारों घुसपैठिये उस दीवार को पार कर रहे हैं। इसके अलावा, उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि 50 सालों तक एक ही परिवार ने देश को लूटा और उसे कमजोर कर दिया। यह वही पार्टी है, जिसने देश की प्रगति के बजाय अपने परिवार की भलाई के लिए काम किया।

रक्षा मंत्री ने जनसभा में सवाल उठाते हुए कहा कि झारखंड में 52 प्रतिशत आदिवासी आबादी अब 28 प्रतिशत कैसे रह गई? उन्होंने पूछा कि जनजातियां कहां गायब हो गईं और इन्हें कौन निगल गया? उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो, कांग्रेस और राजद की गठबंधन सरकार के कारण झारखंड में घुसपैठियों की संख्या बढ़ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में सरस्वती वंदना पर रोक लगाई जाती है और तीज-त्योहारों के दौरान पत्थरबाजी की घटनाएं होती हैं, जो राज्य में अशांति का माहौल पैदा कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कदम उठाए हैं, और अब झारखंड सहित देश के अधिकांश हिस्सों से नक्सली हिंसा लगभग समाप्त हो चुकी है। उन्होंने भाजपा सरकार बनने पर झारखंड के आदिवासियों की हड़पी गई जमीन वापस दिलवाने, वनाधिकार का वितरण करने और आदिवासियों और अनुसूचित जातियों पर वन विभाग द्वारा किए गए मुकदमों को वापस लेने का वादा किया।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा और हर साल दो सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। युवाओं को पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार मिलेंगे और यूजी-पीजी छात्रों को 2000 रुपये प्रति माह रोजगार भत्ता दिया जाएगा। बच्चियों को केजी से पीजी तक मुफ्त शिक्षा मिलेगी और गोगो दीदी योजना के तहत बहनों को प्रतिमाह 2100 रुपये दिए जाएंगे।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

क्वेटा रेलवे स्टेशन पर आत्मघाती विस्फोट, 24 की मौत, 46 घायल

क्वेटा। क्वेटा रेलवे स्टेशन पर एक आत्मघाती विस्फोट में कम से कम 24 लोग मारे गए और 46 घायल हो गए। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में पिछले एक साल में आतंकवाद से जुड़ी घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी देखी गई। यह घटना बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले में लड़कियों के स्कूल और अस्पताल के पास हुए बम विस्फोट के एक हफ्ते बाद हुई, जिसमें पांच बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो गई थी। द डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक क्वेटा डिविजनल कमिश्नर हमजा शफकत ने मृतकों की संख्या की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि यह घटना एक आत्मघाती विस्फोट थी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रतिबंधित उग्रवादी समूह बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विस्फोट की जिम्मेदारी ली है।

क्या ईरान ने रची डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश, किया इंकार

तेहरान। ईरान ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को 'पूरी तरह निराधार' बताकर खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि तेहरान ने डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश रची थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इन खबरों को इजरायल की साजिश बताया। इस्माइल बाघई हमानेह ने शनिवार को कहा कि मौजूदा दौर में इस तरह के दावों को दोहराना ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच मुद्दों को और अधिक जटिल बनाने की एक 'घृणित साजिश' है।

मोदी 13 नवंबर को दरभंगा एम्स का करेंगे भूमि पूजन

दरभंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवंबर को बिहार के दरभंगा आएंगे और प्रस्तावित एम्स का शिलान्यास करेंगे। शोभन स्थित एम्स निर्माण स्थल पर इसके लिए जोर-शोर से तैयारी चल रही है। प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर शोभन में नेताओं और बिहार सरकार के अधिकारियों के दौरे शुरू हो गए हैं। राज्यसभा सांसद संजय झा, बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल पर पहुंचकर चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया।

देश में पहली बार आंध्र प्रदेश से सी-प्लेन लॉन्च

1500 फुट ऊंचाई पर आसानी से उड़ता है सी-प्लेन

3-4 महीने में सेवाएं आंध्र प्रदेश में उपलब्ध होंगी

सी-प्लेन की सेवा आम आदमी के लिए भी उपयोगी रहेगी

सीएम चंद्रबाबू और राममोहन नायडू ने भरी पहली उड़ान

एजेंसी

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और केंद्र एवं राज्य सरकार के कई अधिकारियों ने शनिवार को विजयवाड़ा से श्रीशैलम तक सी-प्लेन से उड़ान भरी। इसके पहले विजयवाड़ा में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय और राज्य पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री राममोहन नायडू ने कहा कि देश में पहली बार आंध्र प्रदेश से सी-प्लेन लॉन्च किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंध्र प्रदेश सरकार ने सी-प्लेन सेवाओं के लिए आवश्यक तैयारी पूरी कर ली है। विजयवाड़ा और श्रीशैलम के

बीच सी-प्लेन का ट्रायल रन बिना यात्री के पहले ही सफल हो चुका है। आज इसका ट्रायल रन यात्रियों के साथ हो रहा है। उन्होंने कहा कि कुछ दिशा-निर्देशों में बदलाव कर इस सेवा को आम आदमी के लिए भी उपयोगी बनाने का प्रयास किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि हवाई अड्डे के निर्माण के लिए कम से कम 500 एकड़ भूमि चाहिए लेकिन सी-प्लेन के लिए वाटर एरोड्रम के सहयोग से उड़ान भरने में ज्यादा जमीन की जरूरत नहीं होती है। अगर राज्यों के पर्यटन विभाग सहयोग करते हैं तो इस क्षेत्र का विकास और तेजी के साथ होगा। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा-श्रीशैलम के साथ-साथ विजयवाड़ा-नागार्जुन सागर और विजयवाड़ा-हैदराबाद मार्गों के लिए भी तैयारी हो चुकी है। तटीय क्षेत्र में राजधानी अमरावती को जोड़ने के लिए और अधिक पर्यटन केंद्र विकसित किए जाएंगे।

केंद्रीय मंत्री नायडू ने कहा कि ये सेवाएं अगले 3-4 महीनों में आंध्र प्रदेश में उपलब्ध होंगी। आम लोगों के लिए समुद्री विमान यात्रा सस्ती होगी। आंध्र प्रदेश में चार मार्गों पर सी-प्लेन चलाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। सी-प्लेन धरती की सतह से 1500 फुट ऊंचाई पर उड़ता है जबकि हवाई जहाज आमतौर पर जमीन से 15-20 हजार फुट की ऊंचाई पर उड़ते हैं।

जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा : सुधांशु त्रिपाठी

पाकिस्तान ऐसे झूठ से बचे क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदलेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में सीनियर बीजेपी सुधांशु त्रिवेदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग बना रहेगा। दरअसल इससे पहले संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों पर चर्चा के दौरान, पाकिस्तान के प्रतिनिधि ने कश्मीर का जिक्र किया था। पाकिस्तानी प्रतिनिधी ने कहा कि यूएन शांति सैनिकों के साथ पाकिस्तान

की भागीदारी तब शुरू हुई जब संयुक्त राष्ट्र ने 1948 में जम्मू और कश्मीर के विवादित क्षेत्र में शांति सैनिक तैनात किए। त्रिवेदी ने इसे 'गैरजरूरी' उल्लेख बताते हुए कहा कि पाकिस्तान ने 'एक बार फिर इस प्रतिष्ठित संस्था को अपने एजेंडे से भटकाने का प्रयास किया।' अपने आरओआर (उत्तर देने के अधिकार) का इस्तेमाल करते हुए राज्यसभा सांसद ने कहा, जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था, है और रहेगा।

उन्होंने क्षेत्र में हाल ही में किए गए लोकतांत्रिक कार्यों का जिक्र किया। त्रिवेदी ने कहा, जम्मू-कश्मीर के लोगों ने हाल ही में अपने लोकतांत्रिक और चुनावी अधिकार का इस्तेमाल किया है और एक नई सरकार चुनी है। पाकिस्तान को इस तरह की बयानबाजी और झूठ से बचना चाहिए क्योंकि इससे तथ्य नहीं बदलेंगे। मामले को आगे न खींचते हुए और चर्चा के विषय से दूर न जाते हुए, त्रिवेदी ने कहा, इस मंच के अन्य सदस्यों के सम्मान के लिए, भारत संयुक्त राष्ट्र प्रक्रियाओं का गलत इस्तेमाल करने के पाकिस्तान के किसी भी प्रयास का जवाब देने से परहेज करेगा।

रतन टाटा को पीएम मोदी ने किया याद, बोले-

उन्होंने नेशन फर्स्ट की भावना को रखा सर्वोपरि

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के निधन को एक महीना हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको याद करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने रतन टाटा को लेकर एक लेख लिखा, जिसमें उन्होंने अपने व्यक्तिगत संबंध और रतन टाटा के नेशन फर्स्ट भावना के साथ काम करने के तरीकों की तारीफ की और युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनाया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उद्योगपति रतन टाटा को याद करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रतन टाटा को अंतिम विदाई दिए हुए करीब एक महीना बीत चुका है। भारतीय उद्योग जगत में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा और यह सभी देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। **उनके असाधारण जीवन और अतुलनीय योगदान को समर्पित मेरा यह आलेख :** रतन टाटा को लेकर लिखे लेख में पीएम मोदी ने अपने व्यक्तिगत संबंध के बारे में बताया। उन्होंने लिखा, 'व्यक्तिगत तौर पर, मुझे पिछले कुछ दशकों में उन्हें बेहद करीब से जानने का सौभाग्य मिला। हमने गुजरात में साथ मिलकर काम किया। वहां उनकी कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर निवेश किया गया। इनमें कई ऐसी परियोजनाएं भी शामिल थीं, जिसे लेकर वे बेहद भावुक थे। जब मैं केन्द्र सरकार में आया, तो हमारी घनिष्ठ बातचीत जारी रही और वो हमारे राष्ट्र-निर्माण के प्रयासों में एक प्रतिबद्ध भागीदार बने रहे।

कनाडा ने दिया भारत समेत 14 देशों के छात्रों को झटका

- ट्रूडो सरकार ने बंद किया लोकप्रिय स्टूडेंट वीजा प्रोग्राम

एजेंसी

नई दिल्ली। कनाडा ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टूडेंट डायरेक्ट स्ट्रीम (एसडीएस) वीजा प्रोग्राम को बंद कर दिया। इमिग्रेशन, रिफ्यूजी, और सिटिजनशिप कनाडा (आईआरसीसी) ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए स्टडी परमिट आवेदनों में तेजी लाने के लिए 2018 में यह वीजा कार्यक्रम लागू किया था। इस क्रार्यक्रम को ब्राजील, चीन, कोलंबिया, कोस्टा रिका, भारत, मोरक्को, पाकिस्तान, पेरू, फिलीपींस और वियतनाम सहित 14 देशों के छात्रों के लिए लागू किया गया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक कनाडा सरकार ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि इस पहल को 'सभी छात्रों को आवेदन प्रक्रिया में समान और निष्पक्ष पहुंच प्रदान करने' के लिए बंद किया जा रहा है। इस स्कीम के तहत 8 नवंबर को दोपहर 2 बजे तक प्राप्त आवेदनों पर ही कार्रवाई की जाएगी, जबकि इसके बाद सभी आवेदनों पर रेगुलर स्टडी परमिट स्ट्रीम के तहत कार्रवाई की जाएगी। एसडीएस में अप्रूवल रेट अधिक थी और प्रोसेसिंग टाइम भी तेज था। इस प्रोग्राम के बंद होने से भारत और 13 अन्य देशों के छात्रों को अधिक लंबी वीजा प्रक्रिया से गुजरना पड़ेगा। कनाडा कई वर्षों में पहली बार देश में आने वाले आप्रवासियों की संख्या में भारी कमी करने पर विचार कर रहा है।

कतर ने हमास को देश से बाहर निकल जाने का थमाया नोटिस

वाशिंगटन। अमेरिका के अनुरोध पर कतर ने हमास को अपने देश से बाहर निकालने की तैयारी कर ली है। इजरायल-हमास युद्ध को रोकने की कोशिशों के बाद अमेरिकी अधिकारियों ने कतरी समकक्षों को लगभग दो सप्ताह पहले सूचित किया कि उन्हें अपनी राजधानी में हमास को शरण देना बंद करना चाहिए, कतर ने सहमति व्यक्त की और लगभग एक सप्ताह पहले हमास को नोटिस थमा दिया।

एजुकेशन/करियर

नामांकन प्रक्रिया : शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश योग्यता के आधार पर किया जाएगा। सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी ऑल इंडिया एंट्रेंस टेस्ट , जेईई मैंन,ओजेईई ,सीएटी,एमएटी,एक्सएटी , और एटीएमए के माध्यम से तकनीकी या व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए छात्रों को प्रवेश देगा।

ये प्रोगाम चलाये जाते

- कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- केमिकल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- मरीन इंजीनियरिंग

डिप्लोमा

- सिविल इंजीनियरिंग
- कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- मेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग

होटल मैनेजमेंट

- बीएससी हॉस्पिटैलिटी और होटल एडमिनिस्ट्रेशन में
- पीजी आवास संचालन और प्रबंधन में डिप्लोमा
- खाद्य-उत्पादन में डिप्लोमा
- खाद्य और पेय सेवा में डिप्लोमा
- डिप्लोमा इन फ्रंट - ऑफिस ऑपरेशन
- हाउस कीपिंग में डिप्लोमा
- हुनर से रोजगार तक

सीवी रमण ग्लोबल यूनिवर्सिटी में चलते है कई अलग-अलग प्रोग्राम

सीवी रमण ग्लोबल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर बिहार-झारखण्ड ओड़िसा , बंगाल और देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों के लिए एक पसंदीदा शैक्षणिक संस्थान है। सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत में स्थित एक इंजीनियरिंग और प्रबंधन संस्थान है। इसकी स्थापना 1997 में सीवी के रूप में हुई थी। संजीब कुमार राउत द्वारा रमन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग सीवी रमन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस संस्थान नेशनल बोर्ड ऑफ़ एक्रेडिशन (एनबीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है और आईएसओ 9001: 2000 गुणवत्ता के लिए प्रमाणित है। संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिशन कॉउन्सिल द्वारा "ए" दर्जा दिया गया है और यह बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। 29 फरवरी 2020 को, कॉलेज को विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और इसका नाम बदलकर सीवी रमन ग्लोबल यूनिवर्सिटी कर दिया गया। कॉलेज में चार वर्षीय बी.टेक डिग्री प्रोग्राम और दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री एम.टेक कार्यक्रम प्रदान करता है। यह ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) द्वारा मान्यता प्राप्त है और लेटरल एंट्री स्कीम के तहत डिप्लोमा धारकों के लिए मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में तीन साल का डिग्री प्रोग्राम, एमबीए में दो साल की मास्टर डिग्री और तीन साल की बीटेक डिग्री भी प्रदान करता है। और बीजू पटनायक प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के तहत संबद्ध। यह उड़ीसा स्टेट काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन एंड वोकेशनल ट्रेनिंग के तहत विभिन्न विषयों में इंजीनियरिंग में तीन साल का डिप्लोमा भी प्रदान करता है।

कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग में बहुत सारे स्पेशलाइज्ड प्रोग्राम उपलब्ध

- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग
- बीटेक इन कंप्यूटर इंजीनियरिंग
- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी
- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस- सिस्टम इंजीनियरिंग /क्लाउड कंप्यूटिंग
- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग - डाटा साइंस एंड वेब टेक्नोलॉजी
- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग - इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स
- बीटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग - आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग
- ब टेक इन कंप्यूटर साइंस- सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग एंड साइबर सिक्योरिटी इन्क्लूडिंग ब्लॉक चैन टेक्नोलॉजी / रोबोटिक्स एंड आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस
- बीटेक इन आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस एंड डाटा साइंस
- एमटेक प्रोगाम के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया
- 60% के साथ स्नातक की डिग्री + गेट स्कोर
- यहा निम्न एमएससी प्रोगाम चलाये जाते हैं
- रसायन विज्ञान
- भौतिक विज्ञान
- एप्लाइड मैथमेटिक्स और कम्प्यूटिंग एमएससी
- रसायन विज्ञान
- भौतिक विज्ञान
- एप्लाइड मैथमेटिक्स और कम्प्यूटिंग
- एमएससी प्रोगाम के लिए एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया

60% के साथ स्नातक की डिग्री +सीजीईटी स्कोर